2021—22

वार्षिक योजना

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर - 273014

mpmpg5@gmail.com

9794299451

नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

स्थापित २००५ ई.

मो. : **7897475917,** 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक
1–7 जुलाई 2021
कार्यवाही

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 01 जुलाई 2021 ई. से सप्तदिवसीय शिक्षक–कार्यशाला एवं वार्षिक–योजना बैठक प्रारम्भ हुई। प्रातः 9 बजे से 1 बजे तक चलने वाली कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक 7 जुलाई 2021 तक सम्पन्न हुई। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में विचारार्थ निम्न विषय प्रस्तुत किए गए–

1. शैक्षिक पञ्चांग।
2. दायित्त्वसह कार्य विभाजन।
3. शिक्षक आचार संहिता
4. प्रवेश एवं परीक्षा।
5. समय–सारणी।
6. पठन–पाठन।
7. पुस्तकालय–वाचनालय
8. प्रयोगशाला
9. कक्षाध्यापन में नए प्रयोग।
10. प्रार्थना सभा
11. विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा–
    (क) पाठ्यक्रम योजना
    (ख) विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन
    (ग) मासिक मूल्यांकन
    (घ) शिक्षक प्रतिपुष्टि– प्रपत्र द्वारा शिक्षक मूल्यांकन
    (ङ) शिक्षक स्वमूल्यांकन
    (च) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान
    (छ) गोद लिए गए विद्यार्थी
    (ज) गोद लिए गए गाँव
    (झ) मासिक मूल्यांकन
12. प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।
    (क) जीवनमूल्य
    (ख) हमारे पूर्वज
    (ग) निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग
    (घ) निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण
    (ङ) आपदा और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन
13. निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र।
14. क्रीड़ा

15. छात्रसंघ
16. राष्ट्रीय सेवा योजना
17. एन.सी.सी.
18. रोवर्स रेंजर
19. वेबसाइट / फेसबुक / ट्यूटर / यूट्यूब
20. तकनीकी प्रसार
21. कार्यालय
22. NAAC / AISHE
23. महत्त्वपूर्ण आयोजन–
    (क) 13 अगस्त भारत विभाजन की पूर्व संध्या (व्याख्यान)
    (ख) 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस समारोह
    (ग) राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला
    (घ) साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह
    (ङ) युवा महोत्सव / वार्षिक महोत्सव
    (च) संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद)
    (छ) भारत–भारती पखवारा (12 जनवरी–26 जनवरी)
    (ज) सरस्वती पूजा (बसन्त पंचमी)
    (झ)समावर्तन संस्कार–समारोह
24. वार्षिक बजट
25. अन्य किसी के सुझाव पर

वार्षिक योजना बैठक में उपर्युक्त विषयों पर विचार–विमर्श कर एक मत से निम्नांकित निर्णय लिए गए–

1. **शैक्षिक पञ्चांग –** महाविद्यालय का शैक्षिक पञ्चांग पाँच भागों से मिलकर बनाया गया। **भाग 01** – महाविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रम गतिविधियाँ एवं समय–सारणी। **भाग 02** – विभागीय कार्ययोजना एवं कार्यक्रम। **भाग 03** – क्रीड़ा गतिविधियाँ। **भाग 04** – राष्ट्रीय सेवा योजना का वार्षिक विवरण **भाग 05** – प्रमुख अवकाश। शैक्षिक पञ्चांग निम्नवत है –

भाग–1
वार्षिक तिथिक्रम : महत्वपूर्ण कार्यक्रम

16 जून, 2021	कक्षारम्भ ऑनलाइन, स्नातक द्वितीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष
04 जुलाई	स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि पर पौधरोपड़
10 अगस्त	वार्षिक परीक्षा
11 अगस्त	कक्षारम्भ स्नातक प्रथम एवं तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष
13 अगस्त	भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान
15 अगस्त	स्वतंत्रता दिवस समारोह
16 अगस्त	प्रयोगशालाएं प्रारम्भ
22 अगस्त	आपदा और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन – प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रारम्भ
23–29 अगस्त	राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यान–माला
04–05 सितम्बर	राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्राचीन इतिहास विभाग
07–08–09 सितम्बर	छात्रसंघ चुनाव
13 सितम्बर	शिक्षक संघ चुनाव
14 सितम्बर	हिन्दी दिवस, छात्रसंघ शपथ ग्रहण
18 सितम्बर	ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह उद्घाटन कार्यक्रम (श्रीगोरखनाथ मंदिर)
20 सितम्बर	महाराणा अग्रसेन जयन्ती– व्याख्यान
23 सितम्बर	युगपुरूष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम (महाविद्यालय में)
24 सितम्बर	बह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह समापन कार्यक्रम – (श्रीगोरखनाथ मन्दिर परिसर में)
25 सितम्बर	कर्मचारी संघ चुनाव

02 अक्टूबर	महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती पर महाविद्यालय के सभी शिक्षको, कर्मचारी, गोद लिए गए विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता अभियान, गोद लिए गए विद्यार्थियों की बैठक, महाविद्यालय के त्रयमासिक शिक्षक, प्राचार्य समीक्षा बैठक)
04 अक्टूबर (अश्विनकृष्ण त्रयोदर्शी)	योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान
31 अक्टूबर	वल्लभ भाई पटेल/आचार्य नरेन्द्र देव जयन्ती–अभिरूचिकारी व्याख्यान (1) (विषय – फिल्म, सोसाइटी और लिट्रेचर) श्रीमती कविता मन्ध्यान
07 नवम्बर	विपिन चन्द्रपाल जयन्ती– अभिरूचिकारी व्याख्यान (2) (विषय – स्वतंत्रता संग्राम में विपिन चन्द्रपाल का योगदान) डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह (पूर्वसंध्या)
19 नवम्बर	गुरू नानक जयन्ती– व्याख्यान
22–28 नवम्बर	वार्षिक महोत्सव (महाविद्यालय)
24 नवम्बर	गुरू तेग बहादुर शहीद दिवस पर व्याख्यान
04–10 दिसम्बर	संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के स्तर पर)
06 दिसम्बर	डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर व्याख्यान (पूर्व संध्या)
16 दिसम्बर	विजय दिवस समारोह–अभिरूचिकारी व्याख्यान (3) (विषय – वर्तमान समय में 16 दिसम्बर, 1971 का स्त्रातजिक मूल्यांकन) डॉ. रमाकान्त दूबे
12–26 जनवरी	भारत–भारती पखवारा
26 जनवरी	गणतन्त्र दिवस समारोह
05 फरवरी	बसन्त पंचमी – माँ सरस्वती पूजन
06–20 फरवरी	विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं परिणाम घोषणा
16 फरवरी	माघपूर्णिमा– संत रविदास जयन्ती – अभिरूचिकारी व्याख्यान (4) (विषय– सन्त रविदास का सामाजिक सरोकार) डॉ. आरती सिंह
22–24 फरवरी	रिमेडियल कक्षाएं
27 फरवरी	समावर्तन संस्कार समारोह
मार्च	विश्वविद्यालय परीक्षा

प्रार्थना सभा के कार्यक्रम

अगस्त

1	रविवार	01.08.2021	अवकाश/लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस/राजर्षि टण्डन जयन्ती
2	सोमवार	02.08.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ प्रथम अध्याय, श्लोक– 01,02**
3	मंगलवार	03.08.2021	मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती
4	बुधवार	04.08.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ प्रथम अध्याय, श्लोक– 21, 22, 44**
5	गुरूवार	05.08.2021	**श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक– 01, 02, 03**
6	शुक्रवार	06.08.2021	**श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक– 13, 14, 15**
7	शनिवार	07.08.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास/रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि
8	रविवार	08.08.2021	अवकाश
9	सोमवार	09.08.2021	भारत छोड़ो आन्दोलन/काकोरी काण्ड
10	मंगलवार	10.08.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक– 16, 18, 20**
11	बुधवार	11.08.2021	खुदीराम बोस बलिदान दिवस
12	गुरूवार	12.08.2021	अमर शहीद बन्धु सिंह बलिदान दिवस
13	शुक्रवार	13.08.2021	अहिल्याबाई होलकर पुण्यतिथि
14	शनिवार	14.08.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास
15	रविवार	15.08.2021	स्वतन्त्रता दिवस/महर्षि अरविन्द जयन्ती/अवकाश
16	सोमवार	16.08.2021	रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि 1886/ अटल स्मृति दिवस
17	मंगलवार	17.08.2021	मदनलाल धीगड़ा बलिदान दिवस
18	बुधवार	18.08.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक– 23, 24, 25**
19	गुरूवार	19.08.2021	मोहर्रम
20	शुक्रवार	20.08.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक– 26, 27, 28**
21	शनिवार	21.08.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास
22	रविवार	22.08.2021	अवकाश/रक्षाबन्धन
23	सोमवार	23.08.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक– 33, 34, 35**
24	मंगलवार	24.08.2021	राजगुरू जयन्ती
25	बुधवार	25.08.2021	रास बिहारी बोस पुण्यतिथि

26	गुरूवार	26.08.2021	रानी पद्मिनी जौहर दिवस
27	शुक्रवार	27.08.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक– 36, 37, 38**
28	शनिवार	28.08.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास /राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचन्द्र जयन्ती) पूर्व दिवस
29	रविवार	29.08.2021	अवकाश/राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचन्द्र जयन्ती)
30	सोमवार	30.08.2021	कृष्ण जन्माष्टमी
31	मंगलवार	31.08.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक– 42, 43, 44**

सितम्बर

1	बुधवार	01.09.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 45, 46**
2	गुरूवार	02.09.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 47, 48**
3	शुक्रवार	03.09.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 54, 55, 56**
4	शनिवार	04.09.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास/दादाभाई नौरोजी जयन्ती,शिक्षक दिवस (पूर्व दिवस)
5	रविवार	05.09.2021	अवकाश/शिक्षक दिवस, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती
6	सोमवार	06.09.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 62, 63, 64**
7	मंगलवार	07.09.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 66, 67, 68**
8	बुधवार	08.09.2021	विश्व साक्षरता दिवस
9	गुरूवार	09.09.2021	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयन्ती
10	शुक्रवार	10.09.2021	गोविन्द बल्लभ पन्त जयन्ती/आचार्य विनोबा भावे जयन्ती
11	शनिवार	11.09.2021	महादेवी वर्मा पुण्यतिथि
12	रविवार	12.09.2021	अवकाश
13	सोमवार	13.09.2021	यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस
14	मंगलवार	14.09.2021	हिन्दी दिवस/दधीचि जयन्ती (भाद्रपाद शुक्ल पक्ष की अष्टमी)
15	बुधवार	15.09.2021	एम. विश्वेश्वैया जयन्ती (इन्जीनियर्स डे)
16	गुरूवार	16.09.2021	विश्व ओजोन संरक्षण दिवस
17	शुक्रवार	17.09.2021	विश्वकर्मा जयन्ती
18	शनिवार	18.09.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास
19	रविवार	19.09.2021	अवकाश/ अनन्त चतुर्दशी
20	सोमवार	20.09.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 70, 71, 72**
21	मंगलवार	21.09.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक– 25, 26**
22	बुधवार	22.09.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक– 27, 29, 30**
23	गुरूवार	23.09.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक– 33, 34, 35**
24	शुक्रवार	24.09.2021	भिकाजी कामा जयन्ती
25	शनिवार	25.09.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास /पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती/सतीश धवन जयन्ती
26	रविवार	26.09.2021	अवकाश
27	सोमवार	27.09.2021	राजा राम मोहन राय पुण्यतिथि/राष्ट्रीय पर्यटन दिवस
28	मंगलवार	28.09.2021	सरदार भगत सिंह जयन्ती/चेहल्लूम
29	बुधवार	29.09.2021	ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जयन्ती
30	गुरूवार	30.09.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक– 36, 37, 38**

अक्टूबर

1	शुक्रवार	01.10.2021	एनी बेसेन्ट जयन्ती
2	शनिवार	02.10.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास/महात्मा गांधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती
3	रविवार	03.10.2021	**अवकाश**
4	सोमवार	04.10.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक– 41, 42, 43**
5	मंगलवार	05.10.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक– 05, 06, 07, 08**
6	बुधवार	06.10.2021	मेधनाथ साहा जयन्ती/पितृ विसर्जन
7	गुरूवार	07.10.2021	गुरू गोविन्द सिंह पुण्यतिथि
8	शुक्रवार	08.10.2021	वायुसेना दिवस/मुशी प्रेमचन्द स्मृति दिवस
9	शनिवार	09.10.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास
10	रविवार	10.10.2021	अवकाश
11	सोमवार	11.10.2021	जय प्रकाश नारायण जयन्ती/दशहरा अवकाश

12	मंगलवार	12.10.2021	राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि/दशहरा अवकाश
13	बुधवार	13.10.2021	दशहरा अवकाश
14	गुरूवार	14.10.2021	दशहरा अवकाश
15	शुक्रवार	15.10.2021	डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जयन्ती/दशहरा अवकाश
16	शनिवार	16.10.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास/दशहरा अवकाश
17	रविवार	17.10.2021	अवकाश
18	सोमवार	18.10.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक– 11, 12, 13**
19	मंगलवार	19.10.2021	स्वामी महावीर निर्वाण दिवस/वारावफात ईद–ए–मिलाद
20	बुधवार	20.10.2021	वाल्मीकि जयन्ती (अश्विन मास पूर्णिमा)
21	गुरूवार	21.10.2021	आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस
22	शुक्रवार	22.10.2021	अशफाक उल्ला खॉ जयन्ती
23	शनिवार	23.10.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास
24	रविवार	24.10.2021	अवकाश/संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस
25	सोमवार	25.10.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक– 16, 17, 18**
26	मंगलवार	26.10.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक– 25, 26, 27**
27	बुधवार	27.10.2021	जतीन्द्र नाथ दास जयन्ती
28	गुरूवार	28.10.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक– 28, 29, 30**
29	शुक्रवार	29.10.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक– 34, 35, 36**
30	शनिवार	30.10.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास/होमी जहागीर भाभा जयन्ती
31	रविवार	31.10.2021	अवकाश/ इन्दिरा गांधी पुण्यतिथि /सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती

नवम्बर

1	सोमवार	01.11.2021	अवकाश (दिपावली अवकाश)
2	मंगलवार	02.11.2021	अवकाश (दिपावली अवकाश)
3	बुधवार	03.11.2021	गुरू गोविन्द सिंह पुणतिथि (कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी)
4	गुरूवार	04.11.2021	वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती/स्वामी दयानन्द सरस्वती निर्वाण दिवस (कार्तिक कृष्ण अमावस्या)
5	शुक्रवार	05.11.2021	गोवर्धन पूजा भैया दूज
6	शनिवार	06.11.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास/महात्मा ज्योतिबा फूले जयन्ती
7	रविवार	07.11.2021	अवकाश/विपिन चन्द्र पाल/ सी.वी.रमन जयन्ती
8	सोमवार	08.11.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक– 38, 41, 42**
9	मंगलवार	09.11.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक– 01, 02, 03**
10	बुधवार	10.11.2021	छठ पर्व
11	गुरूवार	11.11.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक– 09, 09, 10**
12	शुक्रवार	12.11.2021	मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि
13	शनिवार	13.11.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास
14	रविवार	14.11.2021	अवकाश
15	सोमवार	15.11.2021	आचार्य विनोबा भावे पुण्यतिथि/विरसा मुण्डा जयन्ती/कार्तिक एकादशी
16	मंगलवार	16.11.2021	राष्ट्रीय प्रेस दिवस
17	बुधवार	17.11.2021	लाला लाजपत राय बलिदान दिवस
18	गुरूवार	18.11.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक– 15, 16, 17**
19	शुक्रवार	19.11.2021	गुरूनानक जयन्ती (कार्तिक पूर्णिमा)/रानी लक्ष्मीबाई जयन्ती
20	शनिवार	20.11.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास
21	रविवार	21.11.2021	अवकाश/महात्मा ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि
22	सोमवार	22.11.2021	झलकारी बाई जयन्ती
23	मंगलवार	23.11.2021	जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि
24	बुधवार	24.11.2021	गुरूतेग बहादुर शहीद दिवस
25	गुरूवार	25.11.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक, 18, 19, 20**
26	शुक्रवार	26.11.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक, 24, 25, 26**
27	शनिवार	27.11.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास

28	रविवार	28.11.2021	अवकाश
29	सोमवार	29.11.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक– 01, 04, 15**
30	मंगलवार	30.11.2021	जगदीश चन्द्र बोस जयन्ती

दिसम्बर

1	बुधवार	01.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक– 37, 38, 39**
2	गुरूवार	02.12.2021	राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस
3	शुक्रवार	03.12.2021	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती
4	शनिवार	04.12.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास/भारतीय नौसेना दिवस
5	रविवार	05.12.2021	अवकाश/डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि
6	सोमवार	06.12.2021	डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि
7	मंगलवार	07.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक– 40, 42, 43**
8	बुधवार	08.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक– 44, 45, 46**
9	गुरूवार	09.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक– 01, 02, 03**
10	शुक्रवार	10.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक– 06, 07, 12**
11	शनिवार	11.12.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास
12	रविवार	12.12.2021	अवकाश
13	सोमवार	13.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक– 14, 16, 17**
14	मंगलवार	14.12.2021	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस
15	बुधवार	15.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टम अध्याय, श्लोक– 01, 05, 27, 28**
16	गुरूवार	16.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक– 01, 03, 06, 09**
17	शुक्रवार	17.12.2021	राजेन्द्र लाहिड़ी बलिदान दिवस
18	शनिवार	18.12.2021	साप्ताहिक योगाभ्यास
19	रविवार	19.12.2021	अवकाश/रोशन सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस
20	सोमवार	20.12.2021	वीर छत्रसाल पुण्यतिथि
21	मंगलवार	21.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, नवम् अध्याय, श्लोक– 16, 17, 18, 27**
22	बुधवार	22.12.2021	राष्ट्रीय गणित दिवस
23	गुरूवार	23.12.2021	किसान दिवस (चौधरी चरण सिंह जयन्ती)
24	शुक्रवार	24.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक– 02, 32, 33, 34**
25	शनिवार	25.12.2021	क्रिस्मश डे (अवकाश)/मदन मोहनमालवीय जयन्ती
26	रविवार	26.12.2021	अवकाश/फतेह सिहं, जोरावर सिंह बलिदान दिवस
27	सोमवार	27.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, एकदश अध्याय, श्लोक– 01, 02, 04**
28	मंगलवार	28.12.2021	सुमित्रा नन्दन पन्त स्मृति दिवस
29	बुधवार	29.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, एकदश अध्याय, श्लोक– 52, 53, 54**
30	गुरूवार	30.12.2021	महर्षि रमण जयन्ती
31	शुक्रवार	31.12.2021	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक– 1, 5, 6, 7**

जनवरी

1	शनिवार	01.01.2022	साप्ताहिक योगाभ्यास/शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस
2	रविवार	02.01.2022	अवकाश
3	सोमवार	03.01.2022	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक– 10, 11, 12**
4	मंगलवार	04.01.2022	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक– 13, 14, 17**
5	बुधवार	05.01.2022	**गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती (पौष शुक्ल सप्तमी)**
6	गुरूवार	06.01.2022	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, त्रयोदश अध्याय, श्लोक– 20, 21, 34**
7	शुक्रवार	07.01.2022	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्दश अध्याय, श्लोक– 01, 03, 05**
8	शनिवार	08.01.2022	साप्ताहिक योगाभ्यास
9	रविवार	09.01.2022	**अवकाश/हर गोविन्द खुराना जयन्ती**
10	सोमवार	10.01.2022	विश्व हिन्दी दिवस

11	मंगलवार	11.01.2022	**श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचदश अध्याय, श्लोक– 15, 16, 17, 18**
12	बुधवार	12.01.2022	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती
13	गुरूवार	13.01.2022	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक– 01, 02, 03**
14	शुक्रवार	14.01.2022	**मकर संक्रान्ति**
15	शनिवार	15.01.2022	साप्ताहिक योगाभ्यास/मकर संक्रान्ति/अवकाश
16	रविवार	16.01.2022	अवकाश
17	सोमवार	17.01.2022	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक– 06, 07, 24**
18	मंगलवार	18.01.2022	महादेव गोविन्द रानाडे जयन्ती
19	बुधवार	19.01.2022	महाराणा प्रताप स्मृति दिवस
20	गुरूवार	20.01.2022	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक– 01, 02, 03, 10**
21	शुक्रवार	21.01.2022	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक– 20, 21, 22**
22	शनिवार	22.01.2022	साप्ताहिक योगाभ्यास
23	रविवार	23.01.2022	अवकाश/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती
24	सोमवार	24.01.2022	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक– 72, 73, 74**
25	मंगलवार	25.01.2022	राष्ट्रीय मतदान दिवस
26	बुधवार	26.01.2022	गणतन्त्र दिवस
27	गुरूवार	27.01.2022	**श्रीमद्भगवतगीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक– 75, 76, 77**
28	शुक्रवार	28.01.2022	लाला लाजपत राय जयन्ती
29	शनिवार	29.01.2022	साप्ताहिक योगाभ्यास
30	रविवार	30.01.2022	अवकाश/महात्मा गाँधी पुण्यतिथि
31	सोमवार	31.01.2022	मेजर सामेनाथ शर्मा जयन्ती

भाग–2

विभागीय कार्य योजना

योजना बैठक में यह तय किया गया कि प्रत्येक विभाग पूर्व की भाँति अपने विभाग की वार्षिक कार्य–योजना बनाए। व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रखते हुए बनायी जायेगी। विभागीय रपट नैक मूल्यांकन के अनुरूप अद्यतन रखी जायेगी। विभागीय शिक्षकों का बायोडाटा अद्यतन किया जाता रहे। विद्यार्थियों की प्रगति–रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन किया जाय। प्रगति–रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा, तदोपरान्त उनके बारे में अपने प्रयत्न की रूपरेखा बनायी जायेगी।

विभाग द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थी का पूर्ण विवरण एवं शिक्षक के प्रयत्न से उनमें गुणात्मक सुधार का तथ्यात्मक विवरण रखा जाएगा। गोद लिए गए विद्यार्थियों के विकास की स्पष्ट योजना बनायी जायेगी। विभागीय पुस्तकालय, प्रयोगशाला का अनवरत विकास किया जाएगा। विभागवार कार्ययोजना निम्नवत् हैं –

गणित विभाग

1. **पाठ्यक्रम योजना** – विभाग द्वारा सत्र 2021–22 की पाठ्ययोजना बना कर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। विभाग द्वारा 16 जून 2021 से बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष की कक्षा प्रारम्भ हो चुकी हैं। 12 अगस्त 2021 से बी.एस–सी. प्रथम वर्ष एव बी.एस–सी. तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ होंगी।

2. **पाठ्यक्रम योजना का उद्देश्य** – महाविद्यालय में विभागीय पाठ्यक्रम योजना का उद्देश्य यह है कि छात्र–छात्राओं को यह पहले से पता होना चाहिए की किस दिन विभाग के किस शिक्षक का व्याख्यान है, तथा उस दिन कौन सा टॉपिक कक्षा में पढ़ाया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना में कक्षाध्यापन व मासिक मूल्यांकन अंकित रहता है, जिससे विभागीय छात्रों को पहले से पता रहता है कि किस दिन उस माह में कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन होगा।

3. **मासिक मूल्यांकन** – सत्र 2021–22 में प्रति माह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा, मासिक मूल्यांकन में उस माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे। अगस्त माह से जनवरी माह तक पूछे गये मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जायेंगे।

मासिक मूल्यांकन तिथि – सत्र 2021–2022 में मासिक मूल्यांकन की तिथि निम्न है–

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.–सी. प्रथम	NA	28	30	30	25	28	29
बी.एस.–सी. द्वितीय	NA	27	29	29	23	27	28
बी.एस.–सी. तृतीय	NA	27	29	29	23	27	28

4. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – विभाग शिक्षको द्वारा प्रतिमाह, ऑनलाइन स्वमूल्यांकन प्रपत्र महाविद्यालय के वेबसाइट पर भरा जाता है। जिसमें शिक्षक गत माह में अपने द्वारा पढ़ाये गये कुल कक्षा व्याख्यान, अपने द्वारा कराये गये कक्षाध्यापन, तथा विभाग द्वारा कराये गये मासिक मूल्यांकन की जानकारी भर कर सबमिट करते है। यह स्वमूल्यांकन प्रपत्र प्रतिमाह महाविद्यालय वेबसाइट शिक्षक के ब्लाग पर माह के प्रथम कार्यदिवस पर आनलाईन सबमिट किया जाता है तथा विभाग में उसका प्रिन्ट आउट सुरक्षित रखा जाता है।

5. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन** – विभाग द्वारा प्रति सप्ताह छात्र–छात्राओं से कक्षाध्यापन कराया जाता है, इस प्रक्रिया में कक्षाध्यापन की तिथि से 05–06 दिन पूर्व छात्र–छात्राओं को विषय आवंटित कर दिया जाता है, तथा कक्षाध्यापन की तिथि पर उनसे कक्षाध्यापन कराकर उन्हे श्रेणी प्रदान किया जाता है। इस कक्षाध्यापन की प्रक्रिया से छात्र–छात्रों में विषय वस्तु को समझने एवं प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण विभागीय शिक्षकों द्वारा किया जाता है।

कक्षाध्यापन तिथि – सत्र 2021–2022 में कक्षाध्यापन की तिथि निम्न है–

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.–सी. प्रथम	NA	5,12,21	6,13,21	9,23	16	2,13,20	4,11,20
बी.एस.–सी. द्वितीय	20,28	4,11,20	4,11,20	8,22	13,23	11,18	3,10,19
बी.एस.–सी. तृतीय	20,28	4,11,20	4,11,20	8,22	13,23	11,18	3,10,19

कक्षाध्यापन में नूतन प्रयोग– सत्र 2021–22 में विभाग द्वारा कक्षाध्यापन में एक नूतन प्रयोग किया जायेगा, शिक्षक कक्षाध्यापन की तिथि से 05–06 दिन पूर्व विषय आवंटित करेगें, छात्र–छात्रो से उस विषय से सम्बन्धित एक सारांश बनाने में सहयोग करेगें, कक्षाध्यापन के दिन उस सारांश का मूल्यांकन करके, शिक्षक उसकी फोटो कापी अपने पास सुरक्षित रखेगे तथा मूलप्रति छात्रों को वापस कर दिया जायेगा।

6. **ग्राम दर्शन** – गणित विभाग, महाविद्यालय में अध्यापन के साथ–साथ सामाजिक दायित्व का भी कार्य करता है। विभाग अपने गोद लिए गाँव – घोघड़ा में सत्र 2021–22 में चार बार सेवा कार्य के लिए जायेगा। सत्र 2021–2022 में विभाग गोद लिए ग्राम – घोघड़ा में कोविड–19 के प्रति जागरुकता विषय पर कार्य करेगा। विभाग सत्र 2021–2022 में निम्न प्रस्तावित तिथि पर ग्राम दर्शन करेगा।
   (1) 8 अगस्त (अगस्त के प्रथम रविवार)
   (2) 24 अक्टूबर (विजयादशमी के अवकाश पर)
   (3) 27 फरवरी (विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के बाद)
   (4) 29 मई (गर्मी के अवकाश में)

7. **गोद लिए विद्यार्थी** – विभाग के शिक्षकों द्वारा अपने विषय के विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। इस योजना में शिक्षक गोद लिए विद्यार्थियों से सीधे सम्पर्क में रहता है। शिक्षक अपने गोद लिए विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है। इसलिए शिक्षक अपने प्रयास से छात्र के रूचि के अनुसार उसे कक्षा प्रतिनिधि, राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्र संघ प्रतिनिधि, स्काउट–गाइड का सदस्य बनने के लिए प्रेरित करता है। विभाग के निम्न शिक्षकों के गोद लिए विद्यार्थियों की सूची निम्नलिखित है।

शिक्षक	**गोद लिए छात्र**
1. श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	1. अभिमन्यु सिंह बी.एस–सी भाग दो (कक्षा प्रतिनिधि) 2. संगम ठाकुर बी.एस–सी भाग दो 3. आशिष शर्मा बी.एस–सी भाग दो 4. विवेक पाल यादव बी.ए. भाग एक (रा.से.यो.) 5. विशाल शर्मा बी.एस–सी भाग दो (रा.से.यो.)
2. श्री प्रतीक दास	1. सुहानी सिंह (रा.से.यो.) 2. आदित्य प्रजापति (रा.से.यो.)

3. रिक्त
4. रिक्त
5. रिक्त

नोट तीन सीट रिक्त है। सत्र 2021–22 मे इसे पूरा किया जायेगा।

3. डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव
1. मनीष कुमार दूबे बी.एस–सी भाग तीन
2. प्रवीश पाण्डेय बी.एस–सी भाग तीन
3. शिवम सिंह बी.एस–सी भाग तीन
4. अमन सिंह बी.एस–सी भाग तीन
5. स्नेहा चौरसिया बी.एस–सी भाग तीन
6. अकिता सिंह बी.एस–सी भाग तीन

8. **समय सारणी** – महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय–सारणी उपलब्ध कराया जाता है। जिसमे प्रतिदिन बी. एस–सी. प्रथम वर्ष, बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष एव बी.एस–सी. तृतीय वर्ष की दो–दो कक्षाएं संचालित होती है। विभाग समय सारणी का शत् प्रतिशत अनुपालन करता है।

9. **पठन पाठन, तकनीकी प्रसार एवं ब्लॉग** – विभाग अपने पठन पाठन में प्रतिवर्ष नूतन प्रयोग करते आया है तथा विभाग प्रयास करता है कि अपने पठन पाठन में तकनीकी का भी उपयोग करे। विभाग के शिक्षक पठन–पाठन में पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन का प्रयोग करते हैं। महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध व्यक्तिगत ब्लॉग पर शिक्षक अपने–अपने पेपर के पावर प्वाइंट स्टडी मटेरियल अपलोड किये है। सत्र 2021–22 में शिक्षक इस पावर प्वाइंट स्टडी मटेरियल को अधिक से अधिक अपलोड करने का प्रयास करेगें, विभागीय शिक्षकों को यदि अपने विषय से सम्बन्धित सारांश छात्रों को उपलब्ध करना होता है तो शिक्षक अपने ब्लाग के अन्य वाले शिर्षक में अपलोड करते है।

1. श्रीकान्त मणि त्रिपाठी – बी.एस–सी. भाग एक अपलोड विषय वस्तु की संख्या–19 (एम.एस.वर्ल्ड, पी.पी.टी.)
   बी.एस–सी. भाग दो अपलोड विषय वस्तु की संख्या–11 (एम.एस.वर्ल्ड, पी.पी.टी.)
   बी.एस–सी. भाग तीन अपलोड विषय वस्तु की संख्या–10 (एम.एस.वर्ल्ड, पी.पी.टी.)
   अन्य –10 (पी.डी.एफ), विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा प्रश्न पत्र–सत्र 2020–21–13 प्रश्नपत्र
2. श्री प्रतीक दास – बी.एस–सी. भाग एक अपलोड विषय वस्तु (पी.डी.एफ.) की संख्या–08
   बी.एस–सी. भाग दो अपलोड विषय वस्तु (पी.डी.एफ.) की संख्या–11
   बी.एस–सी. भाग तीन अपलोड विषय वस्तु (पी.डी.एफ.+ पी.पी.टी.) की संख्या–10
   विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा प्रश्न पत्र – सत्र 2020–21 04 प्रश्नपत्र
3. डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव – बी.एस–सी. भाग एक अपलोड विषय वस्तु की संख्या–12 (पी.डी.एफ.)
   बी.एस–सी. भाग दो अपलोड विषय वस्तु की संख्या–07 (पी.डी.एफ.)
   बी.एस–सी. भाग तीन अपलोड विषय वस्तु की संख्या–06 (पी.डी.एफ.)
   विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा प्रश्न पत्र – सत्र 2020–21 04 प्रश्नपत्र

10. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – विभाग में शिक्षक के व्यक्तिगत विकास एवं उनके पठन पाठन के तरीके में सुधार के लिए विभाग द्वारा प्रतिवर्ष दो बार छात्रों से प्रतिपुष्टि प्रपत्र, सितम्बर एवं जनवरी माह में भरवाया जाता है इस प्रपत्र को सुरक्षित रखा जाता है।

    शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र विभाग प्रभारी द्वारा भरवाया जाता है। इस प्रपत्र को विभाग प्रभारी द्वारा पढ़ा कर विभागीय शिक्षकों के व्यक्तित्व विकास एवं पठन–पाठन के तरीके में आवश्यकता अनुसार सुधार के सन्दर्भ में वार्तालाप किया जाता है।

11. **निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र** – महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित गुरु गोरक्षनाथ हास्पिटल की सहायता से महाविद्यालय परिसर में निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र का संचालन होता है। इस केन्द्र पर सप्ताह में दो दिन बुद्धवार एवं गुरुवार को चिकित्सक चिकित्सा केन्द्र पर बैठते हैं। इस केन्द्र पर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षक, कर्मचारियों को उपचारात्मक सलाह व दवाईयाँ दी जाती है तथा महाविद्यालय के आस–पास के ग्राम वासियों को भी उपचारात्मक सलाह व दवाईयाँ दी जाती है।

    विभाग अपने कक्षा में छात्र–छात्रों को निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र के बारे में जागरूक करता रहता है कि यदि आप लोगो को स्वास्थ्य से सम्बन्धित कोई भी समस्या हो तो आप इस चिकित्सा केन्द्र पर अवश्य सम्पर्क करे, तथा आप अपने घर के आस–पास के गरीब एवं आर्थिक कमजोर वर्ग के लोगो को भी इस निशुल्क चिकित्सा केन्द्र के बारे में बताऐ जिससे कि वो इस चिकित्सा केन्द्र का लाभ ले सकें।

12. **वेबसाइट, फेसबुक** – महाविद्यालय प्रशासन अपने सूचनाओं को छात्र–छात्राओं तक पहुँचाने के लिए प्रतिदिन महाविद्यालय प्रशासन अपनी वेबसाइट को अद्यतन करता रहता है तथा फेसबुक पर भी सूचनाओं को अद्यतन करता रहता है। विभाग

अपनी सूचनाएं एवं विभागीय कार्यक्रम (विशेष व्याख्यान, कार्यशाला) की सूचना एवं कार्यक्रम की जानकारी छात्र–छात्राओं तक पहुचाने के लिए महाविद्यालय के वेबसाइट एवं फेसबुक का उपयोग करता है।

13. **पुस्तकालय –** विभाग अपने स्तर पर एक पुस्तकालय का गठन किया है। जिसमें यदि किसी छात्र को पुस्तक की आवश्यकता होती है तो विभाग उस छात्र का नाम, आई.डी. नोट करके पुस्तक दे देता है। वह पुस्तक छात्र को तीन दिन के अन्दर विभाग को वापस करना होता है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा केन्द्रिय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। विभाग के शिक्षक प्रतिदिन पुस्तकालय में एक घण्टी बैठे, विभाग अपने स्तर पर ये सुनिश्चित करता है।

14. **नैक –** विभाग नैक को सहयोग करता है नैक प्रभारी एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी द्वारा समय–समय पर माँगे गये सभी प्रपत्रों को विभाग तय सीमा से पहले नैक प्रभारी एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी को उपलब्ध करा देता है।

15. **विभागीय दायित्व विभाजन –** विभाग में सभी शिक्षक अपने दायित्वो का निर्वहन जिम्मेदारी के साथ करते है। विभाग द्वारा सत्र 2021–22 में निम्न दायित्व विभाग के निम्न शिक्षकों को दिया गया हैं।

1. कक्षा संचालन, पठन–पाठन, पाठ्यक्रम योजना को शत प्रतिशत लागू कराना, विभागीय कार्यक्रम, गोद लिए ग्राम शिक्षक प्रतिपुष्ठ प्रपत्र, कक्षाध्यापन का रिकार्ड रखना। — **श्रीकान्त मणि त्रिपाठी**
2. प्रगति आख्या, नैक एवं आई.क्यू.ए.सी. सम्बन्धित प्रपत्र, विभागीय शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र रख रखाव, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा प्रश्न पत्र — **श्री प्रतीक दास**
3. विभागीय पुस्तकालय, पुस्तको की सूची जनरलस की सूची प्रगति आख्या, विभागीय पूर्व विद्यार्थी, मासिक मूल्यांकन रिकार्ड — **डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव**

16. **श्री निवास रामानुजन अयंगर स्मृति, गणित महोत्सव कार्यक्रम–**
गणित विभाग द्वारा 20 दिसम्बर से 22 दिसम्बर, 2021 तक श्री निवास रामानुजन अयंगर स्मृति, गणित महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन कराया जायेगा, इस कार्यक्रम में विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन होगा जिसका विषय ''Role of Mathematics in Advancement of Science'' होगा।

दिन	विषय	प्रस्तावित अतिथि
20.12.2021	Sequenc and Bound	Dr. K.B. Gupta
21.12.2021	Linear Programming Problem	Dr. U.K. Gupta
22.12.2021	Numerial Analysis	Dr. Vinite Mishra

नोट – विषम परिस्थितियो में दिनांक व अतिथि में परिवर्तन सम्भव है।

17. **कार्यशाला –** 12 जनवरी, 2022 से 26 जनवरी, 2022 तक चलने वाली भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत विभाग 17 जनवरी, 2022 को एक कार्यशाला का आयोजन विभाग द्वारा किया जायेगा।

दिन	विषय	प्रस्तावित अतिथि
17.01.2022	वैदिक गणित–एक परिचय	श्रीकान्त मणि त्रिपाठी

18. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका –** परिसर अनुशासन में विभाग के शिक्षक अनुशासन मण्डल का सहयोग करते है। विभाग के शिक्षक ये सुनिश्चित करते है। वे महाविद्यालय परिसर में जहाँ पर भी हो वहाँ पर अनुशासन बनाये रखे। विभाग अपने अगल–बगल कमरों के आस–पास एवं गलियारें में अनुशासन के प्रति जबाब देह है। विभागीय स्तर पर इसे सुनिश्चित किया गया है।

19. **शिक्षण विधियाँ–**

1. **व्याख्यान–विधि–** विभागीय शिक्षकों द्वारा इस विधि का प्रयोग किया जाता है। इस विधि में शिक्षक गणित विषय के प्रश्नों को छात्रों को व्याख्यान के माध्यम से समझाते है तथा उन प्रश्नों का हल श्यामपट्ट पर करते है।
2. **पॉवर प्वांइट प्रस्तुतीकरण–** विभागीय शिक्षकों द्वारा इस विधि का प्रयोग गणितीय ज्यामिति एवं गणित विषय के जटिल प्रश्नों को आसानी से छात्रों को समझाने के लिए उपयोग में लाया जाता है।
3. **प्रोजेक्ट विधि–** विभाग द्वारा इस विधि का प्रयोग स्नातक अन्तिम वर्ष में किया जाता है। इस विधि में छात्र अपने गणित विषय के पाँच प्रश्न–पत्रों में से प्रत्येक प्रश्न पत्र से दो अति महत्वूपर्ण प्रश्न को लिखते है तथा उसका मूल्यांकन विभागीय शिक्षकों से करते है।

20. **शिक्षक आचार संहिता में विभाग की भूमिका–** शिक्षक आचार संहिता सत्र 2021–2022 हेतु महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सर्वसम्मति से अद्यतन की गयी है। विभागीय शिक्षक, महाविद्यालय प्रशासन द्वारा अद्यतन शिक्षक आचार संहिता का यथा संभव शतः प्रतिशत पालन करेगें।

21. **प्रार्थना सभा में विभाग की भूमिका–** महाविद्यालय के दिनचर्या की शुरूआत प्रार्थना सभा से होती है। जिसमें सोमवार से शुक्रवार तक राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, ईशवन्दना, सरस्वती वन्दना और साथ में महापुरूषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान होता है। प्रार्थना सभा का समय प्रतिदिन 09.20 से 09.40 तक होता है। शनिवार के दिन प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होता है। विभागीय शिक्षक प्रतिदिन प्रार्थना सभा में उपस्थित रहते है तथा विभाग अपने छात्रों को प्रेरित करता है कि वे प्रार्थना सभा में समय से उपस्थित रहे।

सांख्यिकी विभाग

पाठ्यक्रम योजना :

विभाग द्वारा सत्र 2021–22 की पाठ्यक्रम योजना बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। विभाग द्वारा 16 जनू 2021 से बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष की कक्षा प्रारम्भ की जा चुकी है। 12 अगस्त 2021 से बी.एस–सी. प्रथम वर्ष एव बी.एस–सी. तृतीय वर्ष की कक्षायें प्रारम्भ होंगी।

पाठ्यक्रम योजना का उद्देश्य :

महाविद्यालय में विभागीय पाठ्यक्रम योजना का उद्देश्य यह है कि विद्यार्थियों को यह पहले से पता होना चाहिए की किस दिन विभाग के किस शिक्षक का व्याख्यान है तथा उस दिन कौन सा टापिक कक्षा में पढ़ाया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना में कक्षाध्यापन व मासिक मूल्यांकन अंकित रहता है, जिससे विभागीय छात्रों को पहले से पता रहता है कि किस दिन उस माह में कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन होगा।

मासिक मूल्यांकन :

सत्र 2021–22 में प्रतिमाह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा। मासिक मूल्यांकन में उस माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे। अगस्त माह से जनवरी माह तक पूछे गये मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जायेंगे।

मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्तूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस–सी. प्रथम	लागू नहीं	24	25	27	29	31	24
बी.एस–सी. द्वितीय	लागू नहीं	23	23	26	27	30	22
बी.एस–सी. तृतीय	लागू नहीं	23	23	26	27	30	22

स्व–मूल्यांकन प्रपत्र :

विभाग द्वारा प्रतिमाह आनलाइन स्वमूल्यांकन प्रपत्र महाविद्यालयके वेबसाइट पर भरा जाता हैं। जिसमें शिक्षक गत माह में अपने द्वारा पढ़ाये गये कुल कक्षा व्याख्यान, अपने द्वारा कराये गये कक्षाध्यापन तथा विभाग द्वारा कराये गये मासिक मूल्यांकन की जानकारी भर कर सबमिट करते है। यह स्वमूल्यांकन प्रपत्र प्रतिमाह महाविद्यालय वेबसाइट के शिक्षक ब्लाग पर माह के प्रथम कार्यदिवस पर आनलाइन भरा जाता है तथा विभाग में उसका प्रिन्टआउट सुरक्षित रखा जाता है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन :

विभाग द्वारा प्रतिमाह छात्र–छात्राओं से कक्षाध्यापन कराया जायेगा। इस प्रक्रिया में कक्षाध्यापन की तिथि से पाँच दिन पूर्व छात्र–छात्राओं को विषय आवंटित कर दिया जायेगा तथा कक्षाध्यापन की तिथि पर उनसे कक्षाध्यापन कराकर उन्हें श्रेणी प्रदान किया जायेगा। इस कक्षाध्यापन की प्रक्रिया से विद्यार्थियों में विषय वस्तु को समझने एवं प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण विभाग द्वारा दिया जाता है।

कक्षाध्यापन तिथि : सत्र 2021–22 में कक्षाध्यापन की तिथि निम्न है–

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्तूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस–सी. प्रथम	लागू नहीं	7, 16	2, 9, 16	5, 20	11, 20	8, 16, 23	7, 17
बी.एस–सी. द्वितीय	23, 30	6, 14	1, 8, 15	4, 18	9, 18	7, 15, 22	6, 13
बी.एस–सी. तृतीय	23, 30	6, 14	1, 8, 15	4, 18	9, 18	7, 15, 22	6, 13

सत्र 2021–22 में विभाग द्वारा कक्षाध्यापन में एक नया प्रयोग किया जायेगा। इसमें कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों को सारांश बनाने के लिए कहा जायेगा। कक्षाध्यापन के दिन उनसे लिये गये सारांश का मूल्यांकन करके शिक्षक उसकी प्रति अपने पास रखकर मूल प्रति छात्रों को वापस कर देंगे।

गाँव दर्शन :

विभाग महाविद्यालय में कक्षाध्यापन के साथ–साथ सामाजिक दायित्व का भी कार्य करता है। विभाग अपने गोद लिये गाँव 'केवटहिया' में सत्र 2021–22 में चार बार सेवा कार्य के लिए जायेगा। गोद लिये गये गाँव में 'कोविड–19' के प्रति जागरूकता विषय पर कार्य किया जायेगा। विभाग सत्र 2021–22 में निम्न प्रस्तावित तिथियों पर गाँव दर्शन करेगा।

(1) 08 अगस्त 2021
(2) 24 अक्टूबर 2021
(3) 27 फरवरी 2022
(4) 29 मई 2022

गोद लिये विद्यार्थी :

विभाग के शिक्षक द्वारा अपने विषय के विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। इस योजना में शिक्षक गोद लिये विद्यार्थियों से सीधे सम्पर्क में रहता है। शिक्षक अपने गोद लिये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है। इसलिए शिक्षक अपने प्रयास से छात्र के रूचि के अनुसार उसे कक्षा प्रतिनिधि, राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्रसंघ प्रतिनिधि स्काउट–गाइड एवं एन.सी.सी. का सदस्य बनने के लिए प्रेरित करता है। विभाग द्वारा गोद लिये विद्यार्थियों की सूची निम्नलिखित है।

शिक्षक	**गोद लिये छात्र का नाम**
अरूण कुमार राव	1. अदित्य प्रताप राव (रा.से.यो)

नोट : चार सीट रिक्त है। सत्र 2021–22 में इसे पूरा किया जायेगा।

समय–सारिणी :

महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय–सारिणी उपलब्ध कराया जाता है जिसमें विषय के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक कक्षाओं का विवरण होता है। विभाग समय–सारिणी का शत–प्रतिशत अनुपालन करता है।

पठन–पाठन, तकनीकी प्रसार एवं ब्लॉग :

विभाग अपने पठन–पाठन में प्रतिवर्ष नूतन प्रयोग करता आया है। विभाग प्रयास करता है कि वह अपने पठन–पाठन में तकनीकी का भी उपयोग करे। पठन–पाठन में प्रोजेक्टर का प्रयोग होता है। महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध व्यक्तिगत ब्लॉग पर पी.पी.टी. अपलोड किया गया है जिसे कोई भी छात्र कभी भी डाउनलोड करके पढ़ सकता है। ब्लाग के अन्य वाले शीर्षक में विषय से सम्बन्धित पाठ्य सामग्री को पी.डी.एफ. के रूप में भी अपलोड कर दिया गया है।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र :

विभाग में शिक्षक द्वारा अपने व्यक्तित्व विकास एवं पठन–पाठन के तरीके में सुधार के लिए प्रतिवर्ष दो बार, सितम्बर एवं जनवरी माह में विद्यार्थियों से प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है तथा इस प्रपत्र को विभाग में सुरक्षित रखा जाता है।

निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र :

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय की सहायता से महाविद्यालय परिसर में निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र का संचालन होता है। इस केन्द्र पर सप्ताह में दो दिन बुधवार एवं गुरुवार को चिकित्सक चिकित्सा केन्द्र पर बैठते हैं। इस केन्द्र पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को उपचारात्मक सलाह व दवाइयाँ दी जाती हैं। महाविद्यालय के आसपास के ग्रामवासियों को भी उपचारात्मक सलाह व दवाइयाँ दी जाती हैं।

विभाग अपने कक्षा में विद्यार्थियों को निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र के बारे में जागरूक करता रहता है कि यदि आप लोगों को स्वास्थ्य से सम्बन्धित कोई भी समस्या हो तो आप इस चिकित्सा केन्द्र पर अवश्य सम्पर्क करें।

वेबसाइट, फेसबुक :

महाविद्यालय प्रशासन अपनी सूचनाओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए लगातार अपनी वेबसाइट को अद्यतन करता रहता है तथा फेसबुक पर भी सूचनाओं को अद्यतन करता रहता है। विभाग अपने विभागीय कार्यक्रम की सूचना एवं कार्यक्रम की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए महाविद्यालय के वेबसाइट एवं फेसबुक का उपयोग करता है।

पुस्तकालय :

विभाग ने अपने स्तर पर एक पुस्तकालय का गठन किया है जिसमें यदि किसी विद्यार्थी को पुस्तक की आवश्यकता होती है तो विभाग इस छात्र का नाम तथा आई.डी. नोट करके पुस्तक दे देता है। यह पुस्तक तीन दिन के अन्दर विभाग को वापस करना होता है महाविद्यालय प्रशासन द्वारा केन्द्रीय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है।

नैक :

विभाग नैक को सहयोग करता है। नैक प्रभारी एवं आई.क्यू.ए.सी. द्वारा समय–समय पर माँगे गये सभी प्रपत्रों को विभाग तय सीमा के अन्दर प्रभारी को उपलब्ध करा देता है।

विशिष्ट व्याख्यान :
विभाग निम्नलिखित तिथियों पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित करेगा–

तिथि	विषय
(1) 18 दिसम्बर 2021	Statistical Methods
(2) 08 जनवरी 2022	Regression Analysis
(3) 29 जनवरी 2022	Demography

प्रस्तावित अतिथि :
(1) प्रो. एस.पी. सिंह, आचार्य, गणित विभाग, के.आई.पी.एम., गीडा, गोरखपुर।
(2) प्रो. विजय कुमार, आचार्य, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
(3) प्रो. हिमांशु पाण्डेय, आचार्य, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

नोट – विशेष परिस्थिति में दिनांक एवं अतिथि में परिवर्तन हो सकता है।

परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका :
परिसर अनुशासन में विभाग अनुशासन समिति का सहयोग करता है।

शिक्षण विधियाँ :
1. व्याख्यान विधि
2. प्रोजेक्टर विधि

शिक्षक आचार संहिता में विभाग की भूमिका :
शिक्षक आचार संहिता सत्र 2021–22 हेतु महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सर्वसम्मति से अद्यतन की गयी है। विभाग इस आचार संहिता का पालन करेगा।

प्रार्थना सभा में विभाग की भूमिका :
महाविद्यालय के दिनचर्या की शुरूआत प्रार्थना सभा से होती है। प्रार्थना सभा का समय प्रतिदिन 09.20 से 09.40 तक होता है। इसमें सोमवार से गुरूवार तक राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, ईशवन्दना, सरस्वती वन्दना और साथ में महापुरूषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान होता है। शनिवार के दिन प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होता है। विभागीय शिक्षक प्रतिदिन प्रार्थना सभा में उपस्थित रहते है तथा विभाग अपने विद्यार्थियों को प्रेरित करता है कि वे प्रार्थना सभा में समय से उपस्थित रहें।

वनस्पति विज्ञान

प्रार्थना सभा – विभाग के शिक्षक दैनिक दिनचर्चा का प्रारम्भ एक अगस्त से प्रत्येककार्य दिवस को प्रातः 09:20 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं प्रार्थना के साथ पूर्व की भांति करेंगे। प्रार्थना सभा में श्रीमद्भगवत गीता के श्लोकों के वाचन एवं विशेष दिवस होने वाले उद्बोधन में प्रतिभाग करेंगे यथा ओजोन संरक्षण दिवस (16 सितम्बर, 2021), राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस, (02 दिसम्बर, 2021)।
पाठ्यक्रम योजना – विषय के पाठ्य को तिथिवार शिक्षक के नाम, व्याख्यान संख्या, प्रश्नपत्र एवं शीर्षक को सत्रारम्भ के पहले तैयार कर महाविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है। इसका पूर्णतः पालन किया जाता है जिससे पाठ्यक्रम समय से पूर्ण हो जाता है। विद्यार्थियों को पहले से पता होता है कि किस दिन किस शिक्षक के द्वारा किस पाठ्य को पढ़ाया जायेगा जिससे वे कक्षा में तैयार होकर आयेगें।
सत्र 2021–22 हेतु सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम योजना को अद्यतन उद्धृत कर दिया गया है।

वनस्पतिविज्ञान **सैद्धान्तिक कक्षाएँ** प्रारम्भ

स्नातक प्रथम वर्ष – 11 अगस्त 2021

स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष – 16 जून 2021

प्रायोगिक कक्षाएँ ;स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष – 16 अगस्त 2021

वनस्पति विज्ञान विषय के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न–पत्र 30.09.2021 तक तैयार कर लिये जायेंगे।

ग्राम्य–दर्शन कार्यक्रम सत्र में चार (अवकाश के दिन) बार निम्नवत प्रस्तावित हैः

प्रथम – 08 अगस्त 2021

द्वितीय – 24 अक्टूबर 2021

तृतीय – 27 फरवरी 2022

चतुर्थ – 29 मई 2022

कक्षाध्यापन – एक सप्ताह में पढ़ाये गये विषय–वस्तु से सम्बन्धित किसी एक प्रकरण पर विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है जिससे विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति, चिन्तनशीलता, संवाद–कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का सतत विकास होता है। शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन करते हैं, ग्रेड देते हैं एवं प्रगति–आख्या में दर्ज करते हैं। एक कक्षाध्यापन के समय ही अगले कक्षाध्यापन हेतु विद्यार्थियों के नाम एवं उनसे पूछकर पाठ्यक्रम आवंटित कर दिया जाता है। बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष कक्षाध्यापन 21, 28.6.21 को भी कराया जायेगा।

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.–सी. प्रथम	NA	6,14	1,8,15	4,18	9,18	7,15,22	6,13,22
बी.एस.–सी. द्वितीय	8,22,29	5,12,21	7,14	1,11	8,17	3,14,21	5,12,21
बी.एस.–सी. तृतीय	22,29	5,12,21	7,14	1,11	8,17	3,14,21	5,12,21

मासिक मूल्यांकन – विद्यार्थियों में व्यवहारगत परिवर्तन को जानने हेतु प्रत्येक माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से विश्वविद्यालयीय सैद्धान्तिक परीक्षा के प्रारूप पर प्रश्न देकर लिखित परीक्षा कराया जायेगा, उसे मूल्यांकित किया जायेगा एवं उसे प्रगति आख्या में दर्ज किया जायेगा। इसके आधर पर चयनित कमजोर एवं कुशाग्र विद्यार्थियों का उपचारात्मक कक्षा पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.–सी. प्रथम	NA	23	23	26	27	30	31
बी.एस.–सी. द्वितीय	15	31	22	25	26	29	31
बी.एस.–सी. तृतीय	NA	31	22	25	26	29	31

प्रगति–आख्या – प्रगति–आख्या में कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षागत गतिविधियों एवं आचरण–व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इससे विद्यार्थियों के गुण योग्यता का परिमाणात्मक आकलन कर दर्ज किया जाता है एवं इसका विश्लेषण हर माह करके प्राचार्य जी से हस्ताक्षरित करा लिया जायेगा।

स्वमूल्यांकन प्रपत्र – यह प्रपत्र विभाग के शिक्षक द्वारा स्वयं द्वारा निर्मित योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक स्वमूल्यांकन कर प्रत्येक माह की 8 तारीख तक कार्यालय में जमा कर दिया जायेगा अथवा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – यह प्रपत्र विभाग के प्रत्येक शिक्षक अपने व्यक्तित्व एवं पठन–पाठन में सुधार हेतु छात्रों द्वारा सत्र में दो बार यथा– सितम्बर एवं जनवरी माह में विद्यार्थियों द्वारा अपनी–अपनी प्रतिपुष्टि प्राप्त किया जायेगा, सुधार किया जायेगा एवं वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा।

शिक्षण विधियाँ – वनस्पतिविज्ञान विभाग में दोनों शिक्षकों द्वारा निम्न शिक्षण विधियाँ अपनायी जाती हैं–

व्याख्यान विधि – इस विधि के अन्तर्गत शिक्षक विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, क्रमिक एवं तार्किक रूप से विषय–वस्तु प्रकटन हेतु इस विधि का प्रयोग करते हैं और इस वर्ष भी करेंगे। इसके लिए श्यामपट्ट पर चित्र बनाकर, विषय–वस्तु पर बने चार्ट एवं मॉडल की सहायता से तथ्यों को समझाया जायेगा।

पावर प्वाइण्ट प्रस्तुतीकरण – पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरण पर शिक्षक द्वारा तैयार पी.पी.टी. प्रस्तुत कर व्याख्या की जायेगी। इस कार्य हेतु प्रोजेक्टर युक्त कक्षा का उपयोग किया जायेगा।

वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला एवं विक्रम साराभाई कक्ष में प्रोजेक्टर लगा हुआ है। जहाँ प्रोजेक्टर की सुविधा नहीं होती है वहाँ महाविद्यालय के मोबाइल प्रोजेक्टर का इस्तेमाल किया जायेगा।

प्रश्नोत्तर विधि – कक्षा–शिक्षण के दौरान विभागीय शिक्षक के द्वारा छात्रों की पूर्ण सक्रिय सहभागिता प्रश्नोत्तर तकनीकी द्वारा कराकर शिक्षण–प्रक्रिया को बोधगम्य, प्रभावशाली एवं उद्देश्यपूर्ण बनाया जाता है।

करके सीखना – विभागीय शिक्षक पाठ्यक्रम पढ़ाने के साथ ही सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य विद्यार्थियों से पूरा कराकर यह सुनिश्चित करेंगे कि विद्यार्थी पाठ को अच्छी तरह से समझ सकें एवं उनमें रुचि जाग्रत हो।

गैर–पारम्परिक शिक्षण विधि –

i) पोस्टर प्रतियोगिता (13.01.2022)– पाठ्यक्रम के अलग–अलग पाठ अलग–अलग विद्यार्थियों में आवंटित कर एक प्रतियोगिता आयोजित करायी जायेगी जिसमें विद्यार्थी स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से निर्धारित पाठ्यविषय पर पोस्टर बनाएँगे एवं उसकी व्याख्या भी करेंगे। इन विद्यार्थियों को विभाग द्वारा प्रमाण–पत्र भी दिया जायेगा।

ii) विज्ञान प्रदर्शनी (20.01.2022)– अलग–अलग पाठ्यविषय पर विद्यार्थियों में मॉडल एवं क्रियात्मक मॉडल आवंटित किया जाता है जिसका निर्माण विद्यार्थियों द्वारा कराया जायेगा एवं वे उसकी व्याख्या भी करेंगे। प्रतिभागियों को विभाग प्रमाण–पत्र प्रदान करेगा।

iii) शोध–व्याख्यान प्रतियोगिता (27.01.2022)– विद्यार्थियों को अलग–अलग पाठ्यविषय आवंटित किया जायेगा जिस पर पावर प्वाइण्ट बनाकर वे पाठ को समझाने का प्रयास करेंगे। शिक्षक उनका मूल्यांकन करेंगे। प्राचार्य या उपप्राचार्य पर्यवेक्षक होंगे एवं विभाग प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र जारी करेगा।

iv) ग्राम्य–भ्रमण – विभाग को आवंटित ग्राम– शेखवानिया में शिक्षक एवं विद्यार्थी भ्रमण करेंगे तथा एकपृष्ठीय प्रश्नों के आधार पर पाठ के अनुप्रयोग वाले विषयों पर सर्वेक्षण कर ज्ञानार्जन करेंगे।

ग्राम्य–दर्शन कार्यक्रम सत्र में चार (अवकाश के दिन) बार निम्नवत प्रस्तावित है:

प्रथम	– 08 अगस्त 2021
द्वितीय	– 24 अक्टूबर 2021
तृतीय	– 27 पफरवरी 2022
चतुर्थ	– 29 मई 2022

v) सरस्वती भ्रमण – आसपास के गाँवों में शिक्षक एवं विद्यार्थी जायेंगे एवं अपने पाठ्यविषय से सम्बन्धित पाठों को उनके वासस्थान एवं प्राकृतिक स्वरूप में अध्ययन करेंगे, उपयोगी सामग्रियों को एकत्रित करेंगे, हरबेरियम बनायेंगे एवं चीजों को पहचानना सीखेंगे।

सरस्वती भ्रमण हेतु कक्षा एवं दिवस –

बी.एस–सी. (प्रथम)	–	18 जनवरी 2022
बी.एस–सी. (द्वितीय)	–	05 एवं 12 जनवरी 2022
बी.एस–सी. (तृतीय)	–	26 नवम्बर 2021
		31 दिसम्बर 2021
		28 जनवरी 2022

सम्भावित अतिथि, वनस्पतिविज्ञान अन्तर्गत –

i) प्रो. अनिल द्विवेदी, वनस्पतिविज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

ii) डॉ. सी.ओ. सैमुअल, वनस्पतिविज्ञान विभाग, सेण्ट एण्ड्रयूज कॉलेज, गोरखपुर

iii) डॉ. नीरज श्रीवास्तव, वनस्पतिविज्ञान विभाग, सेण्ट एण्ड्रयूज कॉलेज, गोरखपुर

iv) डॉ. के. सुनीता, वनस्पतिविज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

v) डॉ. सन्दीप सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, गुरु गोरक्षनाथ कृषिविज्ञान केन्द्र, पीपीगंज, गोरखपुर

वनस्पतिविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान:

जैविक कृषि	–	18 नवम्बर 2021
जलवायु परिवर्तन	–	20 दिसम्बर 2021
मशरूम संवर्धन	–	24 दिसम्बर 2021
पौष्टिक औषधि	–	17 जनवरी 2022
जैव विविधता	–	19 जनवरी 2022

वनस्पतिविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

वर्तमान सत्र 2021–22 में निम्नवत हैं–

पोस्टर प्रतियोगिता	–	13 जनवरी 2022
विज्ञान प्रदर्शनी	–	20 जनवरी 2022
शोध–व्याख्यान प्रतियोगिता	–	27 जनवरी 2022

गोद लिये विद्यार्थी – विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पाँच विद्यार्थी गोद लिया जाता है जिसके अन्तर्गत शिक्षक – गोद लिये विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास का प्रयास करते हैं। उनके आचरण व्यवहार, उनके पढ़ाई एवं उनके समस्याओं के निराकरण का प्रयास इस सत्र में भी पूर्व की तरह करेंगे।

शिक्षक : डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

गोद लिये विद्यार्थी –

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	आई.डी.	मो. नं.

1	रजत कुमार गुप्ता	बी.एस–सी. तृतीय वर्ष	BSC2018190272	8180966535
2	अनुपम पाण्डेय	बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष	BSC2019200118	8931943174
3	रिंकी गुप्ता	बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष	BSC2019200008	8318979300
4	ऋषीकान्त विश्वकर्मा	बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष	BSC2020210033	9721674082
5	शिल्पी गौड़	बी.एस–सी. प्रथम वर्ष	BSC2020210010	6387675770

गोद लिये गाँव – वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शेखवानिया गाँव गोद लिया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ ग्राम भ्रमण कर विभिन्न समसामयिक सामाजिक मुद्दों पर एक पृष्ठीय प्रश्नो द्वारा सर्वेक्षण एवं जागरुक बनाना है। इस सत्र भी पूर्व की भाँति चार अवकाश के दिन शिक्षक–विद्यार्थी साथ जायेगें एवं सर्वेक्षण तथा जागरुक बनाने का कार्य करेंगे। इसकी तिथियाँ 08 अगस्त 2021, 24 अक्टूबर 2021, 27 फरवरी, 2022 तथा 29 मई 2022 प्रस्तावित है।

शिक्षक ब्लाग – महाविद्यालय के वेबसाइट पर विभाग के शिक्षक का अपना–अपना ब्लाग है जिसपर शिक्षक द्वारा पढ़ाये जाने वाले प्रश्न पत्रों के टॉपिक का पावर प्वाइन्ट प्रस्तुतिकरण दर्ज है जहाँ से विद्यार्थी देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकते हैं। सत्र 2021–22 में इसे अद्यतन किया जायेगा। शिक्षक इसके द्वारा विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री उपलग्ध कराते हैं।

ब्लाग पर विभाग के शिक्षक द्वारा 2021–22 में यह सुनिश्चित किया जायेगा कि विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं विगत पाँच वर्ष के वनस्पति विज्ञान के विश्वविद्यालयी परीक्षा के प्रश्नपत्र को ब्लाग पर अपलोड हो जाये।

पाठ्य सारांश – विभाग के शिक्षक द्वारा कक्षाध्यापन के एक पृष्ठिय सारांश को अपने ब्लाग पर अपलोड करेंगे जिसे विद्यार्थी देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकेंगे। सारांश में पाठ्य के मुख्य बिन्दू समावेषित रहेंगे।

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा – विभाग के शिक्षकों द्वारा विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का प्रश्न पत्र विश्वविद्यालयी परीक्षा के पैटर्न पर तैयार किया जाता है जो शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को दिया जाने वाला संभावित प्रश्न होता है एवं विद्यार्थी विश्वविद्यालयी परीक्षा के पैटर्न भी समझ जाते हैं। सत्रान्त में यह परीक्षा होती है एवं विभाग के शिक्षक अपने–2 प्रश्न पत्रों को मूल्यांकित करते हैं तथा उपचारी कक्षाओं में विद्यार्थियों को उनकी कमियां और बेहतर लिखना समझाते हैं। हर प्रश्न पत्र में सर्वाधित अंक प्राप्त करने वाले तीन विद्यार्थियों के उत्तर पुस्तिका को पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखवाया जायेगा।

विश्वविद्यालय पुस्तकालय – विभिन्न प्रकाशकों द्वारा आवंटित स्पेसिमेन पुस्तक विभाग में रखे गये है जिसे दैनिक आधार पर विद्यार्थियों को जारी किया जाता। इसके अलावें केन्द्रिय पुस्तकालय के वनस्पति विज्ञान के पुस्तकों की सूची विभाग में विद्यार्थियों को देखने के लिए उपलब्ध है।

वनस्पतिविज्ञान पाठ्यक्रम पूर्ण – स्नातक सैद्धान्तिक व प्रायोगिक पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2022 से पहले पूर्ण करा लिया जायेगा।

विभागीय प्रायोगिक परीक्षा – विश्वविद्यालयीय सैद्धान्तिक परीक्षा के पूर्व करा लिया जायेगा।

उपचारात्मक कक्षाएँ – 02 फरवरी 2022 से बी.एस–सी. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष।

नोट : कोविड–19 महामारी या अन्य अपरिहार्य कारणों से उपर्युक्त में परिवर्तन सम्भव है।

रसायन विज्ञान विभाग

1. **प्रार्थना सभा –** महाविद्यालय की दिनचर्या का प्रारम्भ प्रार्थना सभा से शुरू होता है। प्रत्येक सत्र में 01 अगस्त से शुरु होने वाली प्रार्थना सभा में प्रत्येक कार्य दिवस को प्रातः 09:20 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरुष की जयन्ती/पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है तो उसके सन्दर्भ में उद्बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्भगवत गीता के श्लोकों का अनुवाद सहित वाचन होता है।

   प्रार्थना सभा में रसायन विज्ञान विभाग के सभी शिक्षक सम्मिलित होते हैं तथा अपने विद्यार्थियों को इसमें सम्मिलित होने हेतु प्रेरित करते हैं।

2. **पाठ्यक्रम योजना –**

   सत्र के प्रारम्भ में ही विभाग द्वारा स्नातक व स्नातकोत्तर की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम योजना की साफ्ट कापी तैयार करके महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करा दिया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की हार्डकापी विभाग में सुरक्षित रखा जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित स्नातक तथा स्नातकोत्तर के अद्यतन पाठ्यक्रम की हार्डकापी भी विभाग में सुरक्षित रखा गया है।

3. **कक्षा संचालन–**

   महाविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार स्नातक तथा स्नातकोत्तर रसायनशास्त्र की कक्षाएं संचालित की जाती है।

   बी.एस–सी. भाग–दो की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 जून, 2021

बी.एस–सी. भाग–तीन की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ	–	16 जून, 2021
एम.एस–सी. अन्तिम वर्ष की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ	–	16 जून, 2021
बी.एस–सी. भाग–एक की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ	–	11 अगस्त, 2021
एम.एस–सी. प्रथम वर्ष की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ	–	16 अगस्त, 2021
प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ	–	16 अगस्त, 2021 (प्रस्तावित तिथि)

4. साप्ताहिक कक्षाध्यापन–

प्रत्येक सप्ताह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से सम्बन्धित टापिक पर पूर्व निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों के चिन्तनशीलता, अभिव्यक्ति, संवाद कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का उतरोत्तर विकास होता है। इस सत्र की कक्षाध्यापन तिथियाँ कक्षावार निम्नवत् हैं–

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.–सी. भाग–एक	-	7, 16	2, 9, 16	5, 20	11, 20	8, 16, 23	7, 17
बी.एस.–सी. भाग–दो	23	6, 14	1, 8, 15	4, 18	9, 18	7, 15, 22	6, 13
बी.एस.–सी. भाग–तीन	23	6, 14	1, 8, 15	4, 18	9, 18	7, 15, 22	6, 13
एम.एस.–सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	NA	2, 9, 16	5, 20	11, 20	NA	NA
एम.एस.–सी. तृतीय सेमेस्टर	23	6, 14	1, 8, 15	4,18	9, 18	NA	NA

5. मासिक मूल्यांकन–

प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले सम्भावित प्रश्नों पर मासिक मूल्यांकन होता है। इससे विद्यार्थियों की पाठ्यक्रम के प्रति रूचि, ग्राह्यता एवं दक्षता का पता चलता है। इस सत्र में होने वाले मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ कक्षावार निम्नवत हैं–

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.–सी. भाग–एक	NA	24	25	27	29	31	24
बी.एस.–सी. भाग–दो	30	23	23	26	27	30	22
बी.एस.–सी. भाग–तीन	30	23	23	26	27	30	22
एम.एस.–सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	24	25	27	29	NA	NA
एम.एस.–सी. तृतीय सेमेस्टर	30	23	23	26	27	NA	NA

6. स्वमूल्यांकन प्रपत्र –

यह महाविद्यालय के शिक्षकों के स्वमूल्यांकन की विशेष तकनीकी है, जिसमें शिक्षकों द्वारा प्रत्येक माह की 10 तारीख से पहले पिछले माह का स्वमूल्यांकन प्रपत्र आनलाइन भरा जाता है। इस प्रपत्र में शिक्षक द्वारा तैयार की गयी योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। वर्तमान सत्र में भी यह योजना लागू रहेगी।

7. प्रगति आख्या –

इसके अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थियों की मासिक प्रगति रिपोर्ट भरी जाती है, जिसमें विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन में प्राप्त अंक, कक्षाध्यापन में उपस्थिति आदि विवरण आनलाइन भरा जाता है। वर्तमान सत्र में भी यह योजना यथावत रहेगी।

8. शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र –

यह महाविद्यालय की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है जो महाविद्यालय की स्थापना काल से ही लागू है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक सत्र में दो बार (सितम्बर व जनवरी) विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है प्रपत्र में प्राप्त फीडबैक (कमियों/सुझावों) को जानकर शिक्षक आवश्यकतानुसार सुधार करने का प्रयास करते हैं।

9. स्वैक्षिक श्रमदान –

यह हमारे महाविद्यालय का अभिन्न एवं महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी स्वैक्षिक रूप से श्रमदान करते है। यह कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित करके, पठन–पाठन को अप्रभावित रखते हुए किया जाता है। इसके अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा चयनित स्थानों पर निर्धारित सहयोगियों के साथ सफाई का कार्य

किया जाता है। रसायान विज्ञान विभाग के कुछ शिक्षक व विद्यार्थी इसमें सक्रिय सहभागिता करते है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी यथावत लागू रहेगी।

10. विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा –

महाविद्यालय के स्थापनाकाल से ही फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न करा कर तत्पश्चात उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन विभाग के शिक्षकों द्वारा किया जाता है तथा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकायें विद्यार्थियों को दिखायी जाती हैं।

11. रिमेडियल (उपचारात्मक) कक्षाएं–

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के पश्चात विभाग द्वारा उपचारात्मक कक्षाएँ चलायी जाती हैं। जिसमें विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्नों के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की जाती है तथा विद्यार्थियों को सही उत्तर लिखने के लिए समझाया जाता है। प्रस्तावित विशिष्ट व्याख्यान –

12 विभागीय पुस्तकालय– महाविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय के अतिरिक्त रसायान विज्ञान विभाग में एक विभागीय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। इसमें विभाग के शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों को भी पुस्तक पढ़ने की सुविधा प्रदान की जाती है।

13 विभागीय बैठक – वर्तमान सत्र से प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में शिक्षकों की मासिक बैठक की योजना बनाई गयी है।

14 गोद लिए गये विद्यार्थी– रसायन विज्ञान विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। इसके अन्तर्गत शिक्षक गोद लिए गये विद्यार्थियोंय के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास का प्रयास करते है। शिक्षकों द्वारा अपने गोद लिए गये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, पठन–पाठन एवं उनके समस्याओं के निराकरण का प्रयास इस सत्र में भी पूर्ववत जारी रहेगा।

शिक्षक	गोद लिए गये विद्यार्थी	कक्षा	आई.डी.	मोबाईल नं.
डॉ. शिवकुमार बर्नवाल	1. रंजीत रौनिआर	बी.एस–सी. भाग–तीन	BSC2018190021	6387534241
	2. नेहा सिंह	बी.एस–सी. भाग–दो	BSC2019200198	8303669269
	3. राकेश गुप्ता	बी.एस–सी. भाग–दो	BSC2019200169	8874668017
	4. आयुष नाथ तिवारी	बी.एस–सी. भाग–एक	BSC2020210007	6299095694
	5. सुनिधि सिंह	बी.एस–सी. भाग–एक	BSC2020210086	9140094696
डॉ. राम सहाय	1. मनसा गुप्ता	बी.एस–सी. भाग–तीन	BSC2018190065	8318819231
	2. अंकिता सिंह	बी.एस–सी. भाग–तीन	BSC2018190138	8881199895
	3. राजेश यादव	बी.एस–सी. भाग–एक	BSC2020210128	8090812390
	4. राजलक्ष्मी गोयल	बी.एस–सी. भाग–एक	BSC2020210099	9455869987
	5. विपिन रौनियार	बी.एस–सी. भाग–एक	BSC2020210096	7237935220
श्रीमती प्रियंका मिश्रा	1. सृष्टि श्रीवास्तव	बी.एस–सी. भाग–दो	BSC2019200089	7619834248
	2. प्राची जायसवाल	बी.एस–सी. भाग–दो	BSC2019200073	8737934811
	3. अंगीरा सिंह	बी.एस–सी. भाग–दो	BSC2019200017	7394051025
श्री संजय जायसवाल	1. अनुपमा सिंह	एम.एस–सी. अंतिम वर्ष	MSC2019200001	7007942108
	2. नेहा चौरसिया	बी.एस–सी. भाग–दो	BSC2019200208	8957422289
	3. दीपा गौड़	बी.एस–सी. भाग–दो	BSC2019200152	8591093563
	4. सुशील प्रजापति	बी.एस–सी. भाग–तीन	BSC2018190035	9464538956
	5. आकाश दूबे	बी.एस–सी. भाग–तीन	BSC2018190003	6307246662

15 गोद लिया गया गाँव – रसायन विज्ञान विभाग द्वारा रामपुर गाँव गोद लिया गया है। इसका उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति गांव के लोगों को जागरूक करना है। इस सत्र में भी पूर्व की भांति रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षक, विद्यार्थियों के साथ ग्राम भ्रमण पर जायेंगे तथा जन जागरूकता का कार्य करेंगे। इसकी तिथियां 08 अगस्त, 2021, 24 अक्टूबर, 2021, 27 फरवरी, 2022 तथा 29 मई 2022 हैं।

16. कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप– रसायन विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस–सी. भाग एक, भाग दो व भाग–तीन तथा एम.एस–सी. प्रथम वर्ष व अंतिम वर्ष का कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसका उपयोग ऑनलाईन कक्षा पढ़ाने के लिए लिंक भेजने हेतु तथा महाविद्यालय व विभाग की आवश्यक सूचनाएं विद्यार्थियों तक पहुंचाने हेतु किया जाता है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

प्रस्तावित विशिष्ट कार्यक्रम–

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	तिथि	संयोजक
1	ग्राम्य दर्शन	08 अगस्त, 2021	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
2	विशिष्ट व्याख्यान	12 अगस्त, 2021	श्रीमती प्रियंका मिश्रा
3	व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर)	18 सितम्बर, 2021	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
4	ग्राम्य दर्शन	24 अक्टूबर, 2021	श्रीमती प्रियंका मिश्रा
5	विशिष्ट व्याख्यान	11 नवम्बर, 2021	डॉ. रामसहाय
6	व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातक स्तर)	18 नवम्बर, 2021	श्री संजय जायसवाल
7	विज्ञान प्रदर्शनी	18 दिसम्बर, 2021	श्री संजय जायसवाल
8	शैक्षिक भ्रमण	10 जनवरी, 2022	डॉ. रामसहाय
9	विशिष्ट व्याख्यान	28 जनवरी, 2022	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
10	ग्राम्य दर्शन	27 फरवरी, 2022	श्री संजय जायसवाल
11	विशिष्ट व्याख्यान	28 फरवरी, 2022	डॉ. रामसहाय
12	सप्त दिवसीय कार्यशाला	07–13 मार्च, 2022	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
13	ग्राम्य दर्शन	29 मई, 2022	श्री अभिनव त्रिपाठी

विशिष्ट व्याख्याताओं की सूची:–

1. प्रो. सुधा यादव — अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
2. प्रो. एच.सी.गुप्ता (अव.प्रा.) — आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
3. डॉ. निखिल कान्त शुक्ला — उपाचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
4. डॉ. राशिद तनवीर — उपाचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर
5. डॉ. आलोक श्रीवास्तव — अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर
6. डॉ. कमलेश पटेल — बी.डी.एस, एम.डी.एस पटेल डेन्टल क्लीनिक नियर, बी.आर.डी. मेडिकल कालेज, गोरखपुर
7. डॉ. जे.के. पाण्डेय — सहायक आचार्य रसायन विज्ञान विभाग, सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर
8. डॉ. प्रदीप कुमार राव — सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर
9. डॉ. सचिन कुमार सिंह — सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय गोरखपुर
10. डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव — सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, नार्थ इस्टर्न रीजनल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, ईटानगर, अरूणाचंल प्रदेश
11. डॉ. मीरा यादव — सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, नार्थ इस्टर्न रीजनल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, ईटानगर, अरूणाचंल प्रदेश
12. डॉ. संतोष कुमार मिश्र — सहायक आचार्य, बायोइन्जिनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, कानपुर, उत्तर प्रदेश

नोट :– उपरोक्त विभागीय कार्यक्रमों की तिथियाँ एवं अतिथि परिवर्तित हो सकते हैं।

Physics Department Annual Plan (2021-22)

1. Practical syllabus

The department this year plans to cover all the practical's listed in University syllabus irrespective of minimum number of recommended practical's prescribed by University for final Examinations. The department will also show simulations of Practical's through Audio/Visual methods in Practical classes.

2. *Monthly Evaluation*

- The department plans to take monthly evaluation of students in last week of every month starting from August to January. The aim of monthly evaluation is to help the students grasp the concepts taught during the month and perform better in their final Examinations. The students are categorized according to their skill on the basis of monthly evaluation. They are then tutored accordingly so that their education may not hinder. Those who are weak learner are given attention to identify weak points and exercises are

given them to remove the weakness. The total marks allotted for monthly evaluation is 35 which includes 30 marks for performance in test and 5 marks for behaviour of student in class.

The questions which are being asked in these tests are being collectively asked in Pre University Exam also. Schedule of Monthly Evaluation:-

CLASS	*MONTHLY EVALUATION*						
	July	*August*	*September*	*October*	*November*	*December*	*January*
B Sc I	*NA*	*31*	*30*	*25*	*30*	*29*	*29*
B Sc II	*NA*	*27*	*30*	*30*	*30*	*31*	*27*
B Sc III	*NA*	*27*	*29*	*23*	*23*	*29*	*28*

3. Pre University Examination

In evaluation process, the department completely follows the pattern adopted by the university and the students are directed to prepare themselves, accordingly. The faculties of department prepares the Pre University Examination paper's which contains all questions which are being already asked in monthly evaluation tests.

In Pre-university examinations, the utmost transparency is maintained. The emphasis is laid on to remove the shortcomings of the students. Their answer books are shown to them and they are told how to remove their shortcomings. This develops a positive aptitude in them. They are encouraged with awards and certificates. 1 st, 2nd & 3rd rank holder students are appointed as members of admission committee for next session and avail library facility equivalent to teachers. Their answer books are kept in library. The students scoring poor grade in the different subjects are advised to be in touch with their subject teachers. The pre-university exam papers along with University exam papers of previous years are being uploaded on college website and can be downloaded at following web address :

www.mpm.edu.in/Hindi/Questionpaper.aspx

Schedule: - In the month of February.

4. Pre declared Teaching Plans

Teaching plans of each subject/paper are prepared, reviewed and finalized date-wise keeping in view holidays and working days. The teaching plan is then uploaded on college website. Students will get teaching plan from the following website address.

S No	Class	Theory /Practical	Web address
1	B Sc I	Theory	mpm.edu.in/FacultyData/MPM_PathyaKramYojna_03494271.pdf
2	B Sc I	Practical	mpm.edu.in/FacultyData/MPM_PathyaKramYojna_62518640.pdf
3	B Sc II	Theory	mpm.edu.in/FacultyData/MPM_PathyaKramYojna_95931118.pdf
4	B Sc II	Practical	mpm.edu.in/FacultyData/MPM_PathyaKramYojna_78483051.pdf
5	B Sc III	Theory	mpm.edu.in/FacultyData/MPM_PathyaKramYojna_61232672.pdf
6	B Sc II	Practical	mpm.edu.in/FacultyData/MPM_PathyaKramYojna_96038917.pdf

The main aim of pre declared Teaching plan is that the students be aware of what the concern faculty is going to teach in todays class. If he/she knows this thing, then they can come prepared for lecture and can get better understanding of subject. They also feel more confident while attending the

lectures. The lecture of UG first year will start on 11th August and second and third year starts on 16th June in the current academic session.

5. Remedial Classes for students

The department will organize remedial classes after Pre-University Examinations in the month of February with the aim of clearing doubts and difficulties of students and preparing them for final Examinations.

6. Teachers Feedback Form (Sikshak Pratipushti Prapatra)

The department plans to take feedback from students, two times in the current academic session. The feedback will be taken on prescribed format available on the website of the college. The first feedback will be taken in the month of September and second in the month of January. The Teachers feedback form is available at the following web address

www. mpm.edu.in/Hindi/ShikshakPratiPusti.aspx

The Teachers feedback form is part of our regular effort to maintain quality instruction. Our faculty Use responses to these questions to become better teachers.

7. Use of ICT in teaching (PPT)

The department this year plans to take all theory classes on projector only. The faculty members have already prepared their PPT's for teaching purpose which covers complete syllabus of the subject. Projectors are already installed in all classes as well as in the lab. To maintain an uninterrupted power supply during classes, an online generator is also being installed in the campus.

The main aim and advantages of teaching through PPT are as follows:-

(i) Ease Of Use For Students and Teachers
(ii) Facilitates Effective E-learning
(iii) Develops Confidence In Students
(iv) Promotes Interactive Study
(v) Development Of In-depth Knowledge
(vi) Increased Attention Span Of Students

8. Updating Teachers Blog

The teachers blog contains PPT's , Video lectures and Research papers which are being prepared by teachers of department. The department plans to update the blog of teachers on college website so that maximum benefit of blog may be taken college students. The teachers blog helps the students in the following ways :-

- Promotes autonomous learning by providing opportunities for students to take more control of their learning
- Motivates students to become better readers and writers.
- Promotes discussion among students.
- Encourages the use of the Internet and the Web among students

The current status of teachers blog are as follows

Current Blog status

S No/ Name of Faculty	Type of e content on college website	PPT	Video	Research Paper
1-Abhishek verma		27+14+15	13	04

		Total - 56		
2-Dr Shailendra kumar Thakur		11	00	00
3-Maneeta Singh		18+12 Total - 40	00	00

The students can access the blogs of teachers through the following web address

1. Blog of Abhishek verma www.(mpm.edu.in)/Hindi/FacultyLectures.aspx?c=Lecture
2. Blog of Dr S K Thakur www.(mpm.edu.in)/Hindi/FacultyLectures.aspx?c=Lecture

9. Class Teaching by Students

After every Vth class the students will be given chance to present their lecture in front of students of class. The main objective of this methodology of teaching is to make students self-confident and make them able to put their views in front of other people. At least 10 students take the class lectures on previously assigned topics.

Schedule of Class Teaching for students This Year

CLASS	*CLASS TEACHING SCHEDULE*						
	July	*August*	*September*	*October*	*November*	*December*	*January*
B Sc I	*NA*	*12,21*	*07,14,22*	*11,21,26*	*8,17,26*	*14,21*	*05,12,21*
B Sc II	*20,28*	*04,11,20*	*06,13,21*	*9,23*	*13,23*	*11,18,27*	*10,19,24*
B Sc III	*20,28*	*12,21*	*06,13,29*	*01,30*	*16,15,25*	*02,13,20,27*	*05,17,22*

The main aim of Class Teaching is to help students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

10. Progress Report

The monthly progress report of each student is prepared by the teacher, summarised by the department and is uploaded on the faculty login of college website so that any guardian can see the activities of his ward in the college. Such monthly reports collectively form the annual report of the student. These are analysed as a parameter of successive qualitative development of the student and efforts for further development are tried to do. The main advantages of progress report are as follows

- Through Progress report, the faculties communicates the progress and performance of the students to help them know where they stand and make necessary improvement.
- The students as well their parents can check marks obtained, class attendance and class teaching done by their wards

The progress report of students can be seen on the following web address

www.mpm.edu.in Hindi/akhya.aspx

11. ***Students Adoption by Faculties***

The faculty members of the department will adopt 5 students and look after their overall academic and personality development aspect of students. They will play the role of parents and help the students excel in moral as well professional field. Each teacher makes a complete record of all the adopted students which includes complete biodata, academic records, family background and photograph etc.

The main of this scheme is to develop a harmonious relation with the adopted student which in turns builds a confidence on teachers in students. It was also decided that an adopted student should also be either a member of NSS, a student representative or residing in college hostel. The reason behind this step is that the student must be simultaneously acted by these three to develop to their academic as well personality. Once adopted by a teacher he/she should remain adopted by same teacher till course completion.

Regular counselling session has been provided to the adopted students by concerned faculties. After this scheme is being implemented it is observed that most of the students who were adopted by concerned faculties have developed their personality to a considerable level.

Students currently Adopted by faculties

S No	Name of student	Mobile Number	Class	Adopted by
1	Ankita Singh	9984152235	B Sc III	Abhishek Verma
2	Kastoori Singh	6394538208	B Sc III	Abhishek Verma
3	Deepika chaurasiya	9532476551	B Sc III	Abhishek Verma
4	Prreti Kumari	7505893815	B Sc III	Abhishek Verma
5	Sadhna Singh	8528841958	B Sc II	Dr S K Thakur
6	Deeksha Gupta	9696271492	B Sc II	Dr S K Thakur
7	Madhumita Gond	9621602198	B Sc II	Dr S K Thakur
8	Pushpanjali Rai	9336374249	B Sc II	Dr S K Thakur
9	Shradha Singh	9580366046	B Sc II	Dr S K Thakur

As four students are going to be passed out which are being adopted by one faculty, so four new student's will be adopted.

12. Swachik Shramdaan

Teachers and students participates (optional) in swachik shramdaan to develop the habit of cleanliness & to make Students feel that laborer's are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one.

Apart from this, shramdaan provides our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness & benefits the body in so many ways.

13. Visit to village

Two Villages Bhagwanpur and Haripur were adopted by the department to uplift the Educational and Socio-Economic status of the villagers.

The Department will organize camps/visits in these villages four times in year at these pre-determined dates.

08 August , 2021
24 October,2021

27 Feburary.2022
24 May.2022

All the faculty members along with adopted students will participate in the village visit program. The Department organizes the camps in the following broad areas to develop the village community: -

- Education and literacy
- Sanitation
- Health
- Village development Schemes of Government
- Mid-day meal
- Awareness about AIDS
- Awareness about pure drinking water
- Encephalitis and Japanese Fever

14. Upgradation of Lab and IT facilities indepartment

The department currently has the following Lab facilities for their students

- The department has 02 spacious laboratories with all necessary equipments, where 06 labs in three year degree course can be performed.
- The department has spacious classrooms fitted with LCD projectors to conduct PPT classes.
- **The labs are performed in the areas of**
- General physics
- Electronics
- Electricity
- Optics
- Laser

The department this year plans to purchase new instruments in order to cover all practical's prescribed in university syllabus irrespective of minimum number of practical's prescribed by University. The department also plans to repair all the those instruments which are malfunctioning.

15. Teaching Methods/Pedagogy

The department faculties adopts following teaching methods while teaching the students:

- ***Pre-declared Teaching Plan: -*** Pre-prepared and pre-declared teaching-plan on website of the College. The teaching plan of each subject is prepared and uploaded on the website prior to the commencement of classes. This makes the students aware what is going to be taught in class on that day. So he/she comes prepared for the lecture.

- ***Abstract of Lecture: -*** Lecture abstract is made available to each student of the class through teacher's blog. This helps the students in getting a better and clear understanding and command on the topic. The faculty is also benefitted through this method.

- ***PPT presentation: -*** The department encourages teachers to have maximum number of classes through Power Point slides.

- ***Class Teaching by Students: -*** The main aim of Class Teaching is to help students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

- ***Monthly Evaluation: -*** Monthly tests in each paper of each subject, evaluation, answers shown to students indicating their weakness and strength.

- ***Group Discussion: -*** Group work is an effective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.

16. Guest Lectures

Guest lectures help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lectures can be used to make classes more approachable and appealing to students.

S No	Date	Event	Topic	Guest Speaker
1.	23rd October 2021	Special lecture	Spectroscopy	Dr Shintoo kumar, Physics department DDU Gorakhpur University , Gorakhpur
2.	23rd November 2021	Special lecture	Laser	Dr Manindra kumar Physics department DDU Gorakhpur University, Gorakhpur

17. Workshop

Workshops hold great importance in life of a student. They are platforms not only to learn new aspects, others perspectives and latest information, but also a good way of networking.

S No	Date	Event	Topic	Participants
1.	16th to 22nd January 2022	Workshop	UNIX Operating system	All the students of B Sc III Year Physics

18. Competitions

1. **Poster making competition** - Poster making contest aims for the students to use their knowledge, understanding and awareness in creating their visuals (posters) to raise other students or people's knowledge, understanding and awareness about the significant theme, topic or question whenever and wherever they go.

S No	Date	Event	Topic	Participants
1.	18th December 2021	Poster Making	Current topics of Physics	All the students of B Sc Physics

2. **Department level Technical Paper Competition : -** The objective of the competition are to challenge students to demonstrate superior presentation skills, present their research, and offer an opportunity for students to interact within their community at an early stage in their career.

S No	Date	Event	Topic	Participants
1.	24th December 2021	**Technical Paper Competition**	Students Research Interests	All the students of B Sc III Physics

3 **Science Quiz** - The objective of the competition is to enhance the understanding of Physics among students.

S No	Date	Event	Topic	Participants
1.	22nd January 2022	**Science Quiz**	--------	All the students of B Sc Physics

19. Value Added Course

The department plans to offer one value added course of atleast 30 hours duration during the current academic session. The dates and timing’s will be decided after consultation with the expert.

20. Lab Manuals

The department faculties have already prepared B Sc I year Lab manual’s. The lab manuals of second year and third year will be prepared in the current academic year.

21. Participation in Morning Prayer

Morning Prayer is an integral part of our college culture. All the faculties and students, like previous years will participate in the morning prayers

22. Participation in NSS/ Rover’s rangers

The college scheme's NSS and Rovers rangers are of great importance in overall personality development of the students.. They are also part of our collective personality development scheme. The department will encourage the students to take part in NSS and rover rangers.

23. *Sending data to UP government digital library*

The faculties of department have more then 100 e content on UP govt digital library in previous year. The department faculties the year will also send econtent to UP government digital library.

24. *Role and Responsibilities in college schemes*

The ***Respected Principal Sir*** in Annual planning meeting, after consultation with faculty members, distributes responsibilities to faculty members of all departments. The department faculties have been allotted following responsibilities in current session.

S No	Name of faculty member	Responsibility
1	Abhishek verma	NAAC, IQAC and related work
2	Dr S K Thakur	Divyang chhatri kalyan Prakosth

The faculties of department willingly will give their best performance do the work assigned to them in stipulated time.

25. *Departmental Responsibilities*

Dr Shailendra Kumar Thakur	**Abhishek Verma**
➢ Preparation of Lesson Plans ➢ Repair and Purchase. Of lab equipment's in association with Lab Assistant Satyam Ji. ➢ Preparation and maintenance of III year whatsapp group and passing all information to the group. ➢ Progress report of II and III year. ➢ Conduction of Special lecture, Poster, Quiz competition and Workshop and report preparation. ➢ Research and Development. ➢ Village visit and report. ➢ Laboratory Instruction preparation. ➢ Media coverage of all departmental programs and its reporting in news papers.	➢ Preparation of Annual report of department. ➢ Future Planning Report of department. ➢ ICT infrastructure development. ➢ E content development. ➢ College You tube- video uploading. ➢ Preparation and maintenance of I and II year whatsapp group and Passing all information to the group. ➢ Progress report of I and II year. ➢ Updating of Blogs. ➢ Preparation of Lab manuals. ➢ Conduction of Special lecture, workshop and technical paper presentation and report preparation. ➢ NAAC and IQAC information.

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग की विभागीय योजना का निर्माण विद्यार्थियों की प्रगति–रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन करके प्रगति–रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा के पश्चात् उनके बारे में अपने प्रयत्नों की रूपरेखा बनायी गयी है।

व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रखतकर बनायी गयी है।

आरम्भ से ही भूगोल विभाग का शैक्षणिक उद्देश्य सकारात्मक, विकासात्मक, सुरुचिपूर्ण, अभिनवगामी आदि विविध आयामों से परिपूर्ण रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्णता हेतु विभाग के सभी शिक्षक प्रतिबद्ध है। भूगोल विभाग की कार्ययोजना का मर्म सदैव वास्तविकता के धरातल पर खरा उतरना है। कार्ययोजना केवल **'पन्नों पर नहीं वरन् धरातल पर'** विभाग का ध्येय है।

विभागीय कार्य विभाजन

04 जून 2021 को विभागीय कार्यो का वर्तमान सत्र में कुशलता पूर्वक संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से विभागीय शिक्षकों के दायित्व को निर्धारित किये गये। दायित्व वितरण का कार्य विभाग की शिक्षिका डॉ. शालू श्रीवास्तवा ने किया–

1. **डॉ. विजय कुमार चौधरी**
   - विभागीय बैठकों का आयोजन
   - समय–सारणी तैयार करना
   - पठन पाठन
   - तकनिकी प्रसार
   - विभागीय रिपोर्ट तैयार करना
   - शैक्षणिक भ्रमण यात्रा
   - पाठ्यक्रम योजना निर्माण
   - विभागीय योजना
2. **डॉ. शालू श्रीवास्तवा**
   - विभागीय स्वच्छता
   - विभागीय कार्य निरीक्षण
   - बी.ए./बी.ए–सी. तृतीय वर्ष की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
   - पूरक पाठ्यक्रम
   - स्वमूल्यांकन प्रपत्र तैयारी में सहयोग एवं एकत्र करना
   - महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार आयोजन
   - साप्ताहिक व्याख्यान आयोजन–स्नातकोत्तर स्तर (प्रत्येक शनिवार सातवीं घंटी में)
   - विभागीय कार्य विभाजन
   - नैक/ आई क्यू ए सी सूचनाएं
3. **डॉ. नीलम गुप्ता**
   - प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला उपकरण रख–रखाव (प्रयोगशाला सहायक के साथ)
   - शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाना
   - नवाचार एवं मौलिक प्रयोग
   - स्नातकोत्तर (प्रथम एवं अन्तिम वर्ष) प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
   - पाठ्यक्रम संकलन पाठ्य पुस्तकों की सूची
   - मैप ड्राइंग प्रतियोगिता
   - पाठ्य पुस्तकों की सूची अद्यतन करना
   - विभागीय पुस्तकालय
   - नैक/ आई क्यू ए सी सूचनाएं
4. **डॉ. अभिषेक सिंह**
   - शिक्षक बायोडाटा
   - विभागीय ब्लांग आख्या
   - मैप ड्राइंग कार्यशाला आयोजन
   - बी.ए./बी.ए–सी. द्वितीय वर्ष की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
   - विभागीय गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम
   - पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन
   - गोद लिए गये विद्यार्थी
   - नैक/ आई क्यू ए सी सूचनाएं
5. **श्री अरविन्द कुमार मौर्य**
   - विश्वविद्यालय पूर्वपरीक्षा प्रश्नपत्र
   - विभागीय पूर्व विद्यार्थी

- दायित्व सह कार्य रिपोर्ट
- लैब मैन्युवल
- स्वैच्छिक श्रमदान प्रोत्साहन
- बी.ए./बी.ए–सी. प्रथम वर्ष की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- अभिगृहित ग्राम रिपोर्ट
- भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता
- बी.ए./बी.ए–सी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का पंजीकरण
- समाचार लेखन
- नैक/ आई क्यू ए सी सूचनाएं

❖ उपरोक्त कार्यो के अतिरिक्त विभाग एवं विभाग समीप के अनुशासन का दायित्व सभी शिक्षकों का होगा।

सत्रारम्भ

30 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात् 11 अगस्त से स्नातक प्रथम वर्ष, तृतीय वर्ष एवं स्नाकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएँ संचालित करने का निर्णय लिया गया। स्नातक द्वितीय वर्ष की कक्षाएं 16 जून से प्रारम्भ हो गयी हैं। 30 जनवरी तक पाठ्य योजना के अनुसार पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया जायेगा। विश्वविद्यालय परीक्षा के पूर्वाभ्यास के लिए 05 फरवरी से विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा होगी। विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के मूल्यांकन के आधार पर विद्यार्थियों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं चलायी जायेंगी।

समय–सारणी

स्नाकोत्तर कक्षाओं की समय–सारणी (सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक) विभागाध्यक्ष द्वारा अद्यतन कर लिया गया है। समय–सारणी बनाते समय गत–सत्र में आई कठिनाइयों का निवारण कर लिया गया है। जबकि स्नातक कक्षाओं की समय–सारणी का निर्माण महाविद्यालय द्वारा गठित समिति करती है।

प्रायोगिक कक्षाएं

स्नातक एवं स्नाकोत्तर कक्षाओं की प्रयोगिक कक्षाएं 16 अगस्त से प्रारम्भ होगीं। विभिन्न कक्षाओं का लैब वर्क 20 दिसम्बर तक पूर्ण करके फील्ड वर्क कराया जायेगा। स्नातक तृतीय वर्ष एवं स्नाकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा तीन दिवसों तक सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण कराकर रिपोर्ट तैयार करायी जायेगी। यदि स्नाकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण कोविड–19 महामारी के कारण नहीं जा पायेगा तो द्वितीय आंकड़ों के आधार पर प्रोजेक्ट तैयार कराया जायेगा।

पठन–पाठन

विभाग का ध्येय **'पन्नों पर नहीं वरन् धरातल पर'** है। इस लिए पठन–पाठन प्रभावी एवं उच्च कोटि का हो सके। पाठ्यक्रम योजना का शतप्रतिशत पालन की पूर्व की भाँति लागू रहेगा। पाठ्यक्रम योजना के अनुसार 30 जनवरी तक सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम को पूर्ण कर लिया जायेगा। यदि किन्हीं कारणों से 30 जनवरी तक किसी कक्षा के किसी प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हो पायेगा तो सम्बन्धित शिक्षक प्राचार्य से अनुमति के आधार पर अतिरिक्त कक्षा पढ़ाकर पाठ्यक्रम पूर्ण करेंगे।

विभागीय पुस्तकालय

विभागीय पुस्तकालय प्रभारी द्वारा विभागीय पुस्तकों का रख–रखाव एवं विद्यार्थियों में आवंटन किया जायेगा। वर्तमान सत्र के लिए आवश्यकतानुसार नये लेखकों की पुस्तकों की व्यवस्था किया जायेगा।

प्रयोगशाला

प्रयोगशाला अद्यतन रखी जायगी। प्रयोगशाला की स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जायगी। आवश्यकतानुसार प्रयोगशालाओं में आवश्यक प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया गया। प्रयोगशाला हेतु आवश्य उपकरण एवं अन्य सामग्री का क्रय करने के लिए माँग पत्र प्रयोगशाला प्रभारी के माध्यम से प्राचार्य के पास भेजा जायेगा। प्रयोगात्मक उपकरणों को भण्डार पंजिका में दर्ज किया जायेगा। भण्डार पंजिका की जॉच एवं सत्यापन सत्र के अन्त में मार्च माह में प्रयोगशाला प्रभारी एवं प्राचार्य से कराया जायेगा।

कक्षाध्यापन में अभिनव प्रयोग

कक्षाध्यापन में सहायक सामग्री के रुप में ग्रीन बोर्ड, प्रोजेक्टर, चार्ट, मानचित्र, मॉडल, इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। सभी कक्षाएं प्रोजेक्टर के माध्यम से चलेंगी। सभी प्रश्नपत्रों के व्याख्यान का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लॉग अपलोड किया जायेगा। इसके अतिरिक्त अन्य पाठ्य सामग्री जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा उसे भी विभागीय शिक्षक अपने–अपने ब्लॉग पर डालेंगे। विभाग में प्रतिमाह कम से कम एक व्याख्यान विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के शीर्षक पर कराया जायेगा। अन्तरानुशासनात्मक पद्धति के अर्न्तगत भूगोल विषय के विद्यार्थियों को दूसरे विषय की जानकारी प्रदान कराने का प्रयास किया जायेगा। प्रत्येक कक्षा में विभागीय शिक्षकों द्वारा अनौपचारिक बातचीत के क्रम में अनुशासन, समाज, राष्ट्र की चर्चा जीवनदृष्टि के सन्दर्भ में की जायेगी।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

साप्ताहिक कक्षाध्यापन उद्देश्य विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास तथा विषय में अभिरूचि विकास प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशक्त बनाना है। कक्षाध्यापन हेतु सत्रारम्भ के प्रथम दिन अर्थात् कक्षाध्यापन से 5 दिन पूर्व कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा विषय कक्षा में तय करके घोषित कर दिया जायेगा। कक्षाध्यापन के लिए विद्यार्थियों की तैयारी कक्षा के बाहर करायी जायेगी। कक्षाध्यापन के दिन एक–एक कर

विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर कक्षाध्यापन कराया जायेगा। कक्षाध्यापन कर चुके विद्यार्थी को दूसरा अवसर तब तक नहीं दिया जायेगा, जब तक कि सभी विद्यार्थियों का एक चक्र पूरा न हो जायं। कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों का विवरण विभागीय शिक्षकों द्वारा उन्हें 10 अंक के पूर्णांक में अंक देने के साथ रखा जायेगा। कक्षाध्यापन में छात्र–छात्राओं को अपना विषय वस्तु ठीक तरह से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जायेगा। सत्र 2021–2022 में साप्ताहिक कक्षाध्यापन की तिथियाँ निम्नवत् हैं–

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. / बी.एस–सी प्रथम	NA	07, 16	02,09, 16	05, 20	11, 20	08, 16, 23	07,17
बी.ए. / बी.एस–सी.द्वितीय	23, 30	06, 14	01,08, 15	04, 18	09, 18	07, 15, 22	06,13
बी.ए. / बी.एस–सी.तृतीय	23, 30	06, 14	01,08, 15	04, 18	09, 18	07, 15, 22	06
एम. ए. प्रथम वर्ष	NA	07, 16	02, 09, 11	05, 20	11, 20	08, 16, 23	05
एम. ए. अन्तिम वर्ष	24, 31	07, 16	03, 13, 22	09, 21	08, 07	03, 14, 21	05

सारांश

विद्यार्थियों को प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अपने व्याख्यान की छायाप्रति में नहीं दी जाएगी। इसके वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लॉग पर अपलोड पी.पी.टी द्वारा विद्यार्थी विषय की पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सकते हैं।

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान

इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों–कर्मचारियों में श्रम के प्रति श्रद्धा भाव उत्पन्न करना है। स्वैच्छिक श्रमदान के लिए विभागीय शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरित किया जायेगा। स्वैच्छिक श्रमदान प्रत्येक शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मध्यावकाश स्थगित तथा मध्यावकाश के बाद की चार कक्षाओं के 10–10 मिनट का समय घटाकर करके 60 मिनट का होता है।

प्रार्थना सभा

प्रार्थना सभा में पूर्व की भांति राष्ट्रगान, ईश वन्दना, सरस्वती वन्दना और राष्ट्रगीत के साथ महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान यथावत् सम्पन्न होगा जबकि निर्धारित तिथियों में श्रीमद्भगवतगीता का वाचन हेतु श्लोक चयनित करके लिपिबद्ध करके इन्हीं श्लोकों का वाचन हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत जाता है। प्रत्येक शनिवार प्रार्थना सभा में प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होता है। प्रार्थना सभा के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जायेगा।

शिक्षक आचार संहिता

वर्षिक योजना बैठक में सत्र 2021–22 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। विभाग के शिक्षकों द्वारा आचार संहिता स्वप्रेरणा को अपने–अपने उपर लागू करेगें। यद्यपि शिक्षक आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन मान्य नहीं रहेगी। शिक्षकों द्वारा स्वयं आचार संहिता का पालन न करने पर आचार संहिता उस शिक्षक पर स्वतः लागू हो जाएगी।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र विद्यार्थियों द्वारा भरा जाने वाला एक प्रपत्र है। विद्यार्थियों के अभिमत शिक्षक के व्यक्तित्त्व विकास का माध्यम बनते हैं। वर्ष में दो बार (सितम्बर–दिसम्बर) विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक अपने बारे में शिक्षक–प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवातें हैं। इस प्रपत्र के आधार पर शिक्षक अपना स्वमूल्यांकन करते हैं।

शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र

योजना बैठक में शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र पर विचार–विमर्श कर सर्वसम्मति से यह प्रारूप प्रतिवर्ष लागू होता है। विभागीय शिक्षकों द्वारा जुलाई से जनवरी माह तक प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन भरा जायेगा। जो शिक्षकों द्वारा प्रतिमाह स्वमूल्यांकन करके स्व–विकास का सशक्त माध्यम बनता है।

पाठ्यक्रम योजना

विभाग द्वारा प्रत्येक प्रश्नपत्र की वार्षिक पाठ्यक्रम योजना निर्धारित प्रारूप पर बनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य समय से (30 जनवरी तक) पाठ्यक्रम पूर्ण करना है तथा विद्यार्थी को पहले से पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा। वार्षिक पाठ्यक्रम योजना को दिनांक, शिक्षक का नाम, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ 3+2+1 के सिद्धान्त पर तैयार किया गया है। जिसको महाविद्यालय की बेवसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

गोद लिए गए विद्यार्थी

विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। गोद लिए गये विद्यार्थियों के पठन–पाठन एवं आचरण–व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी गोद लिए शिक्षक की होती है। शिक्षक द्वारा इन पाँचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करेंगे। ये विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, छात्रावासी या कक्षा प्रतिनिधि में से ही होते हैं। स्नातक पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों के रिक्त स्थानों पर स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को ही गोद लिया जायेगा।

गोद लिए गये विद्यार्थियों की सूची

डॉ. विजय कुमार चौधरी

क्रम सं.	छात्र / छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.

1	विशाल रॉय	बी.ए. भाग दो	7785983498
2	सुधीर सिंह	बी.ए. भाग दो	8423404604
3	शिवानन्द निषाद	बी.ए. भाग दो	8795409287
4	संतोष कुमार यादव	बी.ए. भाग दो	8114075577
5	राहुल यादव	बी.ए. भाग दो	9336318042
6	प्रतिमा सिंह	बी.ए. भाग दो	8418901805
7	पूजा यादव	बी.ए. भाग दो	8303314468

सत्र 2021–22 के लिए कोई स्थान रिक्त नहीं है।

डॉ. शालू श्रीवास्तव

क्रम सं.	छात्र / छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	अम्बाला सिंह	बी.एस–सी. भाग तीन	8601163646
2	श्वेता पटेल	बी.एस–सी. भाग तीन	7398568064
3	शशिकला गौण	बी.ए. भाग तीन	8127574159

नोट – वर्तमान सत्र में स्नातक तृतीय वर्ष की तीनों छात्राओं के उत्तीर्ण हो जाने के पश्चात् पांचो स्थान रिक्त हो जाएगा। सत्र 2021–22 में प्रथम वर्ष से छात्र छात्राओं को गोद लिया जाएगा।

डॉ. नीलम गुप्ता

क्रम सं.	छात्र / छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	अर्चना चौहान	बी.एस. भाग दो	9696239220
2	संगम	बी.एस. भाग दो	9889986252
3	वर्षा पाठक	बी.एस. भाग दो	7318447103
4	आरोषी	बी.एस. भाग दो	9518438664
5	सोनी चौधरी	बी.एस. भाग दो	6392966080

डॉ. अभिषेक सिंह

क्रम सं.	छात्र / छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	हिमांशु मिश्रा	बी.एस. भाग एक	7985775282
2	दीनू चौरसिया	एम.ए. अन्तिम वर्ष	9794661769
	श्री अरविन्द कुमार मौर्य		

नोट – वर्तमान सत्र से बी.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को गोद लिया जाएगा।

गोद लिए गया गाँव

भूगोल विभाग द्वारा जंगल औराही गाँव को गोद लिया गया है। विभाग तथा महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सीखाना इसका प्रमुख उद्देश्य है। विभाग द्वारा जंगल औराही गाँव का सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण कराकर सम्पूर्ण विवरण रखा जायेगा। गाँव में जन–जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करेगा। इस सत्र में चार बार विभाग के शिक्षक–विद्यार्थी (08 अगस्त 2021, 24 अक्टूबर 2021, 27 फरवरी 2022 एवं 29 मई 2022) गाँव में जाएंगे।

मासिक मूल्यांकन

सत्र 2021–22 में माह के अन्तिम सप्ताह में पूर्व निर्धारित तिथि पर मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा। अगस्त माह में मासिक मूल्यांकन वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के माध्यम से सम्पन्न कराया जायेगा। जिसमें प्राप्त सर्वोच्च अंकों के आधार पर प्रत्येक कक्षा में कक्षा प्रतिनिधि चुने जायेंगे। वर्तमान सत्र के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न–पत्र बनाकर 6 भागों (अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी का मासिक मूल्यांकन) में बराबर–बराबर विभक्त कर मासिक मूल्यांकन का प्रश्न पत्र तैयार किया जाता है। 30 अंक के 6 मासिक मूल्यांकन के आधार पर प्रत्येक विषय के 180 अंक पर मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक माह 5 अंक आचरण एवं व्यवहार पर शिक्षक द्वारा दिया जाएगा। इस प्रकार पूरे सत्र में 30 अंक आचरण व्यवहार के होंगे। मासिक मूल्यांकन के इन्ही प्रश्नों पर विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न होती है। वर्तमान सत्र में यह व्यवस्था पूर्ववत् लागू रहेगी। जिनकी तिथियाँ निम्न हैं–

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. / बी.एस.–सी. प्रथम	NA	24	25	27	29	31	24
बी.ए. / बी.एस.–सी. द्वितीय	NA	23	23	26	27	30	22
बी.ए. / बी.एस.–सी. तृतीय	NA	23	23	26	27	30	13
एम. ए. प्रथम वर्ष	NA	24	25	27	29	30	12
एम. ए. अन्तिम वर्ष	NA	25	30	25	26	29	12

छात्रसंघ

अगस्त माह में मासिक मूल्यांकन के आधार पर कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव प्रत्येक कक्षा में किया जायेगा। चुने गये कक्षा प्रतिनिधियों में से छात्रसंघ के पदाधिकारियों का चुनाव विद्यार्थियों के द्वारा मतदान के माध्यम से होगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना

विभाग के प्रत्येक शिक्षक के द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थियों में से अधिकांश विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक होते है। श्रम एवं समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने के लिए स्वयं सेवकों को प्रेरित किया जायेगा।

वेबसाइट/शिक्षक ब्लॉग

विभाग की पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन कर दिया गया है तथा अन्य विभागीय सूचनाओं को भी समय–समय पर वेबसाइट पर अपडेट किया जाता रहेगा। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के लिए शिक्षकों के ब्लॉग पर सभी व्याख्यान की पी.पी.टी. बनाकर अपलोड किया जायेगा साथ ही अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री को भी ब्लॉग पर अपलोड किये जायेंगे।

तकनीकी प्रसार

विभागीय शिक्षकों द्वारा लैपटॉप, प्रोजेक्टर, स्मार्ट क्लास, स्काइप, जूम एप आदि का उपयोग किया जाता रहेगा। आवश्यकतानुसार इसका विद्यार्थियों में प्रसार भी किया जायेगा।

नैक/ आई क्यू ए सी

नैक/ आई क्यू ए सी से सम्बन्धित सभी सूचनाओं को विभागीय शिक्षकों द्वारा नैक/ आई क्यू ए सी प्रभारी को समय से उपलब्ध कराया जायेगा।

महत्वपूर्ण विभागीय कार्यक्रम

1.विशिष्ट व्याख्यान

क्रम	मह	तिथि	विषय	अतिथि
1.	अगस्त	26-08-2021	पृथ्वी की आन्तरिक संरचना	प्रो. एस. के. सिंह
2.	सितम्बर	11-09-2021	संसाधन होते नहीं बनते हैं	प्रो. जे. एन. पान्डेय
3.	अक्टूबर	11-10-2021	जनसंख्या वृद्धि का पर्यावरण पर प्रभाव	प्रो. एस. के. दीक्षित
4.	नवम्बर	22-11-2021	सामान्य अनरदन चक्र	डॉ. भगवान देव मौर्य
5.	दिसम्बर	01-12-2021	खनिज संसाधन	डॉ. स्वयं प्रकाश लाल श्रीवास्तव
6.	जनवरी	13-01-2022	भारत में बाढ़ की विभीषिका	डॉ. संजय कुमार सिंह

2. पोस्टर प्रतियोगिता

पर्यावरणीय मुद्दों एवं घटनाओं के प्रति गहरी रूचि उत्पन्न करने के लिए विभाग द्वारा 23 अक्टूबर, 2021 को मपोस्टर प्रतियोगिता आयोजन किया जायेगा। जिसमें भूगोल विषय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों के विद्यार्थी सम्मिलित होगें।

3. भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता

सीखने का स्तर हमेशा शिक्षण विधियों पर केन्द्रित होता है। इसको ध्यान में रखते हुये भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नवीन प्रविधि के माध्यम से भौगोलिक ज्ञान की अभिवृद्धि करना है। इस प्रतियोगिता का प्रथम चरण–05 अक्टूबर, 2021 को आयोजित किया जायेगा। प्रथम चरण में 30–30 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के आधार पर 08 श्रेठष्तम विद्यार्थियों का चयन करके 04 टीमें बनायी जायेगी। प्रतियोगिता के द्वितीय चरण का आयोजन 09 अक्टूबर, 2021 होगा, जिसमें 20 प्रश्नों के आधार पर विजेता टीम का चयन होगा।

4. फैकल्टी डेबलेपमेंट प्रोग्राम (FDP)

महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में शोध प्रविधि एवं नवीन टीचिंग–लर्निंग तकनीकों की अभिवृद्धि के लिए 11–17 नवम्बर, 2021 तक सप्तदिवसीय फैकल्टी डेबलेपमेंट प्रोग्राम (FDP) का आयोजन किया जायेगा।

5.सर्वेक्षण कैम्प (कन्टूरिंग)

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम के अंर्तगत सर्वेक्षण कैम्प का आयोजन 13–16 दिसम्बर, 2021 तक आयोजित किया जायेगा। जिसमें स्थलाकृतियों की गहराई–ऊचाई के आधार पर समोच्च रेखाओं को बनाना बताया जायेगा।

6. **मैप ड्राइंग कार्यशाला**

मानचित्र को भूगोल की आत्मा माना जाता है। इस दृष्टि से भूगोल के सभी विद्यार्थियों को मानचित्र पढ़ना एवं बनाना आना चाहिए। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए 03–10 जनवरी, 2021 तक सप्तदिवसीय मैप ड्राइंग कार्यशाला विभाग आयोजित किया जायेगा।

7. **मैप ड्राइंग प्रतियोगिता**

विद्यार्थियों में स्वथ्य प्रतियोगिता विकसित करने उद्देश्य से गतवर्ष की भाँति इस सत्र में भी मैप ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजन 18 जनवरी, 2021 को किया जायेगा।

8. **महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार**

भूगोल विभाग अपने स्थापना सत्र से ही महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार का आयोजन करता आ रहा है। इस सत्र में भी 17–18 जनवरी, 2021 होगा।

***9.* विद्यार्थियों द्वारा व्याख्यान**

विशेषतः स्नातक अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं प्रस्तुतिकरण को बेहतर बनाने के लिए प्रत्येक सप्ताह शनिवार को विद्यार्थियों द्वारा 40 मिनट का व्याख्यान दिया जायेगा। इसके पश्चात् 10 मिनट तक प्रश्नोत्तर के लिए समय होगा। व्याख्यान का विषय एक सप्ताह पूर्व पढ़ाये गये पाठ्यक्रम में से निर्धारित किया जायेगा। व्याख्यान के लिए शिक्षक विद्यार्थी की तैयारी करायेंगे।

***10.* शैक्षिक भ्रमण**

क. बी.ए. / बी.एस–सी. तृतीय 20 जनवरी–02 फरवरी, 2021

ख. एम.ए. अन्तिम वर्ष 03 जनवरी–16 जनवरी, 2021

नोट : कार्यक्रमों की तिथियों, विषय एवं अतिथि में परिस्थितिजन्य परिर्वतन सम्भव ।

प्राणि विज्ञान विभाग

1. पाठ्यक्रम योजना

महाविद्यालय अपने प्रारम्भिक काल से ही पाठ्य क्रम योजना बनाता रहा है। पाठ्यक्रम योजना के अनुसार ही प्रत्येक दिन का कक्षा संचालन होता है एवं पाठ्यक्रम सुव्यवस्थित ढ़ंग से पूर्ण हो जाता है। छात्रों का पूर्व से भी पता होता है कि किस दिनांक को किस अध्यापक द्वारा कौन सा शीर्षक पढ़ाया जाना है। प्राणि विज्ञान विभाग ने गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी पाठ्यक्रम के अनुसार वर्तमान सत्र की पाठ्यक्रम योजना जुलाई माह से पूर्व बना चुका है जो महाविद्यालय की वेबासाइट पर अपलोड हो चुका है।

2. शिक्षक ब्लॉग

विभाग के सभी शिक्षक अपने अपने पढ़ायें जाने के संदर्भ में सभी शीर्षक का पीपीटी बना कर अपने अपने ब्लॉग पर गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी अपलोड कर चुके हैं। जिसे छात्र डाउनलोड कर पढ़ सकें। सभी शिक्षक अपना बायोडाटा भी अपने ब्लाक पर अपलोड कर चुके हैं।

3. **कक्षा संचालन**

विभाग के सभी शिक्षक गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन कक्षा पीपीटी के माध्यम से पाठ्यक्रम योजना के अनुसार पढ़ायेंगे। बी.एस–सी. भाग दो की कक्षा 16 जून, बी.एस–सी. भाग एक एवं तीन 11 अगस्त संचालित होगी।

4. **विभागीय पुस्तकालय**

विभाग अपने स्तर से पुस्तकालय का संचालन करता है। गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी विभागीय पुस्तकालय संचालित होगी। विभागीय पुस्तकालय से छात्रों को पुस्तक दी जाती है, जिसे छात्र अपनी आवश्यकता अनुसार प्रात करेगा तथा पढ़ कर वापस कर देगा। पुस्तक के लेन देन के हिसाब के लिए विभाग में रजिस्टर रखा गया है। यह योजना वर्तमान में लागू रहेगी।

5. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन**

इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के अंदर के डर, घबराहट को दूर करना तथा उनमें आत्मविश्वास पैदा करना होता है, जिससे वे किसी भी साक्षात्कार में अपनी बात को सहजतापूर्वक एवं निर्भिकतापूर्वक रख सकें। इस योगना के अन्तर्गत विभाग द्वारा 5 दिन पहले ही अगले कक्षाध्यापन के लिए विद्यार्थियों के नाम और शीर्षक बता दिया जाता है। यह योजना वर्तमान सत्र में लागू रहेगी।

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.–सी. भाग एक	NA	05,12,21	07,14	01,11	08,17	03,14,21	06,13
बी.एस.–सी. भाग दो	20, 28	04,11,20	06,13,21	23	16	02,13,20	04,11,20
बी.एस.–सी. भाग तीन	20, 28	04,11,20	06,13,21	23	16	02,13,20	04,11,20

6. **मासिक मूल्यांकन**

इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम को तैयार करना होता है, जिससे कि वे विश्वविद्यालय की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सके। मासिक मूल्यांकन में वही प्रश्न दिये जाते हैं, जो विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का प्रश्न होता है तथा विश्वविद्यालय परीक्षा के प्रश्न पर आधारित होता है। विभाग महीने भर में पढ़ायें गये पाठ्यक्रम से ही विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन कराता है। गत सत्र की तरह वर्तमान सत्र में भी इसे लागू किया जायेगा।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.–सी. भाग एक	NA	31	22	25	26	21	22
बी.एस.–सी. भाग दो	NA	27	30	30	25	28	29
बी.एस.–सी. भाग तीन	NA	27	30	30	25	28	29

7. **प्रगति आख्या**

विभाग महाविद्यालय के प्रारम्भिक काल से ही विभागीय प्रगति आख्या तैयार करता है। विभाग छात्रों का पठन पाठन, साप्ताहिक कक्षाध्यापन, उपस्तिथि, मासिक मूल्यांकन एव आचरण व्यव्हार के आधार पर छात्रों का सर्वांगीण विकास के तरफ अग्रसर करने का प्रयास करता रहा है। गत वर्ष की तरह वर्तमान सत्र में यथावत प्रगति आख्या लागू रहेगा।

8. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र**

प्रत्येक माह के 10 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र जमा किया जायेगा।

9. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र**

सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में प्रत्येक शिक्षक का शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र छात्रों द्वारा भरवाया जाता है। इसे वर्तमान सत्र में लागू किया जायेगा।

10. **विभागीय कार्यक्रम**

व्याख्यान

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	मुख्य वक्ता
1.	25.06.2021	''कोशिका संचरण''	प्रो. डी.के. सिंह जी, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
2.	07.07.2021	''विकास की कोशिकाएं क्रियाविधि''	प्रो. डी.के. सिंह जी, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
3.	18.08.2021	स्टेम कोशिका	प्रो. डी.के. सिंह जी, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
4.	23.09.2021		प्रो. डी.के. सिंह जी, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
5.			प्रो. वी.ब. कुशवाहा जी विभागाध्यक्ष प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
6.			प्रो. वी.के. सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
7.	नवम्बर		डॉ. अजीत कुमार तिवारी, सहायक आचार्य, प्राणि विज्ञान विभाग, बुद्धा पी.जी. कालेज, कुशीनगर

नोट – कुछ व्याख्यान के शीर्षक और दिनांक अभी तय नहीं हो सका है। उसे आगे तय करके अपडेट करा दिया जायेगा।

शोध ब्याखान

1. बी.एस–सी भाग तीन 17.11.2021 (सयोजक डॉ आर. एन. सिंह)
2. बी.एस–सी भाग दो 14.12.2021 (सयोजक श्री विनय कुमार सिंह)
3. बी.एस–सी भाग एक 20.01.2022 (सयोजक डॉ शिव कुमार)

विज्ञान प्रदशनी

1 .बी.एस–सी भाग तीन 18.11.2021 (सयोजक डॉ आर. एन. सिंह)
2. बी.एस–सी भाग दो 15.12.2021 (सयोजक श्री विनय कुमार सिंह)
3. बी.एस–सी भाग एक 21.01.2022 (सयोजक डॉ शिव कुमार)

11. **गोद लिए गए गाँव** –

प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा लक्ष्मीपुर गांव को गोद लिया गया है।

उद्देश्य –

लक्ष्मीपुर गांव के साथ विभाग का आत्मीय संबंध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सिखाना। स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक विषयों पर जन –जागरण कर जागरूक करना।

कार्यपद्धति–

गांव के परिवारों का अमीर– गरीब, साक्षर–निरक्षर, रोजगार–बेरोजगार, वृद्ध, दिव्यांग आदि की पूर्ण सूचना विभाग के पास होती है। गांव में जन– जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करता है। वर्ष में न्यूनतम चार बार विभाग के शिक्षक– विद्यार्थी गांव में जाते हैं। गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी यथावत लागू रहेगा।

12 **साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान–**

उद्देश्य–

इस योजना का उद्देश्य विभाग के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना है। कोई कार्य छोटा– बड़ा नहीं होता, सभी कार्यों का अपने–अपने संदर्भ में समान महत्व सिद्धांत की प्रतिष्ठा करना है।

कार्यपद्धति–

प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित कर तथा मध्यावकाश के बाद की 4 कक्षाओं के 50–50 मिनट का समय घटाकर 40–40 मिनट कर दिया जाता है।इस इस प्रकार 60 मिनट का साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान होता है।

13.**गोद लिए गए विद्यार्थी –**

विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा 5 विद्यार्थी को गोद लिया जाता है। इन विद्यार्थियों के पठन–पाठन एवं आचरण व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी संबंधित शिक्षक की होती है।

उद्देश्य –

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान।

कार्यपद्धति– सत्र के आरंभ में विभाग के शिक्षकों द्वारा अपनी–अपनी कक्षाओं से 5–5 विद्यार्थियों के गोद लिये चुने जाते हैं। विद्यार्थियों को गोद लेते समय यह ध्यान रखा जाता है कि, इसमें विद्यार्थी या तो राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्य हो या छात्रावास में रह रहे हो या कक्षा प्रतिनिधि हो। गत वर्ष की भांति वर्तमान ने सत्र के भी लागू रहेगी।

शिक्षक का नाम	**गोद लिए विद्यार्थी**
डॉ. आर.एन. सिंह	1. कृष्ण मोहन, बी.एस–सी. तृतीय वर्ष 2. मुंजेश पटेल, बी.एस–सी. प्रथम वर्ष 3. विशाल श्रीवास्तव, बी.एस–सी. प्रथम वर्ष 4. अमित पाण्डेय, बी.एस–सी. प्रथम वर्ष
श्री विनय कुमार सिंह	1. गरिमा प्रजापति, बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष 2. रागिनी सिंह, बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष 3. दिव्या मद्धेशिया, बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष 4. कुमारी प्रियंका, बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष 5. सूर्य प्रताप सिंह, बी.एस–सी. द्वितीय वर्ष
डॉ. शिव कुमार	1. अमित कुमार–बी.एस–सी द्वितीय वर्ष 2. पंकज कुमार–बी.एस–सी द्वितीय वर्ष 3. आलोक सिंह–बी.एस–सी तृतीय वर्ष 4. रीतू पासवान–बी.एस–सी द्वितीय वर्ष

14.**छात्रसंघ प्रतिनिधि चुनाव**

छात्र संघ के माध्यम से विद्यार्थियों में कार्य क्षमता एवं निर्णय लेने की प्रवृत्ति के विकास हेतु महाविद्यालय प्रशासन में छात्र सभा का गठन किया है।

कार्यपद्धति –

महाविद्यालय के छात्र संघ में केवल वही विद्यार्थी सदस्य हो सकते हैं जो अपनी कक्षा के प्रतिनिधि हो तथा वही विद्यार्थी छात्र संघ चुनाव भी लड़ सकते हैं। अतः विभाग ऐसे विद्यार्थियों के चयन करने के लिए 10 प्रश्न का बहुविकल्पीय प्रश्न पत्र बनाता है तथा इस परीक्षा के माध्यम से जो विद्यार्थी सर्वाधिक अंक प्राप्त करते है, उसमें उनकी उपस्थिति जोड़ी जाती है, दोनों मिलाकर जिनका सर्वाधिक अंक आता है वे विद्यार्थी ही विभाग के प्रतिनिधि बनते हैं। कक्षा प्रविनिधि कक्षा का सर्वश्रेष्ठ छात्र होता है। यह योजना को वर्तमान सत्र में लागू रहेगा।

15 विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का प्रश्न पत्र बनाना

प्राणि विज्ञान विभाग के सभी प्राध्यापक गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का प्रश्न पत्र बनायेगे। सभी प्रश्न पत्र विश्वविद्यालय परीक्षा के प्रश्न पत्र के आधार पर बनाकर 30 सितम्बर तक परीक्षा प्रभारी के पास जमा करेंगे। यह सभी प्रश्न पत्र गत वर्ष की भाति इस वर्ष भी निशुल्क बनाया जायेगा।

16. विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा

महाविद्यालय अपने प्रारम्भिक काल से ही विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा कराता रहा है, इस परीक्षा में विभाग के सभी प्राध्यापक निशुल्क कक्ष परीप्रेक्षक एव उत्तर पुस्तिका का मूल्याकन करते रहे है। विभाग के सभी शिक्षक वर्तमान सत्र में इस कार्य को सम्पादित करेगे।

17. विभागीय साप्ताहिक शिक्षक बैठक

प्रति सप्ताह किये गए पठन–पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ नवाचार, आदि की समीक्षा एवं अगले सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक शनिवार को विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में साप्ताहिक शिक्षक बैठक होता है।

18. विभागीय मासिक समीक्षा बैठक

प्रत्येक महीने की मासिक समीक्षा अगले महीने की योजना।

19. कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप

विभाग ने बी.एस–सी. भाग–एक, दो व तीन तथा एम.एस–सी. प्रथम एवं अन्तिम वर्ष का कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है, जिसका प्रयोग ऑनलाइन कक्षा पढ़ाने के लिए लिंक भेजना तथा जरूरी सूचनाएं विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए किया जाता है। यह योजना वर्तमान सत्र में लागू रहेगी।

Computer Science Department

1. Lesson Plan

Objective and goals:

In order to define the lesson, plan our objectives, consider asking our self the following questions:

- What will students accomplish during this lesson?
- To what specific level (i.e. 75% accuracy) will students need to be able to perform a given task in order for them to be considered proficient and their progress satisfactory?
- Exactly how will the students show that they understood and learned the goals of the lesson (worksheet, oral, group work, presentation, illustration, etc.)?

Additionally, we want to make sure that the lesson's objectives align with district and state educational standards for our grade level. By thinking clearly and thoroughly about the goals of the lesson, we will ensure that we are making the most of your teaching time.

Department of Computer science uploaded the lesion plan in our college website for the students to understand the lesion for the session 2021-2022. Computer Science Dept. teaches according to the lesson plan. This year our department try 100% lecture delivered in PPT and Smart Board use. This year dept. will try to complete the syllabus according to lesson plan & on time. Extra classes will be managed during the working days & hours.

The lesion plan is started on dated 16th June 2021 for BSC Second Year and for First year and third year this will be on dated 11 Aug 2021.

2. Monthly Evaluation

In the session 2021-22, monthly assessment will be conducted at the end of every month, in the monthly assessment, questions will be asked from the courses taught in that month. Monthly assessment questions asked from the month of August to January will be asked in the pre-university examination.

Monthly Evolution help Lectures to assess that revealed or the taught portion of the month was understood by the students before it’s too late. Evaluation shows that how many have failed to grasp a particular chapter & a lecturer can reteach it. If a few are confused, the lecturer can provide individualized help. It also helps students to get ready for the examinations & to know their weak points. Last year 35% students participated in the monthly evaluation.

Monthly Assessment Date - The date of monthly assessment in the session 2021-2022 is as follows-

Class	Monthly Evaluation Schedule						
	July	Aug.	Sept.	Oct.	Nov.	Dec.	Jan.
B.Sc. I	NA	27	30	30	30	31	29
B.Sc.II	NA	31	22	25	26	29	31
B.Sc III	NA	31	22	25	26	29	31

3. Swamulyankan Prapatra

Objective and Goals:-

Swamulyankan Prapatra is a tool to provide ability to examine our self to find out how

much progress we have made. It is a skill that helps individuals monitor their own work or abilities, find out what their weaknesses and strengths are, and self-diagnose relevant solutions.
The purpose of Swamulyankan Prapatra is to help the individual know the extent of his abilities and to improve upon them without the need of a performance appraiser. It involves the use of questions such as; *what are my strengths; what are the obstacles*, etc.
Swamulyankan Prapatra will be filled & submit self-assessment form each & every months last day with the progress report of the student's online. It allows us to create critical reflective practice in our own actions. It strengthens & aware about the responsibilities over own work & increase control & ownership of our professional development.

4. Saptahik Kaksha-Adhyapan

Objective and Goal: -

To groom the students, it is very important to make student with dynamic personality that's why the Department of Computer science provide a platform to every student to teach in the class. This will enhance the confidence of the student.

Every student is taught by the department, in this process, subject is allotted to the students 05-06 days before the date of class teaching, and class is given to them by getting them taught on the date of class teaching.

Class teaching date - The date of class teaching in the session 2021-2022 is as follows-

Class	Class Teaching Schedule						
	July	Aug.	Sept.	Oct.	Nov.	Dec.	Jan.
B.Sc. I	NA	9, 18	7, 15, 25	21, 29	17, 27	8, 17, 27	4, 12, 22
B.Sc.II	22, 29	5, 12, 21	7, 14	1, 11	8, 17	3, 14, 21	5, 12, 21
B.Sc III	23, 30	5, 14, 23	7, 14, 21	4, 11	9, 20	11, 17	3, 8, 13

5. Guest Lectures

Guest lectures help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lectures can be used to make classes more approachable and appealing to students.

Proposed Guest Lectures

Sr. No.	Proposed Date	Day	Topic of Lecture	Proposed Guest
1	29 July 2021	Thursday	Application of Data Structure	Dr. Ram Gopal Gupta
2	31 Aug 2021	Tuesday	Future Prospects of DBMS	Dr. Sanjeev Gangwar
3	29 Sep 2021	Wednesday	Emerging trends on IT	Dr. Pratibha Maurya
4	28 Oct 2021	Thursday	IPV4 Vs IPV6	Dr. Durgesh Srivastava
5	30 Nov 2021	Tuesday	Applied mathematics	Shri Srikant Mani Tripathi
6	28 Dec 2021	Tuesday	Computer Architecture	Dr. Sambhu Saran Srivastava

6. Workshop, Seminar, Webinar & Conferences

Seminars, workshops and conferences hold great importance of life of a student. They are platforms not only to learn new aspects, others perspectives and latest information, but also a good way of networking.

There are many benefits which one get from attending these first being confidence then networking, information and motivation.

- As we know that confidence is very important for everyone at each stage of life, which somewhere a science student (who has not taken part in any stage activity or any debate but has a good academic record) lacks as he or she did not have many opportunities to speak in front of audience. So, by attending these types of seminars and conferences and interacting with the leaders of their field or by presenting a poster in conference boosts up the confidence of a student which helps him or her during an interview.
- Networking is an important part of any individual life. In workshops students and teachers from different institutions take part. Meeting new people and making new friends can help the student to take guidance and encourage new way of thinking. If a student wants to continue his or her career in scientific research, then meeting people related to it in conferences can be very beneficial as there are many scientists who attend these conferences.

Proposed Webinar

15th September 2021	National Webinar on Advanced Technology in Information Technology	• Dr. Ram Gopal Gupta • Dr. Sambhu Saran Srivastava

Proposed Seminar

16th December 2021	Two Days National Seminar	• Dr. Pradeep Kumar Singh • Dr. Suryakant Tripathi

Proposed Workshop

22nd November 2021	Seven Days Workshop on Networking and Computer Hardware	Shri Santosh Kumar Srivastava

Proposed Competitions

Competitions offer a chance for participants to gain substantial experience, showcase skills, analyze and evaluate outcomes and uncover personal aptitude. Competitions also encourage students to adopt innovative techniques and develop their ideas and skills.

8th November 2021	Poster Making Competition
29th November 2021	Computer Quiz Competition
6th December 2021	Research Paper Presentation by Students.

Proposed Speakers for Guest Lecture: -

1. Dr. Suryakant Pathak — Director KIPM
2. Dr. Ram Gopal Gupta — Associate Professor Department of CSSMS
3. Dr. Pratibha Maurya — Assistant Professor Amity University LKO Campus, Department of CSE
4. Dr. Sanjeev Gangwar — Head CS & EC, VBS Purvanchal University Jaunpur.
5. Professor Pradeep Kumar Singh — HEAD CSE, MMMTU, Gorakhpur
6. Professor Rakesh Kumar — Department of CS, MMMTU, Gorakhpur

7. Shikshak Pratipushti Prapatra

Objective: -

The main objective of the Shikshak Pratipushti Prapatra is to provide the view of his/her teacher by the students. This is very important tool for the principal and the management to observe the view of the students.

Dept. will take feedback of students on prescribed format twice in a year i.e. in the month of September & January to improve the teaching methodology & to know what are the expectations of the students from the class & college. Last year 100% regular students had filled feedback form.

8. Adopted Students

Each & every faculty of the college adopted five students to look after their academic & personality development of the student. This is an emotional & sentimental relationship is developed just like parents & child. Faculty always in contact with the adopted students, this year we will try to sit together at least once in month with the adopted students in a group. Maximum students participate in the Swaikchik Shramdan & takes part either in N.C.C., N.S.S. or Rover Rangers too.

The department of computer science have to faculties and the list of the students for the same is given below separately: -

1. Shri Sri Nivas Singh

Student Name	Class	Extra Responsibility

Pragya Shahi	BSc.(Ist Year PMCs Group)	Class Representative & NSS
Vandana Prajapati	BSc.(Ist Year PMCs Group)	
Jyoti Shriastava	BSc.(IInd Year PMCs Group)	Class Representative
Chandan Visvkarma	BSc.(IInd Year PMCs Group)	
Avanish Tripathi	BSc.(IInd Year PMCs Group)	

2. **Shri Santosh Kumar Srivastava**

Student Name	Class	Extra Responsibility
Vipul dubey	BSc.(IIIrd Year MCs Group)	NSS
Godi Singh	BSc.(IIIrd Year MCs Group)	
Aayushi Shukla	BSc.(IIIrd Year MCs Group)	
Rahul Yadav	BSc.(IIIrd Year MCs Group)	NSS
Apaksha Sharma	BSc.(IIIrd Year MCs Group)	

All students related to Shri Santosh kumar Srivastava are pass out last year, so this year shri santosh srivastava ji will adopt 5 new students from the college.

9. Adopted village Badi Jamunia visit

The Department of Computer Science, along with teaching in the college, also does the work of social responsibility. The department will go to his adopted village – Badi Jamunia for service work four times in the session 2021-22. In the session 2021-2022, the department will work on the topic of awareness about Kovid-19 in the adopted village - Badi Jamunia.

Beautiful scenes of nature, fresh-air, hospitable people, quiet & peaceful life-all these things are the real beauty of a village. This time Dept. has decided to introduce the students to the villagers with a new perspective. Dept. will visit the village just as a picnic spot where students will not only observe the natural way of life but also will be inspired for the community social works. The department will do village darshan in the session 2021-2022 on the following proposed date.

1. 8th August 2021
2. 24th October 2021
3. 27 February 2022
4. 29 May 2022

All the students of the department support & participate in the visits & camps organized by the dept.

10. Swachik Shramdaan

Dept. & more than 25% students participate in swachik shramdaan to develop the habit of cleanliness & to make Students feel that laborers are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one.

Apart from this shramdaan provides our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness& benefits the body in so many ways.

Though last year due to covid 19 swachik shramdaan was suspended. I hope this year situation will be normal& Dept. will again participate in swachik shramdaan.

11. Teaching Methodology

The Department of Computer Science will use the given below teaching methodology to teach students for the upcoming academic year: -

1. Combining *Chalk Talk* with *PowerPoint* to Increase In-class Student Engagement
2. Group Discussion
3. Problem Solving Sessions, Story Writing

12. Library

The department of computer science always visits & spends time on the regular basis. This will motivate the students to use the college library.
The department of computer science have also its departmental library so that the student of the department can use the library books frequently and easily.

13. Value added Course

"Rashtrasant Mahant Avaidyanath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course"
Rashtrasant MahantAvaidya nath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course is organised by MaharanaPratap P.G. College, Jungle Dhusar for the poor students from nearby villages free of cost on the basis of first come first serve. This course is designed for three-month period so that our students can get knowledge about the basics of the computer.

Objective
Our objective is to serve the knowledge and interest to the poor students who have actually not enough infrastructure and condition to afford the computer classes which is very important for today's era.

Methodology
This course is conducted in the college computer lab. Through this offline method student had got the real environment of the class so that they can take all the practical's directly on the latest computers.

Programmed Outcomes
After this certification course our students well cleared the concept of Basic of computer, Microsoft word, MS paint, Microsoft excel and the basic of internet. After this programme all the students get the course certificate from our college.

14. Faculty Blog Report

The **objective** of the faculty blog is to provide the study material to the students in advance. This will help students a lot because the teacher uploads all the study material in advance before started the academic session.
The Department of Computer Science has uploaded 100% of course content ppt Last year. On the same manner we ensure that we will do the same for the upcoming session.

15. Contribution in other fields

The Computer Science Department faculty contribute in the given below area: -

- Value added computer certification course
- Information Technology
- College Website
- Training and Placement
  Scholarship

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग

विभागीय कार्य योजनाएँ : 2021–22

विभागीय कार्य योजना का उद्देश्य :
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा निर्धारित किये गये लक्ष्यों को एक लिखित एवं क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत करना जिससे कि सत्र की समाप्ति पर इसका विश्लेषण एवं मूल्यांकन किया जा सके और विभाग को और ज्यादा समृद्ध बनाया जा सके।

पाठ्यक्रम योजना :
पूर्व वर्षों की भाँति इस सत्र की पाठ्यक्रम योजना निर्धारित समय के अन्दर तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड करवा दी गयी है जिसमें स्नातक की सभी कक्षाएँ 16 जुलाई से प्रारम्भ होकर 31 जनवरी 2022 तक पूर्ण हो रही हैं। चुँकि कोरोना महामारी के कारण पाठ्यक्रम योजना में परिवर्तन किया गया है जिसमें स्नातक द्वितीय वर्ष की कक्षा 16 जून 2021 से तथा अन्य सभी कक्षायें 12 अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रही है। वेबसाइट पर अपलोड की गयी पाठ्यक्रम योजना उपरोक्त तिथियों से संचालित मानी जायेंगी।

मासिक मूल्यांकन :
मासिक मूल्यांकन का उद्देश्य विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर को परखना और उसमें सुधार करना है। पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रत्येक माह मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा, परन्तु परिस्थितिवश तिथियों में परिवर्तन होने पर मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ भी संचालित पाठ्यक्रम योजना के अनुसार परिवर्तित रहेंगी। मासिक मूल्यांकन के सभी प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के ही प्रश्न होंगे।

मासिक मूल्यांकन की घोषित तिथियाँ

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. / बी.एस–सी. प्रथम	लागू नहीं	24	25	27	29	31	31
बी.ए. / बी.एस–सी. द्वितीय	30	23	23	26	27	30	31
बी.ए. / बी.एस–सी. तृतीय	30	23	23	26	27	30	17

साप्ताहिक कक्षाध्यापन :
साप्ताहिक कक्षाध्यापन का उद्देश्य विद्यार्थियों में विषय की समझ को विकसित करने के साथ–साथ अभिव्यक्ति के गुणों को विकसित करना है। पिछले सत्रों की भाँति इस सत्र में भी साप्ताहिक कक्षाध्यापन निर्धारित किया जा चुका है। इस सत्र में यह प्रयास रहेगा कि लगभग सभी विद्यार्थियों को कक्षाध्यापन का कम से कम दो अवसर अवश्य प्राप्त हो और विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। कक्षाध्यापन से दो या तीन दिन पूर्व कक्षाध्यापन के विषय और विद्यार्थियों के नाम की घोषणा कक्षा में कर दी जायेगी जिससे कि विद्यार्थी उन विषयों को भलीभांति तैयार कर लें। संचालित पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कक्षाध्यापन का कार्य भी संचालित किया जायेगा।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन की घोषित तिथियाँ :

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. / बी.एस–सी. प्रथम	लागू नहीं	7, 16	2, 9, 16	5, 20	11, 20	8, 16, 23	7, 17, 24
बी.ए. / बी.एस–सी. द्वितीय	23	6, 14	1, 8, 15	4, 18	9, 18	7, 15, 22	6, 13, 22
बी.ए. / बी.एस–सी. तृतीय	23	6, 14	1, 8, 15	4, 18	9, 18	7, 15, 22	6

विशिष्ट व्याख्यान :
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की यह परम्परा रही है कि हर सत्र में विशेष तिथियों पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित करता रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय से सम्बन्धित नित नवीन आयामों और तत्कालीन प्रासांगिकता के बारे में अवगत कराना है। पूर्व सत्रों की भाँति इस सत्र में भी विशिष्ट व्याख्यान की तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं।

विशिष्ट व्याख्यान विवरणः

तिथि	विषय	मुख्य अतिथि

(1) 29 सितम्बर 2021	'भारत का सर्जिकल स्ट्राइक'	प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, अध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
(2) 23 अक्टूबर 2021	'संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस'	प्रो. विनोद कुमार सिंह, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
(3) 16 दिसम्बर 2021	विजय दिवस	डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
(4) 22 जनवरी 2022	सेना दिवस	डॉ. करुणेन्द्र सिंह, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर

नोट – कार्यक्रम से सम्बन्धित तिथि, व्याख्याता एवं व्याख्यान शीर्षक सम्भावित हैं। विशेष परिस्थितियों में उपरोक्त कार्यक्रम में परिवर्तन किये जा सकते हैं।

विभागीय प्रदर्शनी/रक्षा प्रदर्शनी :

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग प्रत्येक सत्र में एक रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन करता रहा है। इस सत्र में भी 10 जनवरी 2022 को रक्षा प्रदर्शनी की तिथि निर्धारित की गयी है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में विभिन्न रक्षा उपकरणों के विषय में विशेष जानकारी एवं उसके निर्माण कला में रुचि विकसित करना होता है। इस प्रदर्शनी में अतिथियों को भी आवंटित किया जाता है जिनके निर्णय के अनुसार श्रेष्ठ प्रदर्शन वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिया जाता है।

स्व–मूल्यांकन प्रपत्र :

महाविद्यालय की महत्त्वपूर्ण योजनाओं में स्व–मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण योजना है जिसमें शिक्षक प्रतिमाह अपने कार्यों का मूल्यांकन स्वयं करते हैं। पिछले सत्र से स्व–मूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन भरा जा रहा है। वर्तमान सत्र में इस हर अगले माह की 10 तारीख के पूर्व विभाग के शिक्षकों द्वारा भर दिया जायेगा। सत्र के अन्त में इसकी प्रति विभाग में रख ली जायेगी।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र :

शिक्षकों को अपने शिक्षण विधि, विषय ज्ञान, सामाजिक व्यवहार, आचरण आदि के उत्तरोत्तर विकास एवं सुधार के लिए प्रत्येक सत्र में दो बार सितम्बर और दिसम्बर में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जाता है। इन प्रपत्रों के विश्लेषण के आधार पर शिक्षक अपने में बदलाव लाने का प्रयास करते हैं। प्रत्येक सत्र की भाँति इस सत्र में भी शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जाना विभागीय कार्ययोजना का एक हिस्सा है जिसे पूरा किया जायेगा। और इसका विश्लेषण कर शिक्षकों के उत्तरोत्तर विकास पर ध्यान दिया जायेगा।

पठन–पाठन, तकनीकी प्रयोग एवं ब्लॉग :

महाविद्यालय एवं विभाग अपने नवीन तकनीकी प्रयोगों के लिए जाना जाता है। इस सत्र में विभाग ने सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इस सत्र में विभाग द्वारा समस्त कक्षाएँ प्रोजेक्टर पर चलाये जाने की योजना है। साथ ही समय–समय पर विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए व्हाट्सएप तथा अन्य माध्यमों का प्रयोग भी किया जायेगा। इस सत्र में प्रयास रहेगा कि पठन–पाठन की आधुनिक, व्यावहारिक एवं प्रभावकारी तकनीकों और पद्धतियों को अधिक से अधिक प्रयोग में लाने का प्रयास किया जायेगा।

प्रयोगशाला नियमावली :

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की प्रयोगशाला नियमावली निर्धारित की गयी है जिसके तहत विद्यार्थियों को प्रयोगशाला में अपना प्रायोगिक कार्य प्रारम्भ करने से पहले इस नियमावली से अवगत कराया जाता है ताकि कोई दुर्घटना न हो सके। इस सत्र में भी प्रयोगशाला नियमावली अद्यतन कर दी गयी है। फिर भी किसी नवीन उपकरण के प्रयोग होने पर इस नियमावली को अद्यतन किया जायेगा।

गोद लिये गये विद्यार्थी :

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा कम से कम 05 विद्यार्थियों को गोद लेने की परम्परा रही है। प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विद्यार्थियों को गोद लिया जायेगा। गोद लिये जाने का कार्य अगस्त माह में पूरा कर लिया जायेगा। गोद लिये गये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए उनके साथ नियमित संवाद किया जायेगा और उनको सभी प्रकार के सम्भव सहायता उपलब्ध करवाये जायेंगे जिससे कि उनका सम्पूर्ण विकास सम्भव हो सके। विभाग के शिक्षक श्री रमाकान्त दूबे द्वारा गोद लिये गये सभी विद्यार्थी गत सत्र में उत्तीर्ण हो चुके है इसलिए उनके द्वारा नये विद्यार्थियों को गोद लिया जायेगा। डॉ. अभिषेक सिंह द्वारा गोद लिये गये विद्यार्थियों की सूची की निम्न लिखित है :–

नाम	कक्षा	मोबाइल नं0
आदित्य वर्मा	बी.एस–सी. भाग तीन	9616973686
विकास गुप्ता	बी.एस–सी. भाग तीन	9919514755
सत्यम गुप्ता	बी.एस–सी. भाग दो	8474841589
धनन्जय यादव	बी.एस–सी. भाग दो	8840874258
वीर प्रताप सिंह	बी.एस–सी. भाग दो	8303667318

गोद लिये गये गाँव :

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा महाविद्यालय से लगभग 3 किमी. दूरी पर लालगंज एवं मीरगंज गाँव को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लेने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जन–जागरूकता कार्यक्रम को संचालित करना एवं सरकारी योजनाओं को ग्रामीण लोगों तक सुलभ बनाना है। इस वर्ष गोद लिये गये गाँवों में विद्यार्थियों के भ्रमण एवं जागरूकता के लिए चार तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं। रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा 08 अगस्त 2021, 24 अक्टूबर 2021, 27 फरवरी 2022 और 29 मई 2022 की तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं। विशेष परिस्थितियों में इन तिथियों में परिवर्तन भी किया जा सकता है। जागरूकता का विषय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुसार निर्धारित किया जायेगा।

विभागीय पुस्तकालय :

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में एक विभागीय पुस्तकालय की व्यवस्था की गयी है जिसमें विषय से सम्बन्धित सन्दर्भ–ग्रन्थों का संग्रह है। विभाग से विद्यार्थियों को केवल विभाग में बैठकर पढने के लिये पुस्तकें दी जाती हैं। विभागीय पुस्तकालय का अधिकतर प्रयोग शिक्षकों द्वारा किया जाता है। इसके अलावा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिये महाविद्यालय का केन्द्रीय ग्रन्थालय का प्रयोग नियमित रूप से किया जाता है।

आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र कार्यक्रम :

वर्तमान सत्र में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन विषय से प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं मानव निर्मित विभिन्न प्रकार की आपदाओं के विषय में विशिष्ट जानकारी प्रदान करना एवं उससे निपटने के लिये उन्हे शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले इनके प्रभावों का भी विश्लेषण करना है। इस प्रमाणपत्र कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है और इसे महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जा चुका है। इसकी कक्षायें 22 अगस्त 2021 से लेकर 29 जनवरी 2022 तक संचालित की जायेंगी। कक्षा संचालन के बाद विद्यार्थियों की परीक्षा ली जायेगी जिसके परिणाम के आधार पर उन्हे प्रमाणपत्र वितरित किया जायेगा।

एन.सी.सी :

महाविद्यालय में विगत वर्षो से संचालित एन.सी.सी. का प्रभार विभाग के शिक्षक श्री रमाकान्त दूबे को सौंपा गया। चुंकि एन.सी.सी के अधिकतर कार्यक्रम एन.सी.सी. कार्यालय के निर्देशानुसार सुनिश्चित एवं आयोजित किये जाते है फिर भी महाविद्यालय के कार्यक्रमों में एन.सी.सी. की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की गयी है जिसका विस्तृत विवरण एन.सी.सी. प्रभारी के पास उपलब्ध है।

राष्ट्रीय सेवा योजना :

पिछले सत्र से राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी का प्रभार विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह को दिया गया है। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण तैयार किया जा चुका है और इसे महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जा चुका है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों से सम्बन्धित निर्देश व सुझाव भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और विश्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर दिये जाते रहते हैं इस लिये निर्धारित कार्यक्रमों के साथ–साथ नये कार्यक्रमों को भी शामिल किया जायेगा।

गृह विज्ञान विभाग

A-विभागीय योजना

1. **पाठ्यक्रम योजना :** सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्य योजना को अद्यतन उद्धरित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि पठन–पाठन का कार्य नियमित व सुचारू रूप से महाविद्यालय के शैक्षणिक पंचाग में निर्धारित दिवस के अनुरूप पूर्ण किया जा सके।

2. **कक्षा अध्यापन :** एक सप्ताह में पढ़ाये गये विषयवस्तु से सम्बन्धित किसी एक प्रकरण पर छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है, जिससे छात्राओं के मौखिक अभिव्यक्ति, चिन्तनशीलता, संवाद कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का सतत विकास होता है।

3. **मासिक मूल्यांकन :** छात्राओं में वांछित व्यवहारगत परिवर्तन को जानने हेतु प्रत्येक माह में पढ़ाये गये विषय–वस्तु से सम्बन्धित संरचनात्मक मूल्यांकन का प्रारूप तैयार किया जाता है। जिसमें बहुविकल्पीय एवं निबन्धात्मक प्रश्नों द्वारा छात्राओं के उपलब्धि एवं योग्यता का परिणात्मक आंकलन किया जाता है।

4. **प्रगति आख्या :** प्रगति आख्या में कक्षा के प्रत्येक छात्रा के कक्षागत गतिविधियों एवं आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इसमें छात्राओं के गुण, योग्यता एवं विशेषता के परिमाणात्मक तथा गुणात्मक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त होती है।

5. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र :** इस प्रपत्र में शिक्षक द्वारा तैयार की गई योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, वांछनीय दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। यह प्रपत्र प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह के 08 तारीख तक स्वयं भरकर जमा करना होता है।

6. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र :** यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तिव एवं पठन–पाठन में निरन्तर सुधार से सम्बन्धित है जो छात्राओं द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में अपनी प्रतिपुष्टि के रूप में दर्ज करायी जाती है। सत्र के अन्त में दोनों माह की प्रतिपुष्टियों की विभागाध्यक्ष द्वारा समीक्षा की जाती है।

7. **स्वैच्छिक श्रमदान :** महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह के शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान करने का भी प्रकल्प है। जिसके अन्तर्गत छात्राओं एवं शिक्षिको द्वारा सहभाग किया जाता है ताकि महाविद्यालय से कार्य करने वाले चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों, शिक्षकों एवं प्राचार्य के मध्य समानता का भाव उत्पन्न हो सके।

8. **साप्ताहिक शिक्षक बैठक :** विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक शनिवार को पठन–पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ, शिक्षण व्यूह रचना आदि विषयों की समीक्षा कर आगत सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु साप्ताहिक बैठक होता है।

9. **पूर्व विश्वविद्यालय परीक्षा प्रश्न पत्र :** विभागीय स्तर पर सम्भावित प्रश्न पत्र तैयार कर छात्राओं को विश्वविद्यालय परीक्षा के लिए तैयार करना तथा उनके अधिगम कठिनाइयों एवं कमियों को इंगित करके सुधार लाना।

10. **निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण :** योगिराज बाबा गम्भीनाथ निःशुल्क सिलाई कढाई प्रशिक्षण केन्द्र वर्तमान में गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालित है। इस निरौपचारिक शिक्षा का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार सृजन के अवसर प्रदान करना है। इसके अन्तर्गत ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग का 06 माह तक निःशुल्क प्रशिक्षण–दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त फरवरी माह में लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

11. **गोद लिया गया गाँव :** गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'नवका टोला' गाँव अधिगृहित किया गया है जो कि छोटी रेतवईयाँ धोधडा गाँव के समीप है। छात्राएँ तथा शिक्षिकाएँ साथ में निर्धारित तिथि एवं समय पर गाँव में जाकर वहाँ के लोगों से वार्तालाप करके उनकी समस्याओं, को जानना का प्रयास करती हैं, जिससे छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके।

12. **गोद लिये गये विद्यार्थी :** महाविद्यालय की परम्परा अनुसार प्रत्येक शिक्षक महाविद्यालय के पाँच विद्यार्थियों को गोद लेते हैं और उनके व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान व सहयोग देते है।

13. **नैक :** नैक एक संस्थान है जो भारत के उच्च शिक्षा तथा अन्य शिक्षा संस्थानों का आंकलन तथा प्रत्यायन का कार्य करती है जिसके अन्तर्गत हमारे महाविद्यालय में विभिनन प्रकार की शैक्षणिक एवं कौशल सम्बन्धी गतिविधियों को संचालित करके गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाता है एवं महाविद्यालय के नैक प्रभारी द्वारा समय–समय पर मांगे गए प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराया जाता है।

14. **एन.एस.एस. एवं एन.सी..सी :** महाविद्यालय में एन.एस.एस, एन.सी.सी. जैसे प्रकल्पों का भी प्रावधान है जिसके तहत विभाग की लगभग 10 छात्राएँ एन.एस.एस. में तथा 5–6 छात्राएँ एन.सी.सी. में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। विभाग द्वारा छात्राओं को अधिक से अधिक इन प्रकल्पों में प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है और आगे भी निरन्तर रूप से किया जाता रहेगा।

गोद लिये गये विद्यार्थी

1. **शारदा रानी :**	कीर्ति रानी वर्मा	(एम.ए. प्रथम वर्ष)
	कृति गौंड	(बी.ए भाग दो)
	निशा कुमारी	(बी.ए भाग दो)
	कु. नेहा	(एम.ए. प्रथम वर्ष)
	प्रभा सिंह	(बी.ए भाग दो)

2. सुश्री स्मिता दूबे :

	अस्मिता सिंह	(बी.ए. भाग तीन)
	पारूल सिंह	(बी.ए. भाग एक)
	गरिमा त्रिपाठी	(बी.ए. भाग तीन)
	बेबी गुप्ता	(एम.ए. अन्तिम वर्ष)
	चन्दा गुप्ता	(एम.ए. प्रथम वर्ष)

3. सुश्री रीतिका त्रिपाठी :

	अम्बिका सिंह	(एम.ए. प्रथम वर्ष)
	निशा विश्वकर्मा	(बी.ए. भाग एक)
	आकांक्षा चौहान	(बी.ए. भाग एक)
	स्मिता सिंह	(बी.ए. भाग एक)
	सल्लिमु निशा	(बी.ए. भाग एक)

4. डॉ. नेहा कौशिक :

	मनीषा वर्मा	(बी.ए. भाग तीन)
	कु. नेहा	(बी.ए. भाग एक)
	दीक्षा मिश्रा	(एम.ए. प्रथम वर्ष)
	दिव्या गुप्ता	(बी.ए. भाग एक)
	अंकिता दूबे	(बी.ए. भाग एक)

5. डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव :

	रूबी भारती	(बी.ए. भाग दो)
	दीपशिखा सिंह	(बी.ए. भाग दो)
	शालू सिंह	(एम.ए. प्रथम वर्ष)
	रागिनी पाल	(बी.ए. भाग तीन)
	पूजा चौहान	(एम.ए. अन्तिम वर्ष)

15. **विभागीय पुस्तकालय :** छात्राओं की तत्कालिक पुस्तकीय समस्याओं के समाधान हेतु विभागीय पुस्तकालय का भी प्रकल्प है, जिसके अन्तर्गत गृह विज्ञान विषय के पाँचों शाखाओं की कुल 15 पुस्तके हैं। इसके अतिरिक्त नेट/जे.आर.एफ तथा टीईटी/सीटीईटी जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित करने व तैयारी हेतु भी पुस्तिकाओं की व्यवस्था है।

16. **विभागीय कार्यभार :** विभागीय कार्यो को नियमित व सुचारू रूप से चलाने के लिए इस सत्र में विभाग की सभी शिक्षिकाओं को बराबर कार्यभार वितरित किया गया है जिससे कि शिक्षण–प्रशिक्षण एवं अन्य कार्यक्रमों में गुणवत्ता की कमी न आये। इस विभागीय कार्यभार की प्रणाली को आगे भी उतरोत्तर उद्धित किया जाता रहेगा।

17. **प्रयोगशाला सहायिका :** गृह विज्ञान प्रयोगशाला की उचित देखभाल व सुचारू कार्य संचालन के लिए लैब सहायिका का भी प्रावधान है। जिनका मुख्य कार्य लैब सम्बन्धित सामग्रियों, सफाई और व्यवस्था की देख–रेख करना है।

B-शिक्षण–विधियाँ

शिक्षण–विधि	सत्र 2021–22 में प्रस्तावित लक्ष्य	पिछली योजना सत्र (2020–21) की समीक्षा
1. रीयल टाइम कम्युनिकेशन	इस विधि मेंई–लर्निंग प्लेटफॉर्म पर वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से जीवन्त कक्षा संचालन एवं छात्राओं से संवाद स्थापित किया जाता है। दि. 16.07.21 को दि. 21.08.21 को दि. 18.09.21 को दि. 04.10.21 को दि. 26.11.21 को	इस सत्र में नहीं हुआ।

2. पॉवर प्वाइण्ट प्रस्तुतीकरण	इस विधि में प्रोजेक्टर विधि द्वारा पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरणों पर तैयार पी.पी.टी. का प्रस्तुतीकरण कर शिक्षक द्वारा व्याख्यान की जायेगी। इस मात्र में 60 प्रतिशत से अधिक पी.पी.टी. ब्लाग पर अपलोड करने के प्रयास किया जायेगा।	
3. व्याख्यान विधि	विगत सत्रों की भाँति शिक्षक विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, क्रमिक एवं तार्किक रूप से विषय–वस्तु का प्रकटन करने हेतु व्याख्यान विधि का प्रयोग करेंगे।	....
4. योजना या प्रोजेक्ट विधि	इस विधि के तहत प्रत्येक छात्रा को प्रत्येक विषय का टॉपिक दिया जायेगा, जिस पर वह स्वयं हल निकालकर असाइनमेण्ट बनायेंगी, जिससे उनकी समस्या समाधान की तात्कालिक कौशल का विकास होगा।	....
5. सहभागी विधि कक्षा शिक्षण के दौरान	शिक्षिकाएँ छात्राओं की पूर्ण सक्रिय सहभागिता कराकर शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली व उद्देश्यपूर्ण बनायेंगी।	....
6. समावेशी शिक्षा	कक्षा में शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि विशिष्ट जरूरतों वाली छात्राओं को ध्यान में रखते हुए उन्हे मुख्य धारा से जोड़ने का सम्भावित प्रयास किया जाता है।	
7. प्रदर्शन विधि	गृहविज्ञान एक व्यावहारिक विषय है जिसे केवल व्याख्यान विधि द्वारा पढ़ाना पर्याप्त नहीं है। अतः प्रदर्शन विधि द्वारा किसी संरचना, कार्य, प्रणाली, तथ्य, प्रक्रिया विधि को स्पष्ट किया जाता है जिससे छात्राएं निरिक्षण परीक्षण, अनुकरण आदि द्वारा जटिल प्रक्रिया का सरलता से बोध करती है।	
8. करके सीखना	स्मृति का स्थान मस्तिष्क में नहीं वरन् शरीर के अवयवों में होता है। अतः गृह विज्ञान शिक्षण में छात्राओं को विभिन्न कार्यो को प्रत्यक्ष रूप से सीखने का अवसर प्रदान किया जाता है।	
9. अन्वेषण / शोध विधि	एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्राओं में अन्वेषण एवं शोध की भावना के विकास हेतु उनके समक्ष एक समस्या प्रकट की जाती हैं। जिसके समाधान हेतु उनमें प्रेक्षण, चिंतन, तार्किकता की क्षमता का विकास होता है। इसमें शिक्षक की भूमिका मार्गदर्शक की तरह होती है।	
10. शैक्षिक भ्रमण	बी.ए. अन्तिम वर्ष एवं एम.ए. की छात्राओं को पाठ्यक्रम सम्बन्धित स्थल पर भ्रमण कर वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर दिया जाता है। यह छात्राओं के लिए रोचक गतिविधियों में से एक है।	
11. ग्रामीण भ्रमण	छात्राओं को ग्रामीण परिवेश के जीवन शैली, मनोवृत्ति, रोजगार, चुनौतियां, अवसर आदि पर विचार, चिंतन, मनन करने का अवसर दिया जाता है।	

C-कार्यशाला एवं व्याख्यान

सितम्बर 2021

दिनांक	दिवस	समय	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता / अतिथि
01.09.2021	बुधवार	01:20 – 02:10	सप्तदिवसीय पोषण सप्ताह प्रारम्भ	....
02.09.2021	गुरुवार	12:30 – 01:20	विशिष्ट व्याख्यान – एनीमियामुक्त भारत	डॉ. अनुपमा कौशिक (असि. प्रो.दी.द.उ. गो.वि.वि. गोरखपुर)
03.09.2021	शुक्रवार	03:00 – 03:50	फूड विदाउट फायर प्रतियोगिता	....
04.09.2021	शनिवार	03:00 – 03:50	विशिष्ट व्याख्यान – कुपोषणमुक्त भारत	डॉ. अर्चना तिवारी (विभागाध्यक्ष, गृहविज्ञान विभाग, गंगोत्री देवी महिला पी.जी. कालेज)
06.09.2021	सोमवार	03:00 – 03:50	व्याख्यान – गृहविज्ञान विषय में आहार एवं पोषण का महत्त्व	डायटीशियन दिविता चतुर्वेदी (मैक्स हास्पिटल, दिल्ली)
07.09.2021	मंगलवार	03:00 – 03:50	सप्तदिवसीय पोषण सप्ताह का समापन	
22.09.2021	बुधवार	12:30 – 02:10	विशिष्ट व्याख्यान – प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु छात्रों में शारीरिक व मानसिक समायोजन तथा मार्गदर्शन	श्री रूपेश चन्द्रिका (डायरेक्टर, प्लैटिनम क्लासेस, सिविल लाइन्स, गोरखपुर)

अक्टूबर 2021

दिनांक	दिवस	समय	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता / अतिथि

09.10.2021	शनिवार	12:30 – 02:10	विशिष्ट व्याख्यान – मेडिकल टेक्सटाइल	डॉ. नीता (असि. प्रो.दी.द.उ.गो.वि.वि. गोरखपुर) / डॉ. श्वेता सिंह महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर
18.10.2021	सोमवार	02:10 – 04:00	शैक्षिक भ्रमण	....
28.10.2021	गुरुवार	12:30 – 01:20	शोध–व्याख्यान प्रतियोगिता	....

नवम्बर 2021

दिनांक	दिवस	समय	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता / अतिथि
16.11.2021 से 22.11.2021	मंगलवार सोमवार	02:10 – 04:00	खाद्यान्न संरक्षण पर सातदिवसीय कार्यशाला	....
20.11.2021	गुरुवार	12:30 – 01:20	इण्डोर प्लाण्टिंग डेकोरेशन	....

दिसम्बर 2021

दिनांक	दिवस	समय	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता / अतिथि
01.12.2021	बुधवार	12:30 – 01:20	शोध व्याख्यान प्रतियोगिता	....
14.12.2021	मंगलवार	01:20 – 03:50	विशिष्ट व्याख्यान – आन्तरिक गृहसज्जा में रोजगार के अवसर	डॉ. नीलम वैश्य (असि. प्रो., महाराणा प्रताप महिला स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर)
24.12.2021	शुक्रवार	12:30 – 02:10	विशिष्ट व्याख्यान – महामारी में प्रसार कार्यकर्ता की भूमिका	सुश्री पूजा गुप्ता (असि. प्रो., चन्द्रकान्ति रमावती देवी आर्य महिला पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर)
31.12.2021	शुक्रवार	12:00 – 03:00	शैक्षिक प्रदर्शनी	डॉ. नीलम वैश्य (असि. प्रो., महाराणा प्रताप महिला स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर) तथा डॉ. सोनी भट्ट (असि. प्रो., महाराणा प्रताप महिला स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर)

जनवरी 2022

दिनांक	दिवस	समय	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता / अतिथि
12.01.2022	बुधवार	01:20 – 03:50	युवाओं में सोशल मीडिया के प्रयोग का हानिकारक प्रभाव (पपेट–शो)	....
17.01.2022	सोमवार	02:10 – 04:00	ग्रामीण भ्रमण	....
28.01.2022	शुक्रवार	11:00 – 03:00	भारत के परम्परागत तथा पुनर्निर्मित वस्त्रों की प्रदर्शनी	....

फरवरी 2022

दिनांक	दिवस	समय	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता / अतिथि
05.02.2022	रविवार	11:00 – 03:00	पाक कला महोत्सव	डॉ. अनुपमा कौशिक

मार्च 2022

दिनांक	दिवस	समय	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता / अतिथि
07.03.2022	सोमवार	02:10 – 03:50	रंगोली तथा मेहंदी प्रतियोगिता	....
08.03.2022	मंगलवार	12:30–02:10	वाद–विवाद प्रतियोगिता	....

- ब्यूटीशियन एण्ड सेल्पफ केयर सर्टिपिफकेट कोर्स – 1 माह
- आर्ट एण्ड क्रॉफ्ट सर्टिपिफकेट कोर्स – 2 माह
- प्रदर्शनी

D-कक्षाध्यापन की तिथियाँ

	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. (प्रथम)		7,16	2,19,16	5,20	11,20	8,16,23	7,17

बी.ए. (द्वितीय)	23,30	6,14	1,8,15	4,18	9,18	7,15,22	6,13
बी.ए. (तृतीय)	23,30	6,14	1,8,15	4,18	9,18	7,16,22	6,13,22
एम.ए. (प्रथम)		7,16	2,19,16	5,20	11,20	8,16,23	5,12,21
एम.ए. (द्वितीय)	24,31	7,16	3,13,22	9,21	17	14,21,29	12,20

E-मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ

	जुलाई	**अगस्त**	**सितम्बर**	**अक्टूबर**	**नवम्बर**	**दिसम्बर**	**जनवरी**
बी.ए. (प्रथम)		24	25	27	29	24	
बी.ए. (द्वितीय)		23	23	26	27	30	22
बी.ए. (तृतीय)	23	23	23	26	27	30	31
एम.ए. (प्रथम)		24	25	27	29	30	31
एम.ए. (द्वितीय)		25	30		8	3	5,29

नोट – विशिष्ट परिस्थितियों में उपरोक्त कार्यक्रमों की तिथि, समय एवं अतिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग

उद्देश्य :

इतिहास का सम्बन्ध समय से है और समय शाश्वत सत्य है। विभाग का उद्देश्य अपने विभागीय विद्यार्थियों को कल, आज और सम्भावित कल की संस्कृति, सभ्यता, परम्परा, ज्ञान–विज्ञान, लोक कला के साथ–साथ तत्कालीन स्थितियों–परिस्थितियों आदि का शिक्षण व ज्ञान देकर वर्तमान की प्रगतिशीलता और समय की सातत्य डोर से उन्हें बाँधे रखना है।

विभागीय योजनाएँ : 2021–22

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षा संचालन :

नियोजित रूप से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में पाठ्यक्रम योजना प्रत्येक विभागों द्वारा बनायी जाती है। इस पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम को कार्यदिवसों के अनुरूप बाँट दिया जाता है। सत्र के प्रथम तीन महीनें 3+2+1 की योजना पर अर्थात 03 दिन एक प्रश्नपत्र, 02 दिन दूसरा प्रश्नपत्र तथा 01 दिन कक्षाध्यापन/मासिक मूल्यांकन कक्षा का संचालन होता है। अगले तीन महीनें 2+3+1 की योजना के अनुरूप कक्षा संचालित होती है। पाठ्यक्रम योजना में विभाग के किस कार्यदिवस में किस शिक्षक को कौन सा टापिक पढ़ाना है, यह पूर्ण निर्धारित रहता है इस प्रकार पाठ्यक्रम योजना बनाने का उद्देश्य स्पष्ट तौर पर सत्र भर **पूर्व योजना–पूर्ण योजना** के सिद्धान्त पर अनुशासित रूप से कक्षाओं का संचालन करना है। प्रतिवर्ष की ही भांति विभाग द्वारा इस सत्र (2021–22) की पाठ्यक्रम योजना मई माह में ही बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इस सत्र में **बी.ए. भाग दो की कक्षा विभाग द्वारा 16 जून** से ही प्रारम्भ कर दी गई है। **11 अगस्त से बी.ए. भाग एक एवं भाग तीन** की कक्षाएं प्रारम्भ हो जायेगी। विभागीय पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध होने के साथ–साथ विभाग के विद्यार्थियों को भी कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से दी जा चुकी है।

कक्षाध्यापन : (उद्देश्य)

विद्यार्थियों में सम्प्रेषण क्षमता तथा अभिव्यक्ति कौशल के विकास के उद्देश्य से विभाग द्वारा सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों द्वारा कक्षा का संचालन कराया जाता है, जिसे हम महाविद्यालय प्रशासन की भाषा में विद्यार्थी कक्षाध्यापन कहते है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षक प्रत्येक कक्षा में उपस्थित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के बढ़ते क्रम में 05/10 विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें कक्षाध्यापन का शीर्षक स्वेच्छा से चुनने को कहता है। विद्यार्थी शीर्षक न चुन सके तो शिक्षक शीर्षक देता है।

तत्पश्चात समय की उपलब्धता के आधार पर उनका व्याख्यान शीर्षक प्रस्तुतिकरण योग्य तैयार करवाता है तथा स्वयं 05 दिन कक्षा में पढ़ाने के उपरान्त छठवे दिन निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराता है। कक्षाध्यापन के दौरान शिक्षक प्रस्तुतीकरण देने वाले विद्यार्थी का विश्लेषण कर उसे ग्रेड देता है तथा अपने प्रगति आख्या में उक्त विद्यार्थी के खाते में कक्षाध्यापन दर्ज कर लेता है। साथ ही साथ विद्यार्थी के कक्षाध्यापन के कमजोर पक्षों को मजबूत बनाने हेतु दिशा–निर्देश भी देता है इस सत्र में प्रस्तावित कक्षााध्यापन की तिथियाँ अग्रलिखित है।

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए . प्रथम	लागू नहीं	6, 14	1, 8, 15	4, 18	9, 18	7, 15, 22	6, 13, 22
बी.ए. द्वितीय	22, 29	5, 11, 21	7, 14	1, 11	8, 17	3, 14, 21	5, 12, 21
बी.ए. तृतीय	22, 29	5, 11, 21	7, 14	1, 11	8, 17	3, 14, 21	5, 11, 21

मासिक मूल्यांकन :

प्रत्येक मास के अन्त में विद्यार्थियों की विषय–ग्राह्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रत्येक कक्षा में मासिक मूल्यांकन निर्धारित प्रश्न–पत्रों/प्रारूपों के आधार पर किया जायेगा। मासिक मूल्यांकन के प्रश्न–पत्र उसी माह में पढ़ाये गये विषय–वस्तुओं के आधार पर ही निर्मित होंगे। अगस्त से जनवरी माह तक पूछे गए मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जाऐंगे। इस सत्र में प्रस्तावित मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ अग्रलिखित हैं–

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए . प्रथम	लागू नहीं	23	23	26	27	30	30
बी.ए. द्वितीय	लागू नहीं	31	22	23	25	29	30
बी.ए. तृतीय	लागू नहीं	31	22	25	26	29	31

प्रगति आख्या :

प्राचीन इतिहास विषय की प्रत्येक कक्षा में पढ़ रहे समस्त विद्यार्थियों की कक्षा में कुल उपस्थिति, उनका आचरण–व्यवहार, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन में उनका प्रदर्शन इत्यादि का विवरण प्रत्येक माह, माह के अन्त में आनलाइन प्रगति आख्या में संकलित किया जायेगा। सत्र के अन्त में इसका विश्लेषणात्मक अध्ययन भी किया जाएगा।

स्व–मूल्यांकन प्रपत्र :

विभागीय शिक्षक द्वारा प्रतिमाह आनलाइन शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग के अन्तर्गत अपलोड कर दिया जाएगा। जिसका एक प्रिंट आउट शिक्षक अपने पास भी विभाग में रखेगा। इस शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र में शिक्षक अपनी गत मास की मासिक गतिविधियों यथा– किस कक्षा में कितना व्याख्यान पढ़ाये, कितने कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन कराए, कितने दिन महाविद्यालय विलम्ब से आये, कितने दिन महाविद्यालय से समय से पूर्व चले गये, दिये गये उत्तदायित्वों का निर्वहन कैसे किया, महाविद्यालय के योजनाओं एवं कार्यक्रमों में कैसे सहभाग किया, इत्यादि का विवरण दर्ज होगा। सत्र के अन्त में शिक्षक द्वारा इस स्वमूल्यांकन प्रपत्र का विश्लेषण कर आने वाले सत्र में परिलक्षित कमियों, दोषों का निवारण भी किया जायेगा।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र :

इस प्रपत्र के माध्यम से शिक्षक अपने व्यवहार, आचरण, शिक्षण विधि, विषय ज्ञान एवं सम्प्रेषण कौशल का मूल्यांकन विद्यार्थियों द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में कराता है। वर्तमान सत्र में भी यदि परिस्थितियाँ अनुकूल रहीं तो सितम्बर एवं दिसम्बर माह में यह प्रपत्र भरवाया जायेगा। साथ ही प्रपत्र में प्राप्त नकारात्मक बिन्दुओं पर आत्मचिन्तन एवं आत्मविश्लेषण कर भविष्य में उसे सुधारने का प्रयास किया जायेगा।

स्वैच्छिक श्रमदान :

महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान प्रकल्प में विभाग द्वारा विगत सत्रों में भी सक्रिय सहभाग किया जाता रहा है। इस सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में विभाग अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित यथासम्भव सम्मिलित रहेगा।

शिक्षण विधियाँ

पाठ्य विषय को ग्राह्य एवं रुचिकर बनाने के उद्देश्य से कक्षाओं में विविध शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग किया जायेगा। कुछ प्रमुख प्रविधियाँ निम्नवत् हैंः

1. **व्याख्यान विधि द्वारा शिक्षण**
2. **प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा शिक्षण**
3. **समूह परिचर्चा विधि द्वारा शिक्षण**
4. **पॉवर–प्वाइण्ट विधि द्वारा शिक्षण**
5. **प्रोजेक्टर के प्रयोग द्वारा शिक्षण**
6. **मानचित्रों द्वारा शिक्षण**
7. **वंशावली चार्टों द्वारा शिक्षण**
8. **ऑडियो–वीडियो (दृश्य–श्रव्य) विधि द्वारा शिक्षण**
9. **प्रदर्शन विधि द्वारा (मुद्रा प्रदर्शन बोर्ड) शिक्षण**
10. **शैक्षिक भ्रमण विधि द्वारा शिक्षण**

उपर्युक्त शिक्षण विधियाँ विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ–साथ उनमें तार्किकता के सृजन, चिन्तन, बौद्धिकता, विषयग्राह्यता और तकनीकी कुशलता को विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगी। इस सत्र में भी विगत वर्ष की ही भांति विभाग द्वारा सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम योजनानुसार समस्त प्रश्नपत्रों का पी.पी.टी. बनाकर सभी कक्षाओं को प्रोजेक्टर से पढ़ाने की योजना है।

विभागीय कार्यक्रम

विगत सत्रों की ही भाँति इस सत्र में भी विभाग द्वारा विभाग एवं महाविद्यालय स्तर पर कुछ कार्यक्रम कराने की योजना है। इनमें से कुछ कार्यक्रम परम्परागत स्वरूप पर होंगे, जबकि कुछ नवीन प्रयोगों पर आधारित। विभाग द्वारा इस सत्र में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की सम्भावित सूची निम्नवत् है।

1. विशिष्ट व्याख्यान/अतिथि व्याख्यान :

इस सत्र में विभाग द्वारा तीन विशिष्ट/अतिथि व्याख्यान कराये जाने की योजना है जिसकी तिथियाँ और व्याख्याता अग्रलिखित हैं

तिथि	व्याख्याता	व्याख्यान शीर्षक
09 अगस्त 2021	प्रो. राजवन्त राव	सभ्यताओं के उद्भव एवं विकास की प्रक्रिया
09 अक्टूबर 2021	प्रो. विपुला दुबे	हमारे महाकाव्य एवं उनकी शिक्षाएँ
05 जनवरी 2022	डॉ. रामप्यारे मिश्र	भगवद्गीता की शिक्षाओं का व्यावहारिक अनुप्रयोग

नोट : कार्यक्रम से सम्बन्धित तिथि, व्याख्याता एवं व्याख्यान शीर्षक सम्भावित है। विषम परिस्थितियों में इनमें परिवर्तन सम्भव है।

2. व्याख्यान प्रतियोगिता :

विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति क्षमता एवं सम्प्रेषण कौशल के विकास हेतु एक विभाग स्तरीय व्याख्यान प्रतियोगिता के आयोजन की भी योजना है। यह प्रतियोगिता **29 नवम्बर 2021** को प्रस्तावित है। **समय एवं परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए इस आयोजन की तिथि एवं प्रारूप में भी परिवर्तन सम्भव है।**

3. दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी :

आगामी 04 एवं 05 सितम्बर 2021 को **'भारत का स्वातन्त्र्य समर : गोरखपुर परिक्षेत्र के विशेष सन्दर्भ में'** विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। इस हेतु पूर्व में ही एक प्रस्ताव बनाकर **भारतीय इतिहास अनुसन्धान**

परिषद् (ICHR) को भेजा जा चुका था, जहाँ से **3,50,000/– (तीन लाख पचास हजार)** के **आर्थिक अनुदान** के साथ संगोष्ठी के आयोजन की संस्तुति प्राप्त हो चुकी है। यदि परिस्थितियाँ अनुकूल रहीं तो इस संगोष्ठी का आयोजन उक्त तिथियों में ही धूम–धाम से किया जायेगा, **अन्यथा समय एवं परिस्थितियों के अनुकूल न होने की स्थिति में इसके आयोजन तिथि में भी परिवर्तन सम्भव है।**

4. सप्तदिवसीय कार्यशाला :

विभाग द्वारा **'ब्राह्मी लिपि के व्यावहारिक अनुप्रयोग'** विषयक एक सप्तदिवसीय कार्यशाला के आयोजन की भी योजना है। इस कार्यशाला में विभाग के विद्यार्थियों सहित अन्य विषयों के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य लोगों को समाहित किये जाने की योजना है। यह कार्यशाला **दिसम्बर–जनवरी** माह में प्रस्तावित है। **तिथि की घोषणा 13 दिसम्बर को जायेगी।**

5. शैक्षिक भ्रमण :

विभाग द्वारा कुछ चुने हुए विद्यार्थियों को विषय की रोचकता को बढ़ाने एवं सम्बन्धित स्थलों का वास्तविक ज्ञान परिमार्जित करने के उद्देश्य से शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया जायेगा। यह शैक्षिक भ्रमण एक दिवसीय होगा। इस शैक्षिक भ्रमण के अन्तर्गत कुशीनगर, चौरीचौरा अथवा बौद्ध संग्रहालय गोरखपुर में से किसी एक स्थान का भ्रमण कराया जायेगा। यह शैक्षिक भ्रमण **06 फरवरी** को प्रस्तावित है।

नोट – विभाग द्वारा विभागीय/महाविद्यालय स्तर पर कराये जाने वाले समस्त कार्यक्रम चौरीचौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत आयोजित किये जायेंगे।

ग्राम्य–दर्शनः

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा महाविद्यालय से सटे ग्राम– छोटी रेतवहियाँ को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लिये जाने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जागरूकता, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संचालित कर उन्हें भी समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर देना है। इस वर्ष विभाग द्वारा गोद लिये गाँव छोटी रेतवहियाँ में विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण एवं जनजागरूकता के लिए 4 तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं। ये 4 तिथियाँ हैं–

- 08 अगस्त, 2021
- 24 अक्टूबर, 2021
- 27 फरवरी, 2022
- 29 मई, 2022

नोट – विषम परिस्थितियों में इन तिथियों में भी परिवर्तन सम्भव है।

गोद लिए गए विद्यार्थीः

विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए विभाग का प्रत्येक शिक्षक 5 विद्यार्थियों को गोद लेता है। गोद लिये गये विद्यार्थी प्रायः प्रथम वर्ष के होते हैं। विभाग द्वारा इन विद्यार्थियों के पठन–पाठन से लेकर समग्र जिम्मेदारी एवं जवाबदेही सम्बन्धित विभागीय शिक्षक की होती है। गोद लिये विद्यार्थी एवं सम्बन्धित शिक्षक का सम्बन्ध पिता–पुत्र /पिता–पुत्री के समान होता है। शिक्षक समय–समय पर अपने गोद लिये गये विद्यार्थी के साथ उन्मुक्त वार्ता करता है, उनकी समस्याओं को सुनता है तथा यथाशक्ति उसका निराकरण करता है। वर्तमान सत्र में मेरे (सुबोध कुमार मिश्र) द्वारा 04 विद्यार्थी गोद लिये गये हैं जो सभी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी हैं तथा पिछले वर्ष से ही मेरे गोद में है। इन विद्यार्थियों का विवरण अग्रलिखित है।

क्र. स.	नाम	कक्षा	आई.डी.	मोबाइल नं.
1	विकास चौधरी	बी.ए. भाग दो	2019200018	8382943696
2	अभिषेक सिंह	बी.ए. भाग दो	2019200185	8081538248
3	अभय राज वर्मा	बी.ए. भाग दो	2019200157	9451812798
4	म्नीता साहनी	बी.ए. भाग दो	2019200183	6390215922
5	रिक्त	–	–	–

विभागीय पुस्तकालय

विभाग ने केन्द्रीय ग्रन्थालय के अतिरिक्त अपने स्तर पर एक विभागीय पुस्तकालय का प्रबन्ध किया है। विभागीय पुस्कालय में वर्तमान समय में 110 पुस्तकें हैं। विभाग के पास इन पुस्तकों की सूची उपलब्ध है। विभाग अपने स्तर पर विषय के विद्यार्थियों को निश्चित नियमों के अन्तर्गत पुस्तक निर्गत करता है। विभाग के शिक्षक स्वयं यथासम्भव प्रतिदिन केन्द्रीय पुस्तकालय में जाते है तथा अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते है।

वेबसाइट फेसबुक

महाविद्यालय प्रशासन अपनी सूचनाओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए अपने वेबसाइट तथा फेसबुक पेज का उपयोग करता है। विभाग भी अपनी सूचनाओं को विभागीय विद्यार्थियों को साप्रेषित करने के लिए कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के अतिरिक्त महाविद्यालय की वेबसाइट एवं फेसबुक पेज का भी उपयोग करता है।

छात्रसंघ/नैक/ एन.सी.सी/एन.एस.एस. में विभाग की भूमिका

विभाग समय–समय पर महाविद्यालय के विविध शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रकल्पों तथा छात्रसंघ, नैक, एन.सी.सी. तथा एन.एस. एस. में भी अपना योगदान देता है। छात्रसंघ प्रभारी द्वारा निर्गत सूचनाओं को अपने कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप के द्वारा विभाग विद्यार्थियों में सम्प्रेषित करता है। नैक प्रभारी द्वारा समय–समय पर विभाग से मांगे गए शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराता है एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी प्रतिभाग करने के लिए विभाग अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका

परिसर अनुशासन को बनाए रखने में विभाग महाविद्यालय के नियन्ता मण्डल का पूर्ण सहयोग करता है। विभाग के शिक्षक महाविद्यालय परिसर में जहाँ भी रहते है, अपने अगल–बगल एक निश्चित सीमा तक की अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध एवं जवाबदेह होते है। विभाग के आस–पास के अनुशासन व्यवस्था की भी पूर्ण जिम्मेदारी विभागीय शिक्षक की होती है।

समय–सारणी

महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय–सारणी उपलब्ध कराया जाता है। समय–सारणी के अन्तर्गत बी.ए. भाग एक, दो की प्रतिदिन एक–एक कक्षा जब की बी.ए. भाग तीन की सोमवार–मंगलवार दो–दो तथा शेष दिन एक–एक कक्षा संचालित होती है। विभाग द्वारा समय–सारणी का शत–प्रतिशत पालन किया जाता है।

पठन–पाठन, तकनीकी प्रसार एवं शिक्षक ब्लाग

विभाग कक्षाओं के पठन–पाठन में नित्य नूतन प्रयोग करता रहता है। साथ ही साथ विभाग पठन–पाठन की बहुधा नवीन तकनीकों का भी समावेशन कक्षाओं में करता है। विभाग के शिक्षक विभिन्न शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग करते है। इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षक अपने ब्लाग पर विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पाठ्यसामाग्री भी समय–समय पर अपलोड करते चलते है। सत्र 2021–22 में विभाग की यह योजना है कि समस्त कक्षाओं के समस्त प्रश्नपत्रों का सम्पूर्ण पी.पी.टी बनाकर ब्लाग पर अपलोड कर दिया जाए। वर्तमान समय में विभागीय शिक्षक के ब्लाग पर 05 पी.पी.टी. कंटेन्ट, 11 शोध पत्र, 6 नोट्स, सत्र 2020–21 के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के 07 प्रश्नपत्रों सहित अपना अद्यतन आयोडाटा अपलोड है। आगे इस ब्लाग को और अधिक समृद्ध करने की योजना है।

शिक्षक–आचार संहिता

महाविद्यालय में शिक्षकों के लिए शिक्षक आचार संहिता लागू है जिसका विभाग के द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जाता रहा है और आगे भी किया जाता रहेगा।

राजनीतिशास्त्र विभाग

विभागीय योजनाएँ

1. **पाठ्यक्रम योजना :** सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वेबासाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पाठ्य योजना अद्यतन उद्धत की जाती है जिसमें तिथिवार प्रश्नपत्र से सम्बन्धित शीर्षक का उल्लेख होता है इसकी सहायता से विद्यार्थी कक्षा में आने से पहले मानसिक रूप से तैयार रहता है।

सत्र 2021–2022 की पाठ्यक्रम योजना के अनुसार बी.ए. (द्वितीय वर्ष) एवं एम.ए. (द्वितीय वर्ष) की कक्षाएँ 15 जून से प्रारम्भ हो चुकी हैं जबकि बी.ए. (प्रथम वर्ष), बी.ए. (तृतीय वर्ष), एवं एम.ए. (प्रथम वर्ष) की कक्षाएँ 11 अगस्त से प्रारम्भ होंगी। इन सभी कक्षाओं का पाठ्यक्रम पुनरावलोकन के साथ 31 जनवरी तक पूर्ण कर लिया जाएगा। विभाग के सभी कक्षाओं की पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है।

2. **कक्षाध्यापन :** विषय में किसी प्रश्न–पत्र में पढ़ाये गये पिछले पाँच व्याख्यानों के आधार पर प्रत्येक छठें दिन विद्यार्थी द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है। इससे विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति, चिन्तनशीलता, संवाद–कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का सतत विकास होता है। आगामी सत्र में होने वाले कक्षाध्यापन का तिथिवार उल्लेख निम्न सूची में है–

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	05, 31	08, 15	04, 18	18, 27	15, 22	06, 13, 22
बी.ए. द्वितीय	20, 28	04, 11, 27	07, 14, 22	11, 25	17, 26	14, 22	05, 12, 21
बी.ए. तृतीय	20, 28	04, 11, 20	07, 14	01, 11, 25	17, 26	14, 21	05, 12, 21
एम.ए. प्रथम	NA	07, 16, 24	09,16	05, 20, 27	20, 29	08, 16, 24	04, 13, 31
एम.ए. द्वितीय	23, 30	06, 14, 23	08, 22	11, 25	08, 12, 22	03, 17, 24	1,10,19,28

3. **मासिक मूल्यांकन :** विद्यार्थियों में वांछित व्यवहारगत परिवर्तन को जानने हेतु प्रत्येक माह में पढ़ाये गये विषय–वस्तु से सम्बन्धित संरचनात्मक मूल्यांकन का प्रारूप तैयार किया जाता है जिसमें बहुविकल्पी एवं निबन्धात्मक प्रश्नों द्वारा विद्यार्थियों की उपलब्धि एवं योग्यता का परिमाणात्मक आकलन किया जाता है।

आगामी सत्र में होने वाले मासिक मूल्यांकन का तिथिवार उल्लेख निम्न सूची में है–

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	21	23	26	09	07, 30	28
बी.ए. द्वितीय	31	20	NA	01	08	03, 29	28
बी.ए. तृतीय	NA	27	22	NA	08	03, 29	31
एम.ए. प्रथम	NA	31	25	30	NA	31	31
एम.ए. द्वितीय	NA	31	29	30	30	31	31

4. **प्रगति–आख्या :** इसमें कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षागत गतिविधियों यथा कुल कार्यदिवसों में विद्यार्थी की उपस्थिति, कक्षाध्यापन की संख्या, मासिक मूल्यांकन एवं कक्षा में उसके आचरण–व्यवहारका माहवार संकलन होता है। इससे विद्यार्थियों के गुण, योग्यता एवं विशेषता के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त होती है।

गत सत्र बी.ए. एवं एम.ए. प्रथम वर्ष का आफलाइन एवं बी.ए. (द्वितीय एवं तृतीय वर्ष) तथा एम.ए द्वितीय वर्ष की प्रगति आख्या ऑनलाइन भरा गया था परन्तु इस सत्र इसे पूरी तरह से आनलाइन भरा जाएगा।

5. **स्व–मूल्यांकन प्रपत्र :** यह शिक्षक के आत्म मूल्यांकन से सम्बन्धित प्रपत्र है जिसमें शिक्षक को स्वप्रेरणा से किये गये। कोई कार्य, किसी अन्य शिक्षक का सहयोग करना, अन्य किन्ही शिक्षकों का सहयोग लेना, कितने कार्य दिवस पर विलम्ब से आये, कितने कार्यदिवस पर समय से पूर्व गये इत्यादि बातों का उल्लेख किया जाता है। यह प्रपत्र शिक्षक द्वारा स्वयं प्रत्येक माह की 08 तारीख के भीतर ऑनलाइन दर्ज करना होता है।

इससे शिक्षक द्वारा तैयार की गयी योजना, कियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। राजनीतिशास्त्र विभाग, महाविद्यालय की इस योजना का परिपालन इस सत्र भी करेगा।

6. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र :** यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तित्व एवं पठन–पाठन में निरन्तर सुधार से सम्बन्धित है जो विद्यार्थियों द्वारा सत्र में दर्ज कराया जाता है।

इस सत्र में इसे सितम्बर एवं जनवरी माह में दर्ज कराया जाएगा।

7. **साप्ताहिक शिक्षक बैठक :** विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक शनिवार को पठन–पाठन एवं अन्य सभी विभागीय गतिविधियों की समीक्षा कर आगत सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु साप्ताहिक बैठक किया जाएगा।

8. **शिक्षक ब्लाग :** महाविद्यालय की वेबसाइट पर प्रत्येक शिक्षक का ब्लाग बना हुआ है जिसमें शिक्षक अपने व्याख्यानों के क्रम में अपलोड करता है इसमें शिक्षक द्वारा स्वयं तैयार किया गया पी.पी.टी. किसी प्रतिष्ठित पत्रिका में छपा लेख या कोई शोध पत्र शामिल होता है।

इस सत्र में विभाग के प्रत्येक शिक्षक के प्रत्येक व्याख्यान की पठन–पाठन सामग्री ब्लाग पर आवश्यक रूप से अपलोड की जाएगी।

9. **विभागीय पुस्तकालय :** विभाग से सम्बन्धित ऐसे विद्यार्थी, जो पुस्तकों को खरीदने में सक्षम नहीं है अथवा अधिकाधिक पुस्तकों के अध्ययन में रूचि रखते हैं उनके लिए विभाग में कुछ पुस्तकें व पत्रिकाएं रखी गयी है इच्छुक विद्यार्थी से कुछ जानकारी लिखित रिकार्ड में रखते हुए उन्हे पुस्तकें आवंटित कर दी जाती है। विभाग में पुस्तक उपलब्ध न होने पर उन्हें केन्द्रीय पुस्तकालय से पुस्तके दिलाने का प्रयास किया जाता है।

इस सत्र में विभागीय पुस्तकालय के पुस्तकों की संख्या में आवश्यक वृद्धि करने का प्रयास किया जाएगा।

10. **गोद लिए गये विद्यार्थी :** शिक्षक द्वारा अपनी कक्षा के कुछ (लगभग पाँच विद्यार्थी) ऐसे विद्यार्थी जिनकी कक्षा में गतिविधियां कुद असमान्य हो यथा किसी गतिविधि में रूचि न रखना, कक्षा में लगातार अनुपस्थित रहना, को शिक्षक द्वारा गोद लिया जाता हैं ताकि ऐसे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। विभाग के शिक्षकों द्वारा गये विद्यार्थियों की सूची–

शिक्षक : श्री हरिकेश यादव

गोद लिए गये विद्यार्थी–

नाम	**कक्षा**	**आई.डी.संख्या**	**मोबाइल नं.**
रूपम चौधरी	बी.ए. द्वितीय वर्ष	B.A.2020210106	7394927206
प्रिया जायसवाल	बी.ए. द्वितीय वर्ष	B.A.2020210326	6386464577
श्याम यादव	बी.ए. द्वितीय वर्ष	B.A.2020210132	7236029006
मो. इशराफिल शाह	बी.ए. द्वितीय वर्ष	B.A.2020210252	8382943298
रितेश कुमार सिंह	बी.ए. द्वितीय वर्ष	B.A.2020210339	8709919680
शिवम यादव	बी.ए. द्वितीय वर्ष	B.A.2020210331	7991991405

11. **गोद लिए गया गाँवः** संस्थागत सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा ककरहिया ग्राम अधिगृहित किया गया है। विभाग द्वारा अधिगृहित ग्राम का वर्ष में लगभग चार बार भ्रमण किया जाता है इस भ्रमण के माध्यम से ग्रामवासियों को उनके नागरिक अधिकारों, कर्त्तव्यों, सरकार द्वारा चलायी गयी विभिन्न योजनाएँ, आदि के विषय में जागरूक किया जाता है।

इस सत्र में राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा निम्न तिथियों पर ग्राम भ्रमण। ग्राम्य दर्शन की योजना है–

1. 08 अगस्त 2021 – रविवार
2. 24 अक्टूबर 2021– रविवार
3. 27 फरवरी 2022 – रविवार
4. 29 मई 2022 – रविवार

<u>शिक्षण विधियाँ</u>

1. **व्याख्यान विधि :** शिक्षक द्वारा विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, तार्किक रुप से विषयवस्तु का प्रकटन करने हेतु पारंपरिक विधि 'व्याख्यान विधि' का प्रयोग किया जाएगा।
2. **पॉवर–प्वाइण्ट प्रस्ततीकरण :** इस विधि में प्राजेक्टर द्वारा पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरणों पर तैयार पीपीटी का प्रस्तुतीकरण कर शिक्षक द्वारा व्याख्या की जाएगी।
3. **सहभागी विधि :** कक्षा शिक्षण के दौरान शिक्षक, विद्यार्थियों की पूर्ण सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कर शिक्षण–प्रक्रिया को प्रभावशाली एवं उद्देश्यपूर्ण बनाया जाएगा।
4. **ऑनलाइन शिक्षण :** विगत सत्र कोरोना महामारी के कारण शासनानुदेशों का पालन करते हुए कक्षा में कुल पंजीकृत विद्यार्थियों के अधिकतम एक तिहाई विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके इसके लिए ऑनलाइन शिक्षण (जूम/गूगल मीटींग एप) का प्रयोग किया गया। आगामी सत्र में यदि आवश्यकता हुई तो पुनः इस विधि का प्रयोग किया जाएगा।

कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी, अन्य विभागीय कार्यक्रम

अगस्त

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
24.08.2021	मंगलवार	10:30 से 11:20 बजे	भारत–इजराइल कूटनीतिक सम्बन्ध	व्याख्यान	प्रो. रूसीराम महानन्दा अध्यक्ष, राजनीतिशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

सितम्बर

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
15.09.2021	बुधवार	11:20 से 12:10 बजे	भारतीय लोकतन्त्र विश्व के लिए एक मॉडल	व्याख्यान	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, अध्यक्ष, इतिहास विभाग, एमपीपीजी, जंगल धूसड़, गोरखपुर

अक्टूबर

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
01.10.2021	शुक्रवार	11:20 से 12:10 बजे	महात्मा गाँधी के विचार : वर्तमान प्रासंगिकता	निबन्ध प्रतियोगिता	....
23.10.2021	शनिवर	12:30 से 01:20 बजे	विश्व–शक्ति सन्तुलन में संयुक्त राष्ट्र का योगदान	व्याख्यान	डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, असि. प्रोफेसर, राजनीतिशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

नवम्बर

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
26.11.2021	शुक्रवार	12:30 से 01:20 बजे	भारतीय विदेशनीति का बदलता स्वरूप	व्याख्यान	प्रो. राजेश कुमार सिंह राजनीतिशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिसम्बर

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
28.12.2021	मंगलवार	11:20 से 12:10 बजे	शोध–व्याख्यान प्रतियोगिता	प्रतियोगिता	....

जनवरी

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
12.12.2022	बुधवार	12:30 से 01:20 बजे	भारतीय राजनीतिक चिन्तन का इतिहास : प्राचीन अथवा नवीन	वद–विवाद प्रतियोगिता	....

नोट : उपर्युक्त विभागीय कार्यक्रमों के समय, तिथियों एवं व्याख्याताओं में तत्कालीन परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन संभव है।

अर्थशास्त्र विभाग

गत सत्र 2020–21 के अनुभवों एवं उपलब्धियों के आधार पर वर्तमान सत्र में निम्न बिन्दुओं पर योजनाएं बनायी जा रही है–

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाएं–

अर्थशास्त्र विषय की पाठ्यक्रम योजना जुलाई माह से पूर्व बनाकर दे दिया जायेगा जिससे कि जुलाई माह से पूर्व वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों तक दिनांक के आधार पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का बाटकर उपलब्ध कराना विद्यार्थी सत्र के प्रारम्भ में ही यह जान सकता है कि किस तिथि को किस शिक्षक द्वारा किस शिर्षक पर पढ़ाया जायेगा। जिससे वह उस शिर्षक को पहले ही घर पर पढ़कर तैयार होकर कक्षा में बैठेगा। वर्तमान सत्र में कक्षा संचालन शत–प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जायेगा। इसकी प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

आफलाईन सहित आनलाईन कक्षा संचालन–

शिक्षक द्वारा पूर्व निर्धारित शिर्षक पर व्याख्यान/पी.पी.टी. सहित कक्षा का संचालन किया जायेगा।

प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं–

पठन–पाठन में आधुनिक तकनीकों के प्रयोग के साथ–साथ प्रोजेक्टर का कक्षा व्याख्यान में प्रयोग किया जायेगा जिससे कि अधिक से अधिक प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं चलाई जा सकें।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन–

सप्ताह में एक दिन शिक्षक की उपस्थिति में छात्र–छात्राओं द्वारा कक्षा पढ़ाया जायेगा सभी विद्यार्थी पूर्व निर्धारित विषय पर कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास करेंगे। कक्षाध्यापन में विशेषतौर पर वे शिर्षक दिये जायेगे जो विद्यार्थियों के वार्षिक परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। साप्ताहिक कक्षाध्यापन के माध्यम से विद्यार्थी के अन्दर कक्षा में सबके सामने खड़े होकर अपनी बात कहने की क्षमता विकसीत करना है। वर्तमान सत्र में भी इसे शत–प्रतिशत लागू किया जायेगा।

प्रत्येक माह में निर्धारित साप्ताहिक कक्षाध्यापन की तिथि :

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	15,12,21	08,15	04, 18	09, 18	07,15,22	06,13
बी.ए. द्वितीय	20,28	04,11,20	07,14	01, 11	08,17	03,14,21	05,12,21
बी.ए. तृतीय	20,28	04,11,20	07,14	01, 11	08,17	03,14,21	05,12,21

मासिक मूल्यांकन –

प्रत्येक माह के अन्त में विभाग के शिक्षक द्वारा विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में आने वाले प्रश्नों का माहवार वितरित कर लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जायेगा। जिससे कि विद्यार्थी का सभी प्रश्न पत्र जो सम्भावित तौर पर विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले हैं पहले ही तैयार हो सके। मासिक मूल्यांकन के दौरान उत्तर लिखने के शैली के साथ–साथ लिखावट भी सुन्दर होता है।

प्रत्येक माह में निर्धारित मासिक मूल्यांकन की तिथि :

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	31	23	26	27	30	22
बी.ए. द्वितीय	NA	27	22	25	26	29	31
बी.ए. तृतीय	NA	27	22	25	26	29	31

स्वमूल्यांकन प्रपत्र–

स्वमूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले महिने के प्रथम सप्ताह के अन्त तक उस माह में अपने कार्यो एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा–पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्वप्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र में आनलाईन भरकर प्राचार्य को उपलब्ध कराया जायेगा। स्वमूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से शिक्षक पिछले महीने की पूरी गतिविधि को जानकर अपने आचरण व्यवहार तथा समय की महत्ता को समझते हुए उसे सुधारने का प्रयास करेंगे।

प्रगति आख्या–

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर वेबसाईट के माध्यम से प्रस्तुत किया जायेगा। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन के साथ–साथ आचरण–व्यवहार के अंको का उल्लेख किया जायेगा। प्रगति आख्या किसी विद्यार्थी द्वारा सम्पूर्ण माह में किये गये गतिविधियों का संकलन होता है जिसे देखकर विद्यार्थियों में सुधार हेतु कार्य किया जायेगा।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र–

महाविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रारूप– ''शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र'' के माध्यम से वर्ष में दो बार (सितम्बर–जनवरी) विद्यार्थियों से पठन–पाठन के सन्दर्भ में फीडबैक लिया जायेगा। विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त सुझावों को यथा सम्भव शिक्षक, प्राचार्य के निर्देशानुसार लागू करने का प्रयास किया जायेगा।

उपचारात्मक कक्षाएं–

विभाग के विद्यार्थियों के लिए आवश्यकतानुसार समय–समय पर विषय सम्बन्धी समस्याओं के निवारण हेतु उपचारात्मक कक्षाएं चलायी जायेंगी।

पूरक पाठ्यक्रम–

विषय के पाठ्यक्रम के अतिरिक्त वर्तमान आर्थिक एवं मौद्रिक प्रणाली एवं उसकी विशेषताओं के साथ–साथ उन सभी अंगो की चर्चा की जायेगी जिनका सम्बन्ध प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों के कल्याण से है।

विभागीय कार्यक्रम–

कार्यक्रम	प्रस्तावित तिथि	विषय	प्रस्तावित अतिथि
विशिष्ट व्याख्यान :	26 नवम्बर 2021,	सर्वाश्रनिक सेवाओं का महत्व : कोरोना के विशेष सन्दर्भ में।	डॉ. राजू गुप्ता, सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय गोरखपुर
विशिष्ट व्याख्यान :	03 दिसम्बर 2021	जी.एस.टी. समस्याएं एवं सुझाव	डॉ. अमित शर्मा, सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर
विशिष्ट व्याख्यान :	14 दिसम्बर 2021,	मुद्रा एवं उसका विकास	डॉ. सुरेन्द्र कुमार गुप्ता, सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर

विभागीय लाइब्रेरी–

प्रत्येक वर्ष की भांति सत्र 2021–22 में भी विद्यार्थियों को सेन्ट्रल लाइब्रेरी के अतिरिक्त विभागीय लाइब्रेरी से पुस्तक उपलब्ध कराया जायेगा।

स्वैच्छिक श्रमदान–

विभाग के शिक्षक प्रत्येक वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान में भाग लेंगे।

विद्यार्थियों को गोद लेना–

गत सत्र में, पांच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनका उन्नयन करने का प्रयास किया गया जिसमें एक विद्यार्थी तृतीय वर्ष के होने के कारण अब महाविद्यालय से बाहर चला जायेंगे। इसलिए वर्तमान सत्र में बी.ए. प्रथम वर्ष से एक अन्य विद्यार्थी का चयन किया जायेगा जिससे कि विद्यार्थियों की संख्या पांच हो सके। गोद लिये गये विद्यार्थियों का पठन–पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए पूरी जिम्मेदारी के साथ उनके व्यक्तित्व विकास हेतु प्रयास किया जायेगा।

क्र.सं.	नाम / आई.डी. नं.	विषय	कक्षा	मोबाईल
1.	कालिन्दी चौहान, बी.ए.2019200132	अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	बी.ए. भाग तीन	9936887847
2.	सपना गुप्ता, बी.ए.2020210180	भूगोल, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	बी.ए. भाग दो	7390073315
3.	वर्षा साहनी, बी.ए.2020210023	समाजशास्त्र, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	बी.ए. भाग दो	8381993721
4.	नसरीन बानो, बी.ए.2020210341	मनोविज्ञान, प्रा.इतिहास, अर्थशास्त्र	बी.ए.भाग दो	9662948980

शिक्षक ब्लाग–

विभाग के शिक्षक का शत–प्रतिशत पावर–प्वाइंट ब्लाग पर अपलोड है साथ ही साथ किताबों व शोध पत्रों की साफ्ट कापी अलग से उपलब्ध करायी गयी है। वर्तमान सत्र में शोध पत्रों के साथ–साथ अन्य पुस्तकों की सूची भी अपलोड किया जायेगा जिससे कि विद्यार्थियों को आसानी से पाठ्य–सामग्री उपलब्ध हो सके।

विभाग द्वारा गोद लिये गये गाँव–

गत सत्र की भांति वर्तमान सत्र में भी विभाग के विद्यार्थियों के साथ अपने गोद लिये गये गांव (ककरहियां) में चार बार जनजागरूक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा जिसके लिए निर्धारित तिथि निम्न है–

08 अगस्त 2021

24 अगस्त 2021

27 फरवरी 2022
29 मई 2022

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा–

प्रत्येक सत्र की भांति वर्तमान सत्र में भी बी.ए. भाग–एक, दो व तीन के सभी वार्षिक प्रश्न पत्रों को विश्वविद्यालय के मानक अनुसार बनार सितम्बर–अक्टूबर माह में महाविद्यालय के परीक्षा विभाग को उपलब्ध करा दिया जायेगा।

विभागीय रपट–

विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन सम्बन्धी अनुभवों, उपलब्धियों सहित गत सत्र 2020–21 का विभागीय रपट ब्लाग पर उपलब्ध है तथा वर्तमान सत्र का विभागीय रपट जुलाई 2023 के पूर्व ब्लाग पर अपलोड कर दिया जायेगा।

नोट : उपरोक्त कार्यक्रमों की तिथियों एवं अतिथियों में परिवर्तन हो सकता है।

हिन्दी विभाग

1. **समय सारणी / कक्षा संचालन –** विभाग में सभी कक्षाएं समय सारणी के अनुसार संचालित की जाती हैं।
2. **पाठ्यक्रम योजना –** पाठ्यक्रम योजना एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत पूरे सत्र में होने वाले शिक्षण कार्य की रूप रेखा प्रस्तुत की जाती है। बी.ए. द्वितीय वर्ष , तृतीय वर्ष एवं एम.ए. अन्तिम वर्ष की कक्षाएं 16 जुलाई से पाठ्यक्रम योजना में प्रारम्भ होती है। बी.ए. प्रथम वर्ष एवं एम.ए. प्रथम वर्ष की कक्षाएं 1 अगस्त से चलती है। सत्र 2021–22 में बी.ए. द्वितीय वर्ष एवं एम.ए. अन्तिम वर्ष की कक्षाएं 16 जून से संचालित हो रही है।

   इस योजना का उद्देश्य है कि पाठ्यक्रम का कोई भी भाग न छूटे और समय से पाठ्यक्रम पूर्ण हो जाय। साथ ही प्रतिदिन के कक्षा विवरण से विद्यार्थियों को अवगत करा सकें।
3. **कक्षाध्यापन –** इसके अन्तर्गत सप्ताह भर पढ़ाये गये व्याख्यान से कोई भी भाग विद्यार्थी तैयार कर 05 से 07 मिनट कक्षा संचालन करता है। इसकी तैयारी हेतु प्रथम कक्षाध्यापन दिवस पर ही 10 छात्रों का विषय के साथ नामांकन करते है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी का हिचक दूर करके, अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना है।

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	05, 12, 21	07, 14	01, 11	08, 17	03, 14, 21	05, 12, 21
बी.ए. द्वितीय	20, 28	04, 11, 20	06, 13, 21	09, 23	16	02, 13, 20	04, 11, 20
बी.ए. तृतीय	20, 28	04, 11, 20	06, 13, 21	09, 23	16	02, 13, 20	04, 11, 20
एम. ए. प्रथम वर्ष	NA	07, 16	02, 09, 16	05, 20	11, 20	08, 16, 23	07, 17, 24
एम. ए. अन्तिम वर्ष	23, 30	06, 14	01, 07, 14	01, 18	09, 18	07, 15, 22	06, 13, 22

4. **मासिक मूल्यांकन –** प्रत्येक महीने में पढ़ाये गये व्याख्यान से 03 या 04 प्रश्न देकर विद्यार्थियों को 50 मिनट की कक्षा में मासिक मूल्यांकन कराया जाता है। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न पत्र को विभाजित कर उपलब्ध करा देना एवं विश्वविद्यालय परीक्षा हेतु पूर्व तैयारी करा देना है।

कक्षा	मसिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	31	22	25	26	29	31
बी.ए. द्वितीय	NA	27	30	30	25	28	29
बी.ए. तृतीय	NA	27	30	30	25	28	31
एम. ए. प्रथम वर्ष	NA	24	25	27	29	31	31
एम. ए. अन्तिम वर्ष	NA	23	22	26	27	30	31

5. **प्रगति आख्या –** इसके अन्तर्गत पढ़ाये गये व्याख्यानों की संख्या, छात्र उपस्थिति की संख्या, कक्षाध्यापन का श्रेणी, मासिक मूल्यांकन का अंक, आचरण, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं विश्वविद्यालय परीक्षा विवरण दिया जाता है। इस योजना का उद्देश्य छात्र के पठन–पाठन की गतिविधियों का निरीक्षण कर सुधारात्मक सुझाव देना है।

6. **विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा –** विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के तर्ज पर आगामी परीक्षा का सम्भावित प्रश्नों के प्रश्नपत्र बनाकर, परीक्षा कराकर परिणाम घोषित करते हैं। जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय परीक्षा की पूर्व तैयारी कराना है।

7. **विभागीय कार्यक्रम –**

	विषय
(1) 21 अगस्त, 2021	विशिष्ट व्याख्यान दिवस –'साहित्य क्या है?'
(2) 14 सितम्बर, 2021	विशिष्ट व्याख्यान (हिन्दी विभाग)–'हिन्दी दिवस'
(3) 23 अक्टूबर, 2021 से 30 अक्टूबर तक	सप्तदिवसीय कार्यशाला–'वर्तनी, उच्चारण एवं ध्वनियां'
(4) 16 नवम्बर, 2021	हिन्दी भाषण प्रतियोगिता
(5) 26 नवम्बर, 2021	हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता
(6) 29 नवम्बर, 2021	उदीयमान कविगोष्ठी
(7) 11 दिसम्बर, 2021	विशिष्ट व्याख्यान–'भाषा और बोली'
(8) 30 दिसम्बर, 2021	हिन्दी व्याख्यान प्रतियोगिता
(9) 10 जनवरी, 2021	विशिष्ट व्याख्यान (अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी दिवस)

नोट– प्रत्येक माह में एक या दो व्याख्यान अतिथि शिक्षक पढ़ाये, विभाग इसका प्रयास करेगा।

सम्भावित व्याख्याताओं की सूची –

(1) डॉ. सुनील कुमार 'सुमन'
(2) प्रो. विमलेश मिश्र
(3) डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी
(4) डॉ. भरत प्रसाद त्रिपाठी
(5) प्रो. रामदरश राय
(6) डॉ. विजयानन्द त्रिपाठी
(7) प्रो. अनन्त मिश्र
(8) प्रो. अनिल राय
(9) प्रो. सिद्धार्थ शंकर मिश्र
(10) प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त
(11) प्रो. अरविन्द् त्रिपाठी

नोट– उपर्युक्त कार्यक्रम में निर्धारित तिथि एवं अतिथि में समय एवं विशेष परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन हो सकता है।

8. **शिक्षण विधि –** विभाग सामान्यतः निम्नलिखित शिक्षण विधियों का प्रयोग किया जाता है।
   1. संवाद विधि
   2. प्रश्नावली विधि
   3. श्यामपट्ट विधि
   4. पी.पी.टी. विधि

9. **पुस्तकालय –** विभागीय शिक्षक अध्ययन/अध्यापन हेतु पुस्तकालय में अद्यतन रहते हैं तथा विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया जाता है। शिक्षक प्रतिदिन पुस्तकालय का उपयोग करते है एवं उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर करते हैं। विभाग में विभागीय पुस्तकालय भी है जिससे विद्यार्थियों को समय–समय पर अध्ययन हेतु पुस्तकें उपलब्ध करायी जाती हैं।

10. **तकनीकी प्रसार –** विगत सत्रों में पी.पी.टी. पर कक्षाएं चली हैं इस सत्र में स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग किया जायेगा। वेबसाइट के अन्तर्गत ब्लाग पर सारांश, नोट्स, शोध पत्र, व्याख्यान उपलब्ध कराया जायेगा।

11. **गोद लिए विद्यार्थी –** प्रत्येक शिक्षक स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं से 5–5 विद्यार्थी को गोद लेता है।

इस सत्र में – डॉ. आरती सिंह द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थियों के नाम–

i	प्रांजल शर्मा	मो. नं. 8840320956
ii	किरन यादव	मो. नं. 9838482699
iii	....	मो. नं. ....
iv	....	मो. नं. ....
v	....	मो. नं. ....

नोटः– तीन नयें विद्यार्थियों को गोद लेना है।

डॉ. सुधा शुक्ला द्वारा गोद गोद लिए गए विद्यार्थियों के नाम –

i	कॉजल मद्धेशिया	मो. नं. 9026119646

ii निशा मौर्य मो. नं. 9670101880

iii प्रिया सिंह मो. नं. 8175984680

iv ज्ञानेन्द्र पाण्डेय मो. नं. 9877854251

v प्रवीण शुक्ल मो. नं. 6307599214

विद्यार्थियों को गोद लेने का उद्देश्य अभिभावक के रूप में व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहना, उनकी समस्या सुनना एवं उचित समाधान करना, रचनात्मक कार्यों के साथ विभाग एवं महाविद्यालय की गतिविधियों में सहभाग के लिए प्रेरित करना, एवं स्वच्छता तथा अनुशासन बनाये रखना है।

12. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र –** प्रत्येक सत्र में दो बार सितम्बर एवं जनवरी माह में शिक्षक उन्नयन हेतु विद्यार्थियों द्वारा सम्बन्धित शिक्षक द्वारा अवलोकन भरा जाता है।

13. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र –** महीने के प्रथम कार्यदिवस में शिक्षक द्वारा भरा जाता है और विभाग में सुरक्षित रहता है। वर्तमान सत्र में यह योजना यथावत रहेगा।

14. **फीड बैक (पृष्ठ पोषण) कक्षाएं –** 15–20 फरवरी 2022 इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों की उनकी कमियों गलतियों तथा त्रुटियों से अवगत कराया जाता है। ताकि विद्यार्थी उन्हें सुधार सकें। साथ ही इस प्रक्रिया में छात्रों की अच्छी विशेषताएं, अच्छा कार्य, उनके गुणों तथा उनकी अच्छाईयों का भी विवरण दिया जाता है ताकि वे आगे भी अपने व्यवहारों में प्रदर्शित कर सकें।

15. **प्रार्थना सभा –** महाविद्यालय में प्रार्थना सभा प्रत्येक दिन 09:25 से 09:40 तक आयोजित की जाती है। जिसमें विभाग के शिक्षक और विद्यार्थी अनिवार्य रूप से उपस्थित होते हैं। महाविद्यालय की परम्परानुसार प्रार्थना सभा प्रत्येक सत्र में 01 अगस्त से 30 जनवरी तक सम्पन्न की जाती है इसका उद्देश्य राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना, भगवत् गीता उपदेश के माध्यम से राष्ट्रप्रेम एवं भक्तिभावना का भाव जागृत करना है तथा प्रत्येक कार्यदिवस में पड़ने वाले महापुरूषों की जन्मतिथि एवं पूण्यतिथि पर उद्बोधन के माध्यम से प्रेरित किया जाता है।

16. **स्वैच्छिक श्रमदान –** इसके अन्तर्गत सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं। 1 घण्टे 10 मिनट के समय में हम श्रमदान करते हैं। इस योजना में प्राचार्य, शिक्षक विद्यार्थी समूह भाव से कार्य करते हैं। विभाग के शिक्षक विद्यार्थी इस योजना में बढ़–चढ़कर भाग लेते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से श्रम के प्रति झिझक (संकोच) दूर करना एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी जाती है।

17. **ग्राम्य दर्शन –** विभाग पूरे सत्र में निम्नलिखित चार तिथियों में विद्यार्थियों के साथ ग्राम्य दर्शन हेतु जायेगा।

    (1) 8 अगस्त, 2021

    (2) 24 अक्टूबर, 2021

    (3) 27 फरवरी, 2022

    (4) 29 मई, 2022

    इस योजना के अन्तर्गत विभाग क शिक्षक गोद लिए गाँव का दर्शन करने विद्यार्थियों के साथ जाते हैं। ग्रामवासियों को शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हैं। समय–समय पर डाक्टर के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण कर उचित सलाह दी जाती है।

18. **सोशल मीडिया–**महाविद्यालय के वेबसाइट के अन्तर्गत फेसबुक, यू–ट्यूब, व्हाट्सएप पर विभाग की सभी सूचनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। इसका उद्देश्य है कि विद्यार्थी इस माध्यम से सूचनाएं प्राप्त करें एवं विभिन्न प्रकार की गतिविधियों से लाभान्वित हों।

19. **निःशुल्क चिकित्सा–** महाविद्यालय में 'प्रत्येक सप्ताह में दो दिन चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाता है। महाविद्यालय के प्रयास पर डाक्टर आते है। और उनके द्वारा महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, परिचर एवं विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण होता है। साथ ही आस–पास के ग्रामवासियों को भी इस सुविधा का लाभ मिलता है।

20. उपरोक्त के अतिरिक्त आचार संहिता का पालन करना, महाविद्यालय में अनुशासन बनाये रखना, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना, बिजली पानी बचत करना, परिसर में सौहार्द पूर्ण वातारण बनाये रखना आदि के लिए शिक्षक द्वारा समय पर प्रेरणा दी जाती है।

मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास

उद्देश्य :

इतिहास का सम्बन्ध समय से है और समय शाश्वत सत्य है। विभाग का उद्देश्य अपने विभागीय विद्यार्थियों को कल, आज और सम्भावित कल की संस्कृति, सभ्यता, परम्परा, ज्ञान–विज्ञान, लोक कला के साथ–साथ तत्कालीन स्थितियों–परिस्थितियों आदि का शिक्षण व ज्ञान देकर वर्तमान की प्रगतिशीलता और समय की सातत्य डोर से उन्हें बाँधे रखना है।

विभागीय योजनाएँ : 2021–22

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षा संचालन :

नियोजित रूप से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में पाठ्यक्रम योजना प्रत्येक विभागों द्वारा बनायी जाती है। इस पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम को कार्यदिवसों के अनुरूप बाँट दिया जाता है। सत्र के प्रथम तीन महीनें 3+2+1 की योजना पर अर्थात 03 दिन एक प्रश्नपत्र, 02 दिन दूसरा प्रश्नपत्र तथा 01 दिन कक्षाध्यापन/मासिक मूल्यांकन कक्षा का संचालन होता है। अगले तीन महीनें 2+3+1 की योजना के अनुरूप कक्षा संचालित होती है। पाठ्यक्रम योजना में विभाग के किस कार्यदिवस में किस शिक्षक को कौन सा टापिक पढ़ाना है, यह पूर्ण निर्धारित रहता है इस प्रकार पाठ्यक्रम योजना बनाने का उद्देश्य स्पष्ट तौर पर सत्र भर पूर्व योजना–पूर्ण योजना के सिद्धान्त पर अनुशासित रूप से कक्षाओं का संचालन करना है। प्रतिवर्ष की ही भांति विभाग द्वारा इस सत्र (2021–22) की पाठ्यक्रम योजना मई माह में ही बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इस सत्र में बी.ए. भाग दो की कक्षा विभाग द्वारा 16 जून से ही प्रारम्भ कर दी गई है। 11 अगस्त से बी.ए. भाग एक एवं भाग तीन की कक्षाएं प्रारम्भ हो जायेगी। विभागीय पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध होने के साथ–साथ विभाग के विद्यार्थियों को भी कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से दी जा चुकी है।

कक्षाध्यापन : (उद्देश्य)

विद्यार्थियों में सम्प्रेषण क्षमता तथा अभिव्यक्ति कौशल के विकास के उद्देश्य से विभाग द्वारा सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों द्वारा कक्षा का संचालन कराया जाता है, जिसे हम महाविद्यालय प्रशासन की भाषा में विद्यार्थी कक्षाध्यापन कहते है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षक प्रत्येक कक्षा में उपस्थित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के बढ़ते क्रम में 05/10 विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें कक्षाध्यापन का शीर्षक स्वेच्छा से चुनने को कहता है। विद्यार्थी शीर्षक न चुन सके तो शिक्षक शीर्षक देता है। तत्पश्चात समय की उपलब्धता के आधार पर उनका व्याख्यान शीर्षक प्रस्तुतिकरण योग्य तैयार करवाता है तथा स्वयं 05 दिन कक्षा में पढ़ाने के उपरान्त छठवे दिन निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराता है। कक्षाध्यापन के दौरान शिक्षक प्रस्तुतीकरण देने वाले विद्यार्थी का विश्लेषण कर उसे ग्रेड देता है तथा अपने प्रगति आख्या में उक्त विद्यार्थी के खाते में कक्षाध्यापन दर्ज कर लेता है। साथ ही साथ विद्यार्थी के कक्षाध्यापन के कमजोर पक्षों को मजबूत बनाने हेतु दिशा–निर्देश भी देता है इस सत्र में प्रस्तावित कक्षाध्यापन की तिथियाँ अग्रलिखित है।

कक्षा	**कक्षाध्यापन**						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	7,16	7,14,22	9,23	16,25	9,17,24	7,17
बी.ए. द्वितीय	23,30	7,17	7,14,22	9,23	16,25	9,17,24	7,17
बी.ए. तृतीय	23,30	7,17	7,14,22	9,23	16,25	9,17,24	7,17
एम.ए. प्रथम	NA	7,17	7,14,22	9,23	16,25	9,17,24	7,17
एम.ए. द्वितीय	23,30	7,17	7,14,22	9,23	16,25	9,17,24	7,17

मासिक मूल्यांकन :

प्रत्येक मास के अन्त में विद्यार्थियों की विषय–ग्राह्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रत्येक कक्षा में मासिक मूल्यांकन निर्धारित प्रश्न–पत्रों/प्रारूपों के आधार पर किया जायेगा। मासिक मूल्यांकन के प्रश्न–पत्र उसी माह में पढ़ाये गये विषय–वस्तुओं के आधार पर ही निर्मित होंगे। अगस्त से जनवरी माह तक पूछे गए मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जाऐंगे। इस सत्र में प्रस्तावित मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ अग्रलिखित हैं–

कक्षा	**मासिक मूल्यांकन**						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	27	30	30	30	31	29
बी.ए. द्वितीय	NA	27	30	30	30	31	29
बी.ए. तृतीय	NA	27	30	30	30	31	29
एम.ए. प्रथम	NA	NA	30	30	30	31	29
एम.ए. द्वितीय	NA	27	30	30	30	31	29

प्रगति आख्या :

प्राचीन इतिहास विषय की प्रत्येक कक्षा में पढ़ रहे समस्त विद्यार्थियों की कक्षा में कुल उपस्थिति, उनका आचरण–व्यवहार, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन में उनका प्रदर्शन इत्यादि का विवरण प्रत्येक माह, माह के अन्त में आनलाइन प्रगति आख्या में संकलित किया जायेगा। सत्र के अन्त में इसका विश्लेषणात्मक अध्ययन भी किया जाएगा।

स्व–मूल्यांकन प्रपत्र :

विभागीय शिक्षक द्वारा प्रतिमाह आनलाइन शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग के अन्तर्गत अपलोड कर दिया जाएगा। जिसकी एक प्रिंट आउट शिक्षक अपने पास भी विभाग में रखेगा। इस शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र में शिक्षक अपनी गत मास की मासिक गतिविधियों यथा– किस कक्षा में कितना व्याख्यान पढ़ाये, कितने कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन कराए, कितने दिन महाविद्यालय विलम्ब से आये, कितने दिन महाविद्यालय से समय से पूर्व चले गये, दिये गये उत्तदायित्वों का निर्वहन कैसे किया, महाविद्यालय के योजनाओं एवं कार्यक्रमों में कैसे सहभाग किया, इत्यादि का विवरण दर्ज होगा। सत्र के अन्त में शिक्षक द्वारा इस स्वमूल्यांकन प्रपत्र का विश्लेषण कर आने वाले सत्र में परिलक्षित कमियों, दोषों का निवारण भी किया जायेगा।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र :

आत्ममूल्यांकन एवं सुधारात्मक प्रवृत्ति हेतु छात्र/छात्राओं द्वारा दिसम्बर/जनवरी के किसी भी कार्यादिवस छात्र/छात्रओं की अधिकतम संख्या को देखते हुए उनसे पूर्व निर्धारित प्रोफार्मा पर शिक्षक अभिमत लिया जाएगा।

स्वैच्छिक श्रमदान :

महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान प्रकल्प में विभाग द्वारा विगत सत्रों में भी सक्रिय सहभाग किया जाता रहा है। इस सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में विभाग अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित यथासम्भव सम्मिलित रहेगा।

<u>शिक्षण विधियाँ</u>

पाठ्य विषय को ग्राह्य एवं रुचिकर बनाने के उद्देश्य से कक्षाओं में विविध शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग किया जायेगा। कुछ प्रमुख प्रविधियाँ निम्नवत् हैं:

11. व्याख्यान विधि द्वारा शिक्षण
12. प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा शिक्षण
13. समूह परिचर्चा विधि द्वारा शिक्षण
14. पॉवर–प्वाइण्ट विधि द्वारा शिक्षण
15. प्रोजेक्टर के प्रयोग द्वारा शिक्षण
16. मानचित्रों द्वारा शिक्षण

17. वंशावली चार्टों द्वारा शिक्षण

18. ऑडियो–वीडियो (दृश्य–श्रव्य) विधि द्वारा शिक्षण

19. प्रदर्शन विधि द्वारा (मुद्रा प्रदर्शन बोर्ड) शिक्षण

20. शैक्षिक भ्रमण विधि द्वारा शिक्षण

उपर्युक्त शिक्षण विधियाँ विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ–साथ उनमें तार्किकता के सृजन, चिन्तन, बौद्धिकता, विषयग्राह्यता और तकनीकी कुशलता को विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगी। इस सत्र में भी विगत वर्ष की ही भांति विभाग द्वारा सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम योजनानुसार समस्त प्रश्नपत्रों का पी.पी.टी. बनाकर सभी कक्षाओं को प्रोजेक्टर से पढ़ाने की योजना है।

विभागीय कार्यक्रम

विगत सत्रों की ही भाँति इस सत्र में भी विभाग द्वारा विभाग एवं महाविद्यालय स्तर पर कुछ कार्यक्रम कराने की योजना है। इनमें से कुछ कार्यक्रम परम्परागत स्वरूप पर होंगे, जबकि कुछ नवीन प्रयोगों पर आधारित। विभाग द्वारा इस सत्र में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की सम्भावित सूची निम्नवत् है।

6. विशिष्ट व्याख्यान/अतिथि व्याख्यान :

(अ) 27 सितम्बर, 2021 दिन–सोमवार, बी.ए. भाग–1, 2, 3 तथा एम. ए. भाग–1, 2
विषयः– राजा राम मोहन राय की पुण्यतिथि के अवसर पर सामाजिक क्षेत्र में या पुर्नजागरण में योगदान
वक्ताः– डॉ. अजय मिश्रा, डी.ए.वी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

(ब) 30 अक्टूबर, 2021 दिन–शनिवार, बी.ए. भाग–1,2,3 तथा एम. ए. भाग–1, 2
विषयः– भारतीय रियासतों के विलय में ''सरदार बल्लभ भाई पटेल का योगदान''(जन्म दिन के पूर्व संध्या के शुभ अवसर पर)
वक्ताः– डॉ. मनोज तिवारी, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

(स) 27 नवम्बर, 2021 दिन–शनिवार, बी.ए. भाग–1,2,3 तथा एम. ए. भाग–1, 2
विषयः– सामाजिक समरसता एवं महात्मा ज्योतिबा राव फूले (जन्म दिन के पूर्व संध्या के शुभ अवसर पर)
वक्ताः– श्री विद्याधर मिश्र, राजकीय पी.जी. कालेज, सन्तकबीरनगर

(द) 25 दिसम्बर, 2021 दिन–शनिवार, बी.ए. भाग–1,2,3 तथा एम. ए. भाग–1, 2
विषयः– अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिन के पूर्व सन्ध्या के शुभ अवसर पर
वक्ताः– डॉ. मुकुन्द शरण त्रिपाठी, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय, गोरखपुर

(य) 19 जनवरी, 2022 दिन–बुधवार, बी.ए. भाग–1,2,3 तथा एम. ए. भाग–1, 2, 3 तथा एम.ए.भाग 1, 2
विषयः– भारत शिरोमणि महाराणा प्रताप का संघर्षमयी जीवन का लक्षय
वक्ताः– डॉ. संजय श्रीवास्तव, डी.ए.वी. डिग्री कॉलेज, गोरखपुर

नोट : कार्यक्रम से सम्बन्धित तिथि, व्याख्याता एवं व्याख्यान शीर्षक सम्भावित है। विषम परिस्थितियों में इनमें परिवर्तन सम्भव है।

7. शोध व्याख्यान प्रतियोगिता :

विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति क्षमता एवं सम्प्रेषण कौशल के विकास हेतु एक विभाग स्तरीय व्याख्यान प्रतियोगिता के आयोजन की भी योजना है। यह प्रतियोगिता **24 जनवरी 2022, दिन–सोमवार** को प्रस्तावित है। **समय एवं परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए इस आयोजन की तिथि एवं प्रारूप में भी परिवर्तन सम्भव है।**

8. कार्यशाला :

(अ) नवम्बर/दिसम्बर (बी.ए. प्रथम द्वितीय एवं तृतीय तथा एम.ए.भाग–प्रथम, द्वितीय)

(ब) दिसम्बर/जनवरी (बी.ए.प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तथा एम.ए. भाग–प्रथम, द्वितीय हेतु)

विषय : 'छत्रपति शिवाजी की वंशावली' एवं उनका छापामार युद्ध तकनीक (गुरिल्ला युद्ध)

9. <u>उपचारात्मक कक्षाएं</u>

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम आने के उपरान्त फरवरी माह में 15 से 24 तक शैक्षिक दृष्टिकोण से आशानुरुप प्रदर्शन न कर पाने वाले विद्यार्थियों हेतु उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने की योजना है।

10. शैक्षिक भ्रमण :

विभाग द्वारा कुछ चुने हुए विद्यार्थियों को विषय की रोचकता को बढ़ाने एवं सम्बन्धित स्थलों का वास्तविक ज्ञान परिमार्जित करने के उद्देश्य से शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया जायेगा। यह शैक्षिक भ्रमण एक दिवसीय होगा। इस शैक्षिक भ्रमण के अन्तर्गत कुशीनगर, चौरीचौरा अथवा बौद्ध संग्रहालय गोरखपुर में से किसी एक स्थान का भ्रमण कराया जायेगा। यह शैक्षिक भ्रमण **06 फरवरी** को प्रस्तावित है।

नोट – विभाग द्वारा विभागीय/महाविद्यालय स्तर पर कराये जाने वाले समस्त कार्यक्रम चौरीचौरा शताब्दी वर्ष के अन्तर्गत आयोजित किये जायेंगे।

<u>ग्राम्य–दर्शनः</u>

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा महाविद्यालय से सटे ग्राम– भट्ठा चौराहा, जंगल धूसड़ को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लिये जाने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जागरूकता, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संचालित कर उन्हें भी समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर देना है। इस वर्ष विभाग द्वारा गोद लिये गाँव छोटी रेतवहियाँ में विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण एवं जनजागरूकता के लिए 4 तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं। ये 4 तिथियाँ हैं–

- 09 अगस्त 2021
- 02 अक्टूबर 2021
- 22 फरवरी 2022
- 29 मई 2022

नोट – विषम परिस्थितियों में इन तिथियों में भी परिवर्तन सम्भव है।

<u>गोद लिए गए विद्यार्थीः</u>

विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए विभाग का प्रत्येक शिक्षक 5 विद्यार्थियों को गोद लेता है। गोद लिये गये विद्यार्थी प्रायः प्रथम वर्ष के होते हैं। विभाग द्वारा इन विद्यार्थियों के पठन–पाठन से लेकर समग्र जिम्मेदारी एवं जवाबदेही सम्बन्धित विभागीय शिक्षक की होती है। गोद लिये विद्यार्थी एवं सम्बन्धित शिक्षक का सम्बन्ध पिता–पुत्र /पिता–पुत्री के समान होता है। शिक्षक समय–समय पर अपने गोद लिये गये विद्यार्थी के साथ उन्मुक्त वार्ता करता है, उनकी समस्याओं को सुनता है तथा यथाशक्ति उसका निराकरण करता है। वर्तमान सत्र में मेरे (सुबोध कुमार मिश्र) द्वारा 04 विद्यार्थी गोद लिये गये हैं जो सभी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी हैं तथा पिछले वर्ष से ही मेरे गोद में है। इन विद्यार्थियों का विवरण अग्रलिखित है।

क्र. स.	नाम	कक्षा	आई.डी.	मोबाइल नं.
1	प्रकाश पाण्डेय	बी.ए. भाग तीन	2018190304	9546132280
2	सुधीर कुमार चौहान	बी.ए. भाग दो	201920002	6307202896
3	अभिषेक यादव	बी.ए. भाग एक	2020210024	6394358669
4	श्यामसुन्दर यादव	बी.ए. भाग एक	2020210132	7236029006
5	ईश्वरचन्द निषाद	बी.ए. भाग दो	201920350	9076924451

<u>विभागीय पुस्तकालय</u>

विभाग ने केन्द्रीय ग्रन्थालय के अतिरिक्त अपने स्तर पर एक विभागीय पुस्तकालय का प्रबन्ध किया है। विभागीय पुस्कालय में वर्तमान समय में 110 पुस्तकें हैं। विभाग के पास इन पुस्तकों की सूची उपलब्ध है। विभाग अपने स्तर पर विषय के विद्यार्थियों

को निश्चित नियमों के अन्तर्गत पुस्तक निर्गत करता है। विभाग के शिक्षक स्वयं यथासम्भव प्रतिदिन केन्द्रीय पुस्तकालय में जाते है तथा अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते है।

वेबसाइट फेसबुक

महाविद्यालय प्रशासन अपनी सूचनाओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए अपने वेबसाइट तथा फेसबुक पेज का उपयोग करता है। विभाग भी अपनी सूचनाओं को विभागीय विद्यार्थियों को साप्रेषित करने के लिए कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के अतिरिक्त महाविद्यालय की वेबसाइट एवं फेसबुक पेज का भी उपयोग करता है।

छात्रसंघ/नैक/ एन.सी.सी/एन.एस.एस. में विभाग की भूमिका

विभाग समय–समय पर महाविद्यालय के विविध शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रकल्पों तथा छात्रसंघ, नैक, एन.सी.सी. तथा एन.एस. एस. में भी अपना योगदान देता है। छात्रसंघ प्रभारी द्वारा निर्गत सूचनाओं को अपने कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप के द्वारा विभाग विद्यार्थियों में सम्प्रेषित करता है। नैक प्रभारी द्वारा समय–समय पर विभाग से मांगे गए शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराता है एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी प्रतिभाग करने के लिए विभाग अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका

परिसर अनुशासन को बनाए रखने में विभाग महाविद्यालय के नियन्ता मण्डल का पूर्ण सहयोग करता है। विभाग के शिक्षक महाविद्यालय परिसर में जहाँ भी रहते है, अपने अगल–बगल एक निश्चित सीमा तक की अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध एवं जवाबदेह होते है। विभाग के आस–पास के अनुशासन व्यवस्था की भी पूर्ण जिम्मेदारी विभागीय शिक्षक की होती है।

समय–सारणी

महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय–सारणी उपलब्ध कराया जाता है। समय–सारणी के अन्तर्गत बी.ए. भाग एक, दो की प्रतिदिन एक–एक कक्षा जब की बी.ए. भाग तीन की सोमवार–मंगलवार दो–दो तथा शेष दिन एक–एक कक्षा संचालित होती है। विभाग द्वारा समय–सारणी का शत–प्रतिशत पालन किया जाता है।

पठन–पाठन, तकनीकी प्रसार एवं शिक्षक ब्लाग

विभाग कक्षाओं के पठन–पाठन में नित्य नूतन प्रयोग करता रहता है। साथ ही साथ विभाग पठन–पाठन की बहुधा नवीन तकनीकों का भी समावेशन कक्षाओं में करता है। विभाग के शिक्षक विभिन्न शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग करते है। इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षक अपने ब्लाग पर विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पाठ्यसामाग्री भी समय–समय पर अपलोड करते चलते है। सत्र 2021–22 में विभाग की यह योजना है कि समस्त कक्षाओं के समस्त प्रश्नपत्रों का सम्पूर्ण पी.पी.टी बनाकर ब्लाग पर अपलोड कर दिया जाए। वर्तमान समय में विभागीय शिक्षक के ब्लाग पर 05 पी.पी.टी. कंटेन्ट, 11 शोध पत्र, 6 नोट्स, सत्र 2020–21 के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के 07 प्रश्नपत्रों सहित अपना अद्यतन आयोडाटा अपलोड है। आगे इस ब्लाग को और अधिक समृद्ध करने की योजना है।

शिक्षक–आचार संहिता

महाविद्यालय में शिक्षकों के लिए शिक्षक आचार संहिता लागू है जिसका विभाग के द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जाता रहा है और आगे भी किया जाता रहेगा।

शिक्षाशास्त्र

विशिष्ट व्याख्यान

सत्रारम्भ के पहले दूसरे दिन – विषय परिचय, कार्यपद्धति, भाषा परिसर संस्कृति।

विभागीय योजनाएँ

(1) पाठ्यक्रम योजना – महाविद्यालय की वेबसाइट पर सत्र के प्रारम्भ में सम्पूर्ण वार्षिक पाठ्–योजना अद्यतन उद्धारित कर दी जाती है।

(2) पठन–पाठन – प्रत्येक माह में 30% कक्षायें प्रोजेक्टर (PPT) पर संचालित करने की योजना है।

(3) कक्षाध्यापन – प्रत्येक सप्ताह में कक्षाध्यापन महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं के अभिमुखीकरण हेतु एक

अनूठी योजना है जिसका प्रयोग पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कराया जाता है। यह योजना इस सत्र भी सउद्देश्य चलती रहेगी।

(4) मासिक मूल्यांकन – प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम के आधार पर बहुविकल्पीय, विस्तृत उत्तरीय 30 अंक का प्रश्न बनाकर छात्र/छात्राओं को दिया जाता है।

(5) शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – प्रत्येक सत्र में दो बार छात्र/छात्राओं से शिक्षक के मूल्यांकन हेतु प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक द्वारा अपने शिक्षण विधि का मूल्यांकन करना है।

(6) शिक्षक स्वमूल्यांकन – विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा हर माह की 10 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाईन भरा जाता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक द्वारा स्वयं का आन्तरिक मूल्यांकन करना है

(7) प्रगति आख्या – बी.ए. में शिक्षाशास्त्र विषय पढ़ रहे विद्यार्थी की एक सत्र की सम्पूर्ण कक्षागत गतिविधियां, आचरण व्यवहार का माहवार संकलन किया जाता है यह प्रत्येक सत्र में ऑनलाईन/ऑफलाईन तैयार किया जाता है।

(8) पुस्तकालय – विभागीय शिक्षक अध्ययन/अध्यापन हेतु पुस्तकालय में अद्यतन रहते हैं तथा छात्र/छात्राओं को इसके लिए प्रेरित किया जाता है। पुस्तकालय की आवागमन पंजिका पर शिक्षक हस्ताक्षर करते है यह योजना वर्तमान सत्र में भी चले इसका प्रयास किया जायेगा।

(9) गोद लिए गये विद्यार्थी – विभाग में प्रत्येक शिक्षक द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थियों के जन्म दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्य महाविद्यालय के अतिरिक्त व्यक्तिगत आधार पर चिन्हित स्थान पर सुनिश्चित कराना।

(10) स्वैच्छिक श्रमदान – विभाग के शिक्षकों के द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है तथा छात्र/छात्राओं को इसके लिए प्रेरित किया जाता है। जिसको उद्देश्य छात्रों में सहनशीलता, विनमता को विकसित करना।

(11) यूट्यूब/फेसबुक – इस सत्र में यूट्यूब चैनल द्वारा छात्र/छात्राओं को पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा।

(12) शिक्षक ब्लॉग – महाविद्यालय की वेबासाइट पर शिक्षाशास्त्र विभाग की सभी शिक्षकों का व्याख्यान शत प्रतिशत पी.पी.टी. के रूप में अपलोड करने की योजना है। इस सत्र में ब्लॉग पर विषय सारांश को ब्लॉग पर डालने का प्रयास किया जायेगा।

(C) शिक्षण विधियाँ–

(1) व्याख्यान विधि – शिक्षण विधियों में व्याख्यानके बिना सम्पूर्ण शिक्षण अधूरा है। बी.ए. की कक्षाओं में शिक्षक व्याख्यान विधि का प्रयोग करते है।

(2) प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं – इस सत्र में अधिकाशतः कक्षाएं पावर प्वाइट पर लेने की योजना है।

(3) उपचारात्मक अनुदेशन – मासिक मूल्यांकन परीक्षण में जिस विषय वस्तु पर अच्छी उपलब्धि नहीं दिखाई पड़ती उस विषय पर पुनः उपचारात्मक अनुदेशन किया जाता है।

(D) व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, प्रतियोगिता, कार्यशाला

(1) 07 जुलाई – वन महोत्सव सप्ताह पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

(2) 04 सितम्बर – निबन्ध प्रतियोगिता
विषय– शिक्षा में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की भूमिका

(3) 13 सितम्बर – शिक्षा मनोविज्ञान एवं उसक क्षेत्र,

(4) 20 सितम्बर – कम्प्यूटर प्रबन्धन अनुदेशन

(5) 02 अक्टूबर – गाँधी भजन एवं टीकाकरण जागरूकता रैली

(6) 21 अक्टूबर – पोस्टर प्रतियोगिता (आजाद–हिन्द फौज स्थापना दिवस पर)
विषय– स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी

(7) 12 नवम्बर – व्याख्यान प्रतियोगिता (मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि पर)
विषय– मदन–मोहन मालवीय का शिक्षा दर्शन

(8) 16 नवम्बर – निबन्ध प्रतियोगिता
विषय– महिला सशक्तिकरण

(9) 22 नवम्बर – कविता पाठ प्रतियोगिता (झलकारीबाई जयन्ती)
विषय– प्राविधिक शिक्षा का महत्व

(10) 14 दिसम्बर – शिक्षा में संख्यिकी का महत्व

(11) 23 दिसम्बर – भाषण प्रतियोगिता (किसान दिवस चौधरी चरण सिंह जयन्ती)
विषय– जय जवान–जय किसान

(12) 28 दिसम्बर – शिक्षा में भाषा समस्या (डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय)

(13) 04 जनवरी – मेंहदी प्रतियोगिता

(14) 12 जनवरी – व्याख्यान प्रतियोगिता (युवा दिवस)
विषय– वर्तमान शिक्षा जगत में युवाओं की भूमिका

(15) 25 जनवरी – सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता (मतदान दिवस पर आयोजित)

3.a **कक्षाध्यापन**

	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
I	NA	5,12,21	7,14	1,11	8,17	3,14,21	6,13,22
I I	20,29	5,12,21	7,14,22	11	6,20,29	17,24	8,18,20
I I I	23,31	7,16	2,9,16	5,20	11,22	9,18	3,10,19

नोट – वर्तमान सत्र में बी.ए. द्वितीय वर्ष की कक्षाएं 16 जुन से आनलाइन संचालित की जा रही हैं। जिसके कारण पाठ्ययोजना के संचालन में आंशिक संशोधन हो सकता है।

मासिक मूल्यांकन

	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
I	NA	31	22	25	26	31	31
I I	NA	31	30	26	29	24	27
I I I	23,31	24	25	27	30	27	28

नोट – उपर्युक्त कार्यक्रम की तिथि/अतिथि के सन्दर्भ में समय एवं परिस्थिति के आधार पर परिवर्तन हो सकता है। यह सभी कार्यक्रम विभाग द्वारा प्रस्तावित है।

Department of English Literature
Departmental Action Plan

Classes according to time table

College has allotted II period for the B.A. I year in Chhatrapati Shivaji kaksh, V period for B.A. III year in Madan Mohan Malviya kaksh & VI period for B.A. II year in Dadhichi kaksh. Dept. will take all the classes at the allotted time in the allotted kaksh.

Lesson Plan

Dept. teaches according to the lesson plan. Though last year dept. was not able to continue classes according to the lesson plan due to covid-19. Last year 104 working days for B.A. I year & 117 working days for B.A. IIyear & III year were available but dept. had taken 112 classes in B.A. I year, 154 classes in B.A. II year & 139 classes in B.A. final year.

This year classes of B.A. II have been started from 16th June 2021 & dept. will try to complete the syllabus according to lesson plan & on time. **Extra classes will be managed during the working days & hours.**

Class Teaching

After every fifth working day, sixth day's classes are taken by the students which help in personality & academic development of the students. The team of class teaching is declared on the previous class teaching day. Class teaching help them in continuous development of verbal expression, thinking, communication skill and analytical ability. Lecturer helps them to be ready with their allotted topic. Each & every student is provided an opportunity to participate in class-teaching according their ascending I.D. No. Last year more than 24 students out of 30 in I year, 5 students out of 9 in II year & 8 out of 8 regular students had participated in III year. **This year dept. will try to achieve that more than 70% participation of students.**

This year's class teaching schedule is:

Class	**Class Teaching Schedule**						
	July	August	September	October	November	December	January
B.A. I	NA	6,14	1,8,15	4,18	9,18	7,15,22	6,13,24
B.A. II	22,29	5,12,21	7,14	1,11	8,17	3,14,21	5,12,21
B.A. III	22,29	5,12,21	7,14	1,11	8,17	3,14,21	5,12,21

Monthly Evaluation

In the last week of the month, monthly evaluation is scheduled as it help Lectures to assess that revealed or the taught portion of the month was understood by the students before it's too late. Evaluation shows that how many have failed to grasp a particular chapter & a lecturer can reteach it. If a few are confused, the lecturer can provide individualized help. It also help students to get ready for the examinations & to know their weak points. Last year 30% students participated in the monthly evaluation. **This year dept. will try to assure participation of every regular student.** This year monthly evaluations are held on:

Class	**Monthly Evaluation Schedule**						
	July	August	September	October	November	December	January
B.A. I	NA	23	23	26	27	30	31
B.A. II	NA	31	22	25	26	29	31
B.A. III	NA	31	22	25	26	29	31

Power-point classes

This year Dept. has decided to take 100% classes on projector through ppt presentation too. Though dept. has uploaded the complete syllabus of B.A. I, II &III year on the Departmental Blog in the notes form last year. Department will ask students to access the blog. The students who want to take the benefit of power point class as well as notes online they have to access the blog of the department.

Teaching Methodology

Chalk & talk
Book Reading
Power-Point
Explanation Method
Participatory Method
Class Teaching
Group Discussion
Real time question
Problem solving sessions
Competition

Guest Lectures

"Something different than the usual always seems interesting!"

Guest lectures & workshops enhances the educational experience of the students. It provides them opportunity to learn new, when students are guided by the professors or the guest lectures they learn a ton, with such aim Dept. has planned to organise guest lectures workshop for the students on:

Proposed Guest Lectures

Date	Topic	Lecturer
08th Sept. 21	Gaming effect on language & communication	Dr.Sudheer Narayan Singh, H.O.D Department of Huminites & Management Science, MMMUT, Gorakhpur
26th Nov. 21	Film, society & literature	Dr. Anugrah Tiwari, Associate prof. Dept. of English Lit., St. Andrews College, Gorakhpur
23rt Dec. 21	Growth of Indo-Anglian literature	Prof. Shikha Singh, Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur

Proposed Seven Days Workshop

19th-25th Jan. 22 Wednesday-Tuesday

Date	Topic	Lecturer
19th Jan. 22	Inauguration ceremony & An Introduction to criticism & growth of criticism	Prof. Alok, H.O.D., Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
20th Jan. 22	Biographicial criticism	Prof. Alok, H.O.D., Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
21th Jan. 22	Comparative criticism & Chicago school of criticism	Dr. Rajesh Srivastava, Asst.Prof. Dept. of English Lit., Govt. P.G.College, Dhara, Kushinagar.
22th Jan. 22	Psychological criticism	Dr. Rajesh Srivastava, Asst.Prof. Dept. of English Lit., Govt. P.G.College, Dhara, Kushinagar.
23th Jan. 22	Myth & feminist criticism	Dr. Rajesh Srivastava, Asst.Prof. Dept. of English Lit., Govt. P.G.College, Dhara, Kushinagar.
24th Jan. 22	New criticism	Dr. Pankaj Kumar Singh, Asst.Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University
25th Jan. 22	Practical criticism & closing ceremony	Dr. Pankaj Kumar Singh, Asst.Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University

- Only 30-40 students of B.A. II year & III year will be allowed to participate in the workshop. Selection of B.A. II year students for the participation will be based on their intrest for further studies in English literature.

Proposed Subject Experts

Prof. Alok, H.O.D., Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
Prof. Ajay Shukla, Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
Prof. Shikha Singh, Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
Dr. Anugrah Tiwari, Associate prof. Dept. of English Lit., St. Andrews College, Gorakhpur
Dr. Pankaj Kumar Singh, Asst.Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University
Dr.Sudheer Narayan Singh, H.O.D Department of Huminites & Management Science, MMMUT, Gorakhpur
Dr. Rajesh Srivastava, Asst.Prof. Dept. of English Lit., Govt. P.G.College, Dhara, Kushinagar.

❖ Date & Guest can be changed according to the current situation & avaibility of the guest lecturer.

Competitions

Competition not only promotes, improved teamwork & collaboration & enhances social emotional learning, but also develops academic heroes, beneficial peer comparisons & increase intrinsic motivation. So to bring all these, Dept. will organise some competitions as:

Date	Competition	Topic
22nd Oct 21	Essay Competition	Importance of voting in India
09th Nov 21	Elocution Competition	Natural Disasters, Pandemics & their impact on economic growth
08th Dec 21	Story-writing competition	Picture will be given
28th Dec 21	Lecture competition	-------------------
11th Jan 22	Extempore	-----------------

Last year due to covid-19 very few students were regular & only 2-3 students had participated online so only 30% of students had participated. **This year dept. will try to train the students for the proper use of technology so they can participate even online & will inspire all the students to participate.**

Problem Solving class & Remedial Class

IV Period will be declared as Problem solving class for the Students of B.A I, II & III year. The period of 15thfeb-24thfeb will be declared as remedial class after pre-university examination to clear their doubts & to discuss their writing skill to get more marks.

Shikshak Pratipusthi Prapatra

This year too Dept. will take feedback of students on prescribed format twice in a year i.e. in the month of September & January to improve the teaching methodology & to know what are the expectations of the students from the class & college. Last year 100% regular students had filled feedback form.

Self-assessment & progress report

Dept. fills self-assessment form each & every month's last day with the progress report of the students' online. It allows us to create critical reflective practice in our own actions. It strengthens & aware about the responsibilities over own work & increase control & ownership of our professional development.

This year too dept. will continue and try to submit both either on the last day of the month or the first day of the upcoming month as dept. has done since 2006.

Value added Course

Dept. had conducted spoken classes free of cost since 2007-2019 but due to Covid-19 last year (session 2020-2021) Dept. had postponed the scheme. **This year dept. will try to conduct spoken classes from Nov 21-Feb 22.**

Library

Dept. visits & spends at least half an hour to forty minutes in the library everyday & promotes students too to visit library & provides them lists of books to access some supplementary books.

Dept. has its departmental library too but very few books are available in the departmental library as Dept. is attached to central library.

Blog

Last year dept. had uploaded Departmental report, one research paper & 100% of syllabus of B.A. I, II & III year and Pre-University Question Papers on the blog which is provided by the college on the college website. This year dept. will try to upload all the research paper on the blog.

Technical extension

Dept. will try to take classes on smart board this year.

Swachik Shramdaan

Dept. along with 60% students of the dept. participate in swachik shramdaan to develop the habit of cleanliness & to make Students feel that labourers are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one.

Apart from this shramdaan provides our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness& benefits the body in so many ways.

Though last year due to covid 19 swachik shramdaan was suspended. I hope this year situation will be normal & Dept. will again participate in swachik shramdaan.

समाजशास्त्र विभाग

1. **विशिष्ट व्याख्यान –** समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दिनांक 18.01.2022 प्रस्तावित विषय – ''भारतीय समाज : मुद्दे एवं चुनौतियाँ''
2. **शोध व्याख्यान प्रतियोगिता –** समाजशास्त्र विषय के छात्र/छात्राओं में शोध अभिरूचि बढ़ाने हेतु शोध व्याख्यान प्रतियोगिता दिनांक 18.12.2021 को प्रस्तावित है।
3. **अतिथि व्याख्यान–** समाजशास्त्र विषय के छात्र–छात्राओं हेतु प्रत्येक माह में गत सत्र की भाँति अतिथि व्याख्यान पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रस्तावित है।
4. **अतिथि व्याख्यान हेतु प्रस्तावित अतिथियों के नाम –** दिनांक

(1) **डॉ. भूपेन्द्र सिंह**, (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, भवानी प्रसाद पाण्डेय पी.जी. कालेज, करीमनगर, चरगांवा, गोरखपुर) 20.08.2021

(2) **डॉ. श्रीराम यादव,** (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, बापू पी.जी. कालेज, पीपीगंज, गोरखपुर) 22.09.2021

(3) **डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय,** (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, नेशनल पी.जी. कालेज, बड़हलगंज, गोरखपुर) 21.10.2021

(4) **प्रो. श्रीमती संगीता पाण्डेय** (विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गो. वि. गोरखपुर) 17.11.2021

(5) **डॉ. अनुराग द्विवेदी** (एसो. प्रो. समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गो. वि. गोरखपुर) 22.12.2021

(6) **श्री दीपेन्द्र मोहन सिंह**, (सहायक आचार्य समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गो. वि. गोरखपुर) 22.01.2022

5. **कक्षाध्यापन –**

विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास के लिए साप्ताहिक कक्षाध्यापन महाविद्यालय की अत्यन्त महत्वाकांक्षी योजना है। विभाग द्वारा पाठ्यक्रम योजना के अनुसार सप्ताह में पाँच दिन के कक्षा के उपरान्त छठे दिन साप्ताहिक कक्षाध्यापन विद्यार्थियों द्वारा कराया जाता है जिसमें पाँच से छः दिन पहले विद्यार्थियों को 'शीर्षक' उपलब्ध करा दिया जाता है एवं निर्धारित तिथि को कक्षाध्यापन कराया जाता है। विद्यार्थी तैयार किये गये शीर्षक को निर्धारित समय में पूर्ण करता है। कक्षाध्यापन का उद्देश्य विद्यार्थियों के मन से झिझक एवं डर को दूर कर उनके अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना है।

6. **कक्षाध्यापन सूची –**

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम वर्ष	NA	7,16	2,9,16	5,20	11,20	8,16,23	7,17
बी.ए. द्वितीय वर्ष	23,30	6,14,23	8,15	4,18	9,18	7,15,22	6,13,24
बी.ए. तृतीय वर्ष	23,30	6,14,24	7,15	4,18	9,18	7,15,22	6,13,22
एम. ए. प्रथम वर्ष	NA	7,16	2,9,16	5,20	11,20	8,15,22	6,13,22
एम. ए. अन्तिम वर्ष	23,30	6,14	1,8,15	4,18	9,18	7,15,22	6,13,22

7. **मासिक मूल्यांकन –**

विभाग द्वारा प्रत्येक माह में पाठ्यक्रम योजना के अनुसार पढ़ाये गये व्याख्यान से दीर्घउत्तरीय 3 (तीन) एवं बहुविकल्पीय आधारित प्रश्न देकर विद्यार्थियों को निर्धारित कक्षा की घण्टी में जमा करके उसका मूल्यांकन किया जाता है और सभी विद्यार्थियों को उनके अंक बता दिये जाते हैं एवं उसका विवरण प्रगति आख्या पर अंकित कर दिया जाता है।

8. मासिक मूल्यांकन सूची –

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम वर्ष	NA	26	25	27	29	31	24
बी.ए. द्वितीय वर्ष	NA	26	23	26	27	30	31
बी.ए. तृतीय वर्ष	NA	31	23	26	27	30	31
एम. ए. प्रथम वर्ष	NA	24	25	27	29	30	31
एम. ए. अन्तिम वर्ष	NA	23	23	26	27	31	31

9. ग्राम्य दर्शन – इस योजना के अन्तर्गत विभाग के शिक्षक गोद लिए गए गाँव का भ्रमण करने विद्यार्थियों के साथ जाते हैं। ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, सरकारी योजनाओं के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया जाता है। गत वर्ष की भाँति विभाग इस वर्ष निर्धारित कार्यक्रमों के साथ ग्रामीणो में जागरूकता के कार्यक्रम प्रस्तावित तिथियॉ के अनुसार करेगा।

ग्राम्य दर्शन की प्रस्तावित तिथियाँ–

08 अगस्त, 2021
24 अक्टूबर, 2021
27 फरवरी, 2022
29 मई, 2022

10. कार्यशाला – वर्तमान सत्र में विभाग द्वारा सप्तदिवसीय कार्यशाला की योजना है जो दिनांक–23.10.2021 से 30.10.2021 तक प्रस्तावित है।

11. राष्ट्रीय संगोष्ठी – विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने की योजना है। दिनांक 17.01.2022 से 19.01.2022 तक प्रस्तावित विषय – '' सामाजिक सरोकार में नाथ पंथ का योगदान।''

12. पाठ्यक्रम योजना – विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम योजना के अनुसार सभी कक्षाएं संचालित होती हैं। विगत वर्षों में 16 जुलाई से स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं परास्नातक अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हो जाती रही है, तथा 1 अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ होती हैं। वर्तमान सत्र में 16 जून से स्नातक द्वितीय एवं परास्नातक अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हो चुकी है तथा स्नातक प्रथम एवं तृतीय वर्ष तथा परास्नातक प्रथम वर्ष की कक्षाएं 11 अगस्त से संचालित होंगी।

13. समय–सारणी – विभाग की कक्षायें पूर्णतः समय–सारणी के अनुसार संचालित होती हैं।

14. पठन–पाठन – समाजशास्त्र विभाग में सामान्यतः निम्नलिखित शिक्षण विधियों से पठन–पाठन कराया जाता है–

i व्याख्यान विधि

ii प्रश्नोत्तर विधि

iii समूह चर्चा

iv प्रोजेक्टर (PPT)

15. पुस्तकालय – विभागीय शिक्षक अध्ययन हेतु पुस्तकालय में जाते हैं एवं विभागीय विद्यार्थियों को खाली घण्टी में पुस्तकालय में जाकर पढ़ने के लिए प्रेरित करते है। पुस्तकालय के पंजिका पर आते व अध्ययन के उपरान्त समय लिखकर हस्ताक्षर किया जाता है।

16. शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – विभाग द्वारा प्रत्येक सत्र में सितम्बर एवं जनवरी माह में शिक्षक उन्नयन हेतु विद्यार्थियों के सुझावों के आधार या शिक्षक मूल्यांकन सुधार करता है।

17. शिक्षक स्वमूल्यांकन – विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा हर माह 10 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरा जाता है जिसमें शिक्षक के आने जाने का समय, किसी कार्यक्रम में स्वप्रेरणा से सहयोग, सम्बन्धित दायित्व निर्वहन आदि बातों का उल्लेख किया जाता है।

18. **यूट्यूब / फेसबुक / सोशल मीडिया –** विभाग द्वारा महाविद्यालय के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों एवं आयोजनों का जो महाविद्यालय यूट्यूब व फेसबुक के माध्यम से सीधा प्रसारण होता है, विद्यार्थियों के कक्षा समूह पर लिंक भेजकर सम्बन्धित आयोजनों एवं कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रेरित करता है।

19. **तकनीकी प्रसार –** विगत सत्र में प्रोजेक्टरयुक्त कक्षाएं विभाग के शिक्षकों द्वारा चलाई गई है। इस सत्र में सभी कक्षाएं प्रोजेक्टर पर पढ़ाने की योजना है। महाविद्यालय के वेबसाइट पर शिक्षक ब्लॉग पर विभाग के शिक्षकों द्वारा पी.पी.टी. अपलोड कर दिया गया है। जिसका उपयोग विद्यार्थी कभी भी डाउनलोड करके पढ़ सकते है।

20. **प्रगति आख्या –** इसके अन्तर्गत पढ़ाये गये व्याख्यानों की संख्या, छात्र उपस्थिति, कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन का अंक, आचरण व्यवहार, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं विश्वविद्यालय परीक्षा के अंकों का विवरण भरा जाता है। इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थी के पठन–पाठन की गतिविधियों का निरीक्षण का सुझाव देना है।

21. **विश्वविद्यालय पूर्व–परीक्षा –** इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय परीक्षा के मानक पर प्रश्नों को बनाकर आगामी परीक्षा की तैयारी के लिए उसे विभिन्न खण्डों में विभक्त कर मासिक मूल्यांकन के प्रश्नों का स्वरूप दे दिया जाता है जिससे विद्यार्थी आगामी परीक्षा के लिए अच्छे से तैयार हो सके।

22. **गोद लिए गये विद्यार्थी –** विभाग का प्रत्येक शिक्षक प्रथम वर्ष के पाँच विद्यार्थियों को गोद लेता है।

गोद लिए गए विद्यार्थियों का विवरण :

शिक्षक : डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

i सत्य प्रकाश तिवारी

ii अमित कुमार पाण्डेय

iii रूपेश विश्वकर्मा

iv अन्नू चौहान

v विशाल चौहान

शिक्षक : बृजभूषण लाल

i बलिराम रौनियार

ii प्रीती कुमारी

iii कंचन गौड़

iv रूबी निषाद

v प्रियंका श्रीवास्तव

vi स्नेहा गुप्ता

vii कामिनी सिंह

विद्यार्थियों को गोद लेने का उद्देश्य अभिभावक के रूप में व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहना, उनकी समस्या जानना एवं उचित समाधान करना, सामूहिक, रचनात्मक कार्यो के साथ ही विभाग एवं महाविद्यालय के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सहभाग के लिए प्रेरित करना, एवं स्वच्छता तथा अनुशासन को बनाये रखना। उपर्युक्त विद्यार्थियों का इस सत्र में स्नातक पूर्ण हो रहा है। वर्तमान सत्र में नये विद्यार्थियों का चयन कर लिया जायेगा।

23. **पृष्ठ पोषण (फीड बैक) कक्षाएं –** (15–20 फरवरी 2022) इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों की त्रुटियों आदि से अवगत कराया जाता है ताकि विद्यार्थी उन्हे सुधार सके साथ ही इस प्रक्रिया में छात्रों की अच्छी विशेषताए, अच्छे कार्य एवं उनके गुणो व अच्छाइयों के बारे में बात करके उन्हे उससे अवगत कराया जाता है।

24. प्रार्थना सभा – महाविद्यालय में प्रार्थना सभा प्रत्येक दिन 09:25 से 09:40 तक आयोजित की जाती है जिसमें विभाग के शिक्षक अनिवार्य रूप से उपस्थित होते है साथ ही विभाग के सभी विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा में उपस्थित होने के लिए प्रेरित करते है। महाविद्यालय की परम्परानुसार प्रार्थना सभा प्रत्येक सत्र में 01 अगस्त से 30 जनवरी तक सम्पन्न की जाती है इसका उद्देश्य राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना, गीता उपदेश के माध्यम से राष्ट्रप्रेम एव भक्ति भावना का भाव जागृत करना है तथा प्रत्येक कार्यदिवस में पड़ने वाले महापुरूषों की जन्मतिथि एवं पुण्यतिथि तथा अन्य महत्वपूर्ण दिवसों पर उद्बोधन के माध्यम से प्रेरित किया जाता है।

25. स्वैच्छिक श्रमदान – इसके अन्तर्गत सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को कक्षाएं 40 मिनट की चलती है। इस दिन 01 घण्टे 10 मिनट के समय में महाविद्यालय के शिक्षको एवं विद्यार्थियों के साथ विभाग के सभी शिक्षक स्वैच्छिक श्रमदान करते है। इसका उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।

26. निःशुल्क चिकित्सा – महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह में दो दिन चिकित्सा शिविर का आयोजन होता है। विभाग के शिक्षकों द्वारा महाविद्यालय के आस–पास के गांवो में स्वास्थ्य लाभ हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाता है।

27. राष्ट्रीय सेवा योजना – महाविद्यालय की स्थापना काल से ही यह योजना लागू है। विभाग के शिक्षक श्री बृजभूषण लाल वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे है। साथ ही विभाग के शिक्षक समाजशास्त्र विषय के विद्यार्थियों को सदस्यता ग्रहण करने के लिए प्रेरित करते है।

28. रोवर्स रेंजर्स – महाविद्यालय में गत वर्ष की भांति यह योजना लागू है विभाग के शिक्षक श्री बृजभूषण लाल रोवर्स रेंजर्स प्रभारी के रूप में इस सत्र में अपना दायित्व का निर्वहन कर रहे है।

29. उपर्युक्त के अतिरिक्त शिक्षक आचार संहिता का पालन करना, महाविद्यालय में अनुशासन बनाये रखना, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना, बिजली पानी की बचत, परिसर संस्कृति के अनुरूप शिक्षक, विद्यार्थी आचरण/व्यवहार बनाये रखना आदि के लिए शिक्षक द्वारा समय–समय पर प्रेरणा दी जाती है।

नोट– उपर्युक्त कार्यक्रम की तिथि/अतिथि के सन्दर्भ में समय एवं विशेष परिस्थिति के आधार पर परिवर्तन हो सकता है। यह सभी कार्यक्रम विभाग द्वारा प्रस्तावित है।

Psychology Department

The annual departmental plan of the psychology department has been prepared keeping in mind the personal, educational, behavioral and social upliftment of the students. For this work, after reviewing the progress report of the students, the efforts of the teachers regarding them have been outlined. The annual plan for lectures, seminars, workshops, competitions etc. is made keeping in mind the curriculum plan.

Since its inception, the educational objective of the Department of Psychology has been full of various dimensions like positive, developmental, interesting, innovative etc. All the teachers of the department are committed to fulfill these objectives. The heart of the action plan of the Department of Psychology is always to come true to the ground of reality. Departmental action plan of Psychology Department are –

Departmental Action Plans

- **Start of the Session**

After the completion of the admission process by July 30, it has been decided to conduct the first year and third year classes from August 11. Classes for the second year of graduation have started from 16th June and will be completed by 30th January as per the course plan.

- **Time Table**

Every class in the college is conducted according to the time table, the class of psychology will also be conducted according to the time table.

- **Practical Classes**

The practical classes for the undergraduate classes will start from August 16. Field work will be done after completing the laboratory work of third year classes by December 30.

- **Laboratory**

The laboratory will be kept updated. The cleanliness and safety of the laboratory will be ensured. For the purchase of necessary equipment and other materials for the laboratory, the demand letter will be sent to the principal through the laboratory in-charge. Experimental equipment will be entered in the store register, the test and verification of the storage register will be done by the laboratory in-charge and principal in the month of March at the end of the session.

- **Teaching – Learning Process**

It will be the goal of the department that the teaching-learning can be effective and of high quality. According to the syllabus plan, the syllabus of all classes will be completed by January 30, if due to any reason the syllabus of any question paper of any class will not be completed by January 30, then the concerned Teachers will complete the syllabus by teaching additional classes on the basis of the permission of the principal.

- **Course Plan**

Under this scheme the course plan is made well before the start of academic session and it is made open to everyone on the website of the college. In course plan the title and theme of the theory as well as practical classes are declared for everyday and students are well aware of it before coming to the college. In this session it was also uploaded on website. Classes of BA/BSc II are proposed from 15th June and theory classes of BA/BSc I & III are proposed from August 11.

- **Innovations in Class Teaching**

The use of smart boards, projectors, charts, models, etc., as aids in classroom teaching, will continue as in the previous sessions. All classes will be conducted through projectors. The lectures of all the question papers will be prepared and uploaded on the teacher blog of the college website. Apart from this, the departmental teachers will also put other text materials which will be useful for the students on their own blogs. Efforts will be made to provide information about other subjects to the students of psychology subject under the inter-disciplinary method. In each class, in the order of informal conversation by the departmental teachers, discipline, nation, society and college will be discussed in the context of life vision.
The following teaching methods will be used by Department of Psychology in classroom teaching:

➢ **Teaching Methods**

1.	**Live Classes**	E – Learning platform will be used in which live class conduct and interaction with students will be done through video conferencing.
2.	**Power Point Presentation**	In this method, the class will be conducted with the help of projector by presenting the PPT prepared on various topics of the syllabus.
3.	**Lecture / Explanation Method**	Like in the previous sessions, the teachers will use the method of lecture/Explanation to explain the various topics, facts and explain the contents in sequential and logical manner.
4.	**Participatory Method**	The teaching process is made effective and purposeful by making full active participation of teacher – student during class.
5.	**Inclusive education technique**	In the classroom, possible efforts are made to integrate the students with the mainstream keeping in view the specific needs of the students such as physical, intellectual, cognitive and socio – cultural etc.
6.	**Learning by doing**	By doing learning, complex tasks can be learned easily, so in psychology teaching, students are provided with the opportunity to learn by doing different tasks directly.
7.	**Group Discussion**	Group work is an effective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make

		decisions. It allows students to teach and learn from others.
8.	**Class Teaching**	Class Teaching helps students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

- **Weekly Class Teaching**

In this scheme every 6th day of the class is attributed to the class teaching made by the students. Class Teaching helps them in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability. For class teaching, on the first day of the beginning of the session i.e. 5 days before the class teaching, the names and subjects of the students teaching the class will be decided and declared in the class. Preparation of students for classroom teaching will be done outside the classroom. On the day of class teaching, one by one the students will be taught the class on a predetermined topic. The students who have taught the class will not be given a second chance until one cycle of all the students is completed. The details of the students teaching the class will be kept by the departmental teachers with giving them marks in round of 10 marks. In class teaching, students will be motivated to present their subject matter properly.

Like previous years, this year also this scheme will continue.

- **Weekly Class Teaching Dates**

Class	**Class Teaching**						
	July	**August**	**September**	**October**	**November**	**December**	**January**
B.A./ B.Sc. I	NA	07, 16, 24	02, 09, 16	05, 20	09, 18	07, 15, 22	06, 13
B.A./ B.Sc. II	23, 30	06, 14	01, 08, 15	04, 18	09, 18	07, 15, 22	06, 13
B.A./ B.Sc. III	23, 30	06, 14	01, 08, 15	04, 18	09, 18	07, 15, 22	06, 13

- **Summary of the Lesson**

Students will not be given a photocopy of their lecture in every class by the teacher. As an alternative arrangement, students can get the course material of the subject through PPT uploaded on the teacher blog of the college website.

- **Monthly Evaluation (Assessment)**

Last days of class teaching of every month is scheduled as monthly test to evaluate the academic performance of the students. In order to know the desired behavioral changes of the students, a structural assessment is designed on the subject matter taught in each month, in which quantitative assessment of student`s achievement and ability is done by multiple choice and essay type questions. Like previous years, this year also this scheme will continue.

Monthly Assessment Dates

Class	Monthly Assessment						
	July	August	September	October	November	December	January
B.A. / B.Sc. I	NA	NA	25	26	27	30	22
B.A. / B.Sc. II	NA	23	23	26	27	30	22
B.A. / B.Sc. III	NA	23	23	26	27	30	22

- **Progress Report**

It is a record of the activities of students. Basically the records of the students that are maintained in progress report are attendance of the student, participation in class teaching and monthly evaluation, their character and behavior in the class and college premises, performance in pre-university exam and university exam etc. This scheme will be applicable in this session like every session. Progress report will be uploaded on the website by 10th of every month.

- **Analysis of Progress Report**

The analysis of Progress Report is made every year at the end of the session. It is annexed with Progress Report. Through this report the performance of entire classes and achievement are analyzed and it becomes the base of our performance for upcoming academic session.

- **Self-Assessment Report**

SAR is a technique of self-evaluation by the faculty members. All faculty members follow it. . SAR of every month is submitted by the 8th day of the next month. This SAR is the gist of duties and responsibilities performed by faculty members. It also includes the innovation, if any, made individually or in collaboration with other faculty members. It is a means of evaluation of continuous progress in the performance. SAR is observed by the Principal of the college. From previous session SAR is filled online at the college website. In this session it will also continue.

- **Faculty Feedback Report**

It is a technique to get the response from the students about the faculty members. In this process the students are given a particular form to fill about the academic performance and personal conduct of the faculty. Through this technique the faculty members improves their depth of knowledge and social behavior. This activity is performed twice in a year (September & January) and the copy of it is kept in the office for the observation by the Principal.

- **Adopted Students**

It is the scheme in which every faculty member is expected to adopt five students at least. These students belong to NSS, hostel, Rover Rangers, and class representatives. The faculty members are expected to monitor and interact with them regularly and help them in personality development. The adopted students of Dr. Venkat Raman are –

1.	Mahima Vishwakarma	B.Sc III	Class Representative
2.	Sadhna Singh	B.Sc III	N.S.S.
3.	Anugya Bharti	B,A. II	N.S.S.
4.	Vacant (It will be filled in this session)		
5.	Vacant (It will be filled in this session)		

- **Adopted Village**

To interact with local people and to develop public relation all faculty of the department adopt a village nearby the college and they visit there frequently. The Department of Psychology has adopted the villages Chhoti Jamunahiya which are about 3km. away from the college. Department are expected to understand the life and problems of the villagers and, if possible, do something better for them. The villagers are also made aware of government schemes so that they can get the maximum benefits. In this session, village tour is proposed to be held on August 8, October 24, February 27 and May 29.

- **Village Tour schedule**

August 2021

Date	Day	Time	Program
08-08-2021	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour

October 2021

Date	Day	Time	Program
24-10-2021	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour

February 2022

Date	Day	Time	Program
27-02-2022	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour

May 2022

Date	Day	Time	Program
29-05-2022	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour

- **Voluntary Contribution of Labour**

In this activity the faculty members and students contribute their labour for cleanliness and making eco-friendly environment of the college. This scheme is voluntary and performed on every weekend. It continues for one and half an hour on every weekend. In this session also this scheme will continue as before.

- **Remedial Course**

At the end of academic session remedial course is conducted to enhance the proper understanding of the subjects and allied themes. In this course the focus is given on those students who join the college late. Their unattended course is completed and their doubts are made clear. Exam related doubts are also made clear to the students. In this session these classes are proposed from 1st to 8th February 2022.

- **Remedial Classes Dates**

Date	Day	Time	Program
01-02-2022	Tuesday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class
02-02-2022	Wednesday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class
03-02-2022	Thursday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class
04-02-2022	Friday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class
05-02-2022	Saturday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class
07-02-2022	Monday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class
08-02-2022	Tuesday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class

- **Pre-University Exams**

Every year Pre-University exam is conducted and it is based on the pattern of University exams. The papers are made by faculty members with the help of previous years question papers. The exams are conducted to make the University exam student friendly. In this session also pre-university examination will be conducted.

- **Departmental Blog**

From last two years departmental blogs are being updated by the department. Every faculty members has been given their user id and password to update the blogs. On the blogs audio-visual study materials like PPT, PDF, Doc., YouTube clips are made available to the students. On the departmental blogs more than 150 PPT and PDF study materials are available for the students. They can also access the research papers of the faculty members. It will be updated from time to time in this session also.

- **Alumni**

Department of Psychology keeps the record of pass-out students and tries to remain in contacts with them. The department is having a list of such students and it is updated every year. The existing and new students get benefits due to the presence of old students, so this scheme will continue to run smoothly in this session as well.

- **Guidance and Counselling Services**

The Department will arrange the service of Guidance and Psychological Counselling for College Students, Faculty and Staff. The aims of guidance and counselling programs are to assist individuals to develop the ability to understand them, to solve their own problems, and to make appropriate adjustments to their environment. The objectives of guidance programme students are :

(i) Help students to make appropriate choice of course(s) in accordance with their abilities and interest.

(ii) Help them to plan their career based on the choice of course.

(iii) Make them aware of various job opportunities related to various courses.

- **Training of Counselling skills**

Counseling skills training will be arranged for the students of psychology department. It help them to become a good counselor in future.

- **Discipline**

The teachers of psychology department will take the responsibility of discipline around the psychology department.

- **Library**

According to the plan of the college, every teacher will make good use of his free time in the library to increase his talent and stay updated. In this regard every faculty of the department studies sitting in the library and registers their presence on the library register, this sequence will be continued by the faculty of the department this year as well.

- **NAAC & IQAC**

The department will continue to make available the records sought by NAAC from time to time.

- **Prayer Meeting**

Every day a prayer meeting is organized in the college from 9:20 am to 9:40 am, in which the teachers of the department compulsorily participate; this scheme will be applicable this year also.

- **E- Content on Government Digital Library**

The e-content was uploaded on the digital library by the faculty member of psychology department in the last session which will be applicable in this session also.

- **Uses of Smart Board**

Like the previous session, in this session also the smart board will be used by the faculty of the department for teaching work.

Workshop & Lectures

Guest lecturers help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lecturers can be used to make classes more approachable and appealing to students. In workshop by learning about new topics and meeting leaders in their field student feels encouraged and motivated. Listening to any prominent personality in workshop helps the student to gain information about their way of work or how things take place. In this regard Department of Psychology has planned several workshops and guest lecturers in this session.

October 2021

Date	**Day**	**Time**	**Program**
21-10-2021	Thursday	12:30 – 02:10 P.M.	Workshop

November 2021

Date	Day	Time	Program
25-11-2021	Thursday	09:40 – 10:30 A.M.	Special Lecture

December 2021

Date	Day	Time	Program
22-12-2021	Wednesday	12:30 – 02:10 P.M.	Workshop

January 2022

Date	Day	Time	Program
20-01-2022	Thursday	12:30 – 02:10 P.M.	Workshop

Lecture Competition

A spirit of competition teaches students the importance of taking a healthy risk instead of only doing activities that they are comfortable with. Taking risks for participating in lecture competition also helps build the self-confidence of students. Competition allows them to satisfy the need to win, competition provides the opportunity or reason for improving their performance, and competition motivates them to put forth greater effort that can result in high. Behind these objectives Department of Psychology has been organizing lecture competition which will be organized this year also on following dates:

January 2022

Date	Day	Time	Program
05-01-2022	Wednesday	12:30 – 02:10 P.M.	Extempore Lecture Competition
27-01-2022	Thursday	12:30 – 02:10 P.M.	Lecture Competition

List of Expected Guest of Workshop, Invited Lecture and Lecture Competition

1.	Dr. Sheela Singh	Associate Professor (Retd.) Digvijinath P.G. College, Gorakhpur
2.	Prof. Aubhuti Dubey	Professor, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur
3.	Prof. Dhanjay Kumar	Professor, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur
4.	Dr. Sushil Tiwari	Associate Professor (Retd.) St. Andrew`s College, Gorakhpur
5.	Dr. Premlata Verma	Associate Professor (Retd.) Bapu P. G. College, Pipiganj, Gorakhpur
6.	Dr. Vivek Shahi	Assistant Professor, Digvijinath P.G. College, Gorakhpur
7.	Dr. Vinod Gupta	Assistant Professor, D.A.V.P.G. College, Gorakhpur
8.	Dr. Abhay Pratap Singh	Assistant Profesor, Akhilbhagya P. G. College, Ranapar, Gorakhpur

Note : It is possible to change the dates, time and name of Gust of the above departmental programs according to the current circumstances.

वाणिज्य विभाग

प्रस्ताविकी – ''स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। शिक्षा परिषद और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि महाराणा प्रताप स्नातकोतर महाविद्यालय में अध्ययन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान–विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ–साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा को प्राप्त करे।

शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र गोरखपुर के ग्रामीण अंचल की क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरुप छात्र–छात्राओं में नेतृत्व एवं प्रशासनिक कुशलता के विकास एवं रोजगार

प्राप्त करने हेतु सुयोग्य बनाने के उद्देश्य से स्थापना काल से वाणिज्य विभाग, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ बी.काम, तीन वर्षीय पाठ्यक्रम एवं सत्र 2015–16 से एम.काम. दो वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। अतः वर्तमान सत्र 2021–22 में उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ती हेतु विस्तृत विभागीय कार्यक्रम एवं कार्ययोजना अधोवर्णित है।

नोट – किन्ही विशेष परिस्थिति में प्रस्तावित कार्यक्रम की तिथि एवं आमंत्रित अतिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्रं.सं.	दिनांक	विवरण
1.	16 जुलाई 2021	अभिरुचि व्याख्यान (शिक्षा कैसी होनी चाहिए? वर्तमान परिदृश्य में इसका स्वरूप) – व्याख्याता :श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
2.	08 अगस्त 2021	ग्राम–दर्शन – गाँव की स्थिति का अध्ययन – संयोजक : श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
3.	18 अगस्त 2021	अभिरुचि व्याख्यान (भविष्य में भारत की अर्थव्यवस्था) – व्याख्याता : श्री नन्दन शर्मा
4.	5 सितम्बर 2021	स्नातक प्रथम वर्ष परिचय समारोह व स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष परिचय समारोह – संयोजक : श्री नन्दन शर्मा
5.	11 सितम्बर 2021	अभिरुचि व्याख्यान (आधुनिक परिदृश्य में प्रबन्ध का बदलता स्वरूप) – व्याख्याता : सुश्री श्वेता
6.	15 सितम्बर 2021	प्रस्तावित अतिथि व्याख्यान (कोविड–19 परिदृश्य के अन्तर्गत छात्रोपयोगी अध्ययन रीतियाँ)
7.	30 सितम्बर 2021	एक दिवसीय कार्यशाला (विषय एवं पाठ्यक्रम केन्द्रित कार्यशाला) – संयोजक : श्री चन्दन कुमार ठाकुर
8.	05 अक्टूबर 2021	अभिरूचि व्याख्यान (व्यक्तित्व निर्माण में अध्यात्म की भूमिका) – व्याख्याता : श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
9.	22 अक्टूबर 2021	प्रस्तावित अतिथि व्याख्यान (वर्तमान परिदृश्य के सन्दर्भ में रोजगार प्राप्त करने के अवसर एवं चुनौतियाँ)
10.	24 अक्टूबर 2021	ग्राम–दर्शन – गाँव में स्वच्छता व स्वास्थ्य का मूल्यांकन – संयोजक : श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
11.	26 अक्टूबर 2021	एक दिवसीय कार्यशाला (शेयर बाजार केन्द्रित कार्यशाला) – संयोजक : सुश्री श्वेता
12.	13 नवम्बर 2021	प्रस्तावित अतिथि व्याख्यान (उद्यमिता विकास कार्यक्रम परिचय एवं समीक्षा वर्तमान सन्दर्भ में)
13.	25 नवम्बर 2021	अभिरुचि व्याख्यान (बाजार का बदलता स्वरूप)– व्याख्याता : श्री चन्दन कुमार ठाकुर
14.	15 दिसम्बर 2021	प्रस्तावित अतिथि व्याख्यान (सूचना प्रौद्योगिकी आधारित आर्थिक क्रियाएँ)
15.	18 जनवरी 2022	शोध व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातक स्तर) – संयोजक : श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
16.	19 जनवरी 2022	शोध व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर) – संयोजक : श्री चन्दन कुमार ठाकुर
17.	28 जनवरी 2022	एक दिवसीय कार्यशाला (परीक्षा प्रश्नों का उत्तर लेखन कला) – संयोजक : श्री नन्दन शर्मा
18.	27 फरवरी 2022	ग्राम–दर्शन– गाँव में शिक्षा स्तर का मूल्यांकन – संयोजक : श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
19.	29 मई 2022	ग्राम–दर्शन– गाँव में स्वच्छता, स्वास्थ्य व शिक्षा का मूल्यांकन व आगामी ग्राम–योजना – संयोजक : श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला

20. पाठ्यक्रम योजना – सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वार्षिक योजना निर्धारण बैठक में विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित शैक्षिक कार्यदिवस ज्ञात होते ही विस्तृत पाठ्यक्रम योजना निर्धारित कर दी जाती है। पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कार्यदिवस में प्रत्येक पाठ्यक्रम में दैनिक व्याख्यान का शीर्षक व संख्या विषय वार उपलब्ध होता है। विद्यार्थी इस योजना में वार्णित शीर्षक का पूर्व अभ्यास कर व्याख्यान में उपस्थित होता है फलस्वरूप ज्ञान अर्जन सहज हो जाता है।

यह योजना महाविद्यालय की वेवसाइट www.mpm.edu.in पर अपलोड कर दी गई है। विद्यार्थी इसे कभी भी देखकर इसका अनुसरण कर सकते है।

21. कक्षाध्यापन – प्रत्येक पाठ्यक्रम/कक्षा में एक सप्ताह में एक विषय के पांच व्याख्यान पूर्ण होने पर छठवें दिवस उस सप्ताह में पढ़े गये शीषर्क/पाठ पर विद्यार्थियों द्वारा अपने सहपाठियों एवं विषय शिक्षक के समक्ष कक्षाध्यापन किया जाता है। विद्यार्थी द्वारा कक्षाध्यापन के दिन शिक्षक भी इस भूमिका में उपस्थित रहते है। इस विधि से विद्यार्थियों में अर्जित ज्ञान की मौखिक अभिव्यक्ति व सम्प्रेषण कौशल के रूप में व्यक्तित्व विकास के आयाम प्राप्त करने में समर्थन मिलता है।

विद्यार्थियों को एक सप्ताह पूर्व ही पाठ्यक्रम योजना अनुसार शीर्षक तय कर दिये जाते है। विद्यार्थियो को चक्राक्रनानुसार कक्षाध्यापन का अवसर दिया जाता है परिणाम स्वरूप प्रत्येक विद्यार्थी को कक्षाध्यापन का अवसर प्राप्त होता है। पाठ्यक्रम योजना अनुसार प्रत्येक पाठ्यक्रम/कक्षा की माहवार कक्षाध्यापन तिथियाँ तालिका में उल्लेखित है जिसके अनुसार वर्तमान सत्र में विद्यार्थी कक्षाध्यापन विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी

बी.कॉम. भाग–1	लागू नहीं	05, 06, 07, 12, 14, 16, 31	01, 02, 06, 07, 08, 13, 14, 15, 30	01, 04, 09, 11, 18, 23, 25, 26	11, 12, 13, 20, 22, 23	08, 09, 11, 16, 17, 18, 23, 24, 27	07, 08, 10, 17, 18, 19
बी.कॉम. भाग–2	20, 22, 23, 28, 29, 30	05, 06, 07, 12, 14, 16, 31	01, 02, 07, 08, 09, 14, 15, 16	01, 04, 05, 11, 18, 20, 21, 22, 23	12, 16, 17, 23, 25, 26	11, 13, 14, 18, 20, 21, 27, 28, 29	10, 11, 12, 20, 21
बी.कॉम. भाग–3	20, 22, 23, 28, 29, 30	05, 06, 07, 12, 14, 16, 31	01, 02, 07, 08, 09, 14, 15, 16	01, 04, 05, 11, 18, 20, 21, 22, 23	12, 13, 16, 22, 23, 25	09, 11, 15, 17, 18, 20, 24, 27, 28	08, 10, 11, 18, 19, 20
एम.कॉम. प्रथम वर्ष	लागू नहीं	09, 10, 11, 12, 14, 16	10, 11, 13	01, 04, 05	12, 13, 16, 17, 18, 20	17	03, 04, 05, 06, 07
एम.कॉम. अन्तिम वर्ष	22, 23, 29, 30	06, 07, 14, 16	01, 02, 08, 09, 15, 16	04, 05, 18, 20, 21, 22, 23	12, 13, 16, 22, 23, 25	09, 11, 13, 17, 18, 20, 24, 27, 28	08, 10, 11, 18, 19, 20

22. मासिक मूल्यांकन – विस्तृत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रत्येक माह के अन्त में प्रत्येक विषय/प्रश्नपत्र में उस माह में पढ़ाए गये अध्याय आधारित प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन किया जाता है। मासिक मूल्यांकन में पूछे गये प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में दिये जाने वाले प्रश्नपत्र का अध्याय आधारित भाग होता है। प्रत्येक माह में विद्यार्थियों का मूल्यांकन 35 अंक निर्धारित किया गया है। इस प्रकार अगस्त से लेकर जनवरी तक कुल छः बार मूल्यांकन कर 210 अंको मे उनकी उपलब्धी पता चल जाती है। 210 अंको में 180 अंक के सैद्धान्तिक प्रश्न होने है और 30 अंक आचरण व्यवहार के मूल्यांकन हेतु होता है।

वाणिज्य विभाग द्वारा प्रत्येक माह के अन्त में मासिक मूल्यांकन की निर्धारित तिथियां तालिका में वर्णित कर दी गई है।

कक्षा	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.कॉम. भाग–1	21, 23, 24	21, 22, 23	27, 28, 29	29, 30	01, 31	01, 03, 24, 27, 28
बी.कॉम. भाग–2	21, 23, 24	22, 23, 25	28, 29, 30	दिसम्बर प्रथम सप्ताह में	01, 02, 03	03, 04, 05, 28, 29, 30
बी.कॉम. भाग–3	21, 23, 24	22, 23, 25	28, 29, 30	30	01, 02	01, 03, 04, 27, 28, 29
एम.कॉम. प्रथम वर्ष	25, 26, 27, 31	01, 02, 14, 15, 16, 27, 29, 30	21, 22, 23, 25, 26, 27	30	01, 02, 03, 08, 18, 20, 21, 22, 23	21, 22, 24
एम.कॉम. अन्तिम वर्ष	23, 24	23, 25	28, 29, 30	30	01, 02	01, 03, 04, 27, 28, 29

23. मासिक मूल्यांकन परिणाम – माह के अन्त में प्रत्येक विषय/प्रश्नपत्र का मासिक मूल्यांकन–परिणाम महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध आनलाइन प्रगति आख्या पर दर्ज कर दिया जायेगा। इस प्रगति आख्या को विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक कभी भी देख कर स्थिति जान सकते है।

24. स्व–मूल्यांकन प्रपत्र – प्रत्येक माह के पांचवे कार्यदिवस पर विभाग के शिक्षकों द्वारा स्वंय द्वारा किये गए गत मासिक कार्यों के विषय में मूल्यांकन किया जाता है। इसमें पठन–पाठन की सामान्य समीक्षा के अतिरिक्त स्वप्रेरणा से महाविद्यालय एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं समाज के प्रति किये गये कार्यों का भी उल्लेख किया जाएगा। वर्तमान सत्र में यह प्रपत्र कालेज वेबसाइट के माध्यम से जनसामान्य को समर्पित होगा।

25. प्रगति आख्या – प्रत्येक माह में स्व–मूल्यांकन प्रपत्र दर्ज करने के साथ ही विद्यार्थियों की कक्षावार प्रगति–आख्या महाविद्यालय की वेबसाइट पर दर्ज कर दी जाएगी। प्रगति आख्या में प्रत्येक माह में शिक्षक व्याख्यान संख्या, विद्यार्थियों को व्याख्यान में उपस्थिति, साप्ताहिक कक्षाध्यापन में विद्यार्थी की सहभागिता एवं उनके आचरण व्यवहार से सम्बन्धित प्राप्तांक एवं मासिक मूल्यांकन में उसका प्रदर्शन दर्ज किया जायेगा प्रगति आख्या देखकर विद्यार्थियों के अभिभावक घर बैठे ही अपने पाल्यों की प्रगति की समीक्षा कर सकते हैं।

26. शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – विभाग द्वारा वर्ष में दो बार 06 सितम्बर व 23 जनवरी को छात्रों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाएगा। इस सत्र में यह प्रपत्र महाविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से भरवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस प्रपत्र में विद्यार्थियों द्वारा दी गई सूचना का प्रयोग शिक्षक अपने व्यक्तित्व में उतार कर अपनी कमियों को दूर करेंगे एवं अपनी–अपनी शिक्षण शैली का परिमार्जन करेंगे।

27. गोद लिये गये छात्र – वाणिज्य विभाग द्वारा पंजीकृत छात्रों को गोद लेने की परम्परा विकसित की गई है विभाग का प्रत्येक शिक्षक न्यूनतम पांच विद्यार्थी को गोद लेता है। इस हेतु शिक्षकों द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थी के सभी अकादमिक

सामाजिक एवं व्यक्तिगत गतिविधियों एवं सूचनाओं को जाना जाता है और संवाद के माध्यम से सुधार एवं सम्बल प्रदान करने के दृष्टिकोण से उचित मार्गदर्शन किया जाता रहा है। इस वर्ष में भी सभी शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को गोद लेने की प्रक्रिया 05 सितम्बर तक पूर्ण कर ली जाएगी।

विभाग में शिक्षक श्री नन्दन शर्मा द्वारा गोद लेने हेतु पांच स्थान रिक्त है।

28. **प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम** – वाणिज्य विभाग द्वारा मूल्य परक प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा जिसका विवरण निम्न है–

(1) **कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम – विवरण –** इस पाठ्यक्रम में बी.काम. भाग एक एवं दो के पंजीकृत विद्यार्थी आवेदन द्वारा प्रवेश पा सकेंगे। इसकी प्रशिक्षण अवधि 40 घंटे होगी, जिसमें सामान्य कम्प्यूटर उपयोग से सम्बन्धित पाठ्यक्रम तय करके प्रशिक्षण दिया जाएगा और परीक्षा द्वारा मूल्यांकन करके प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

नोट– प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम में सीटों की उपलब्धता सीमित की जा सकती है एवं आवश्यक परिचालन शुल्क भी निर्धारित किया जाएगा।

(2) **कार्यालय प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम– विवरण –** इस पाठ्यक्रम में बी.काम. भाग एक.दो व तीन एवं एम.काम. प्रथम व अन्तिम वर्ष के चयनित एवं पंजीकृत विद्यार्थी प्रवेश पा सकेगें। इस पाठ्यक्रम की न्यूनतम अहर्ता कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम उत्तीर्ण अथवा अन्यत्र से कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र होगी। इस पाठ्यक्रम की अवधि 30 घंटे होगी जिसमें विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यालयी कार्यों को करने का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। परीक्षण द्वारा योग्य विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

29. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय द्वारा निर्धारित साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान के साथ–साथ वाणिज्य विभाग द्वारा गोद लिए गये गांव जंगल तिनकोनियों नं. 02 में साप्ताहिक स्वच्छता, स्वास्थ्य और शैक्षिक अभियान संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य गोद लिए ग्राम में जीवन स्तर से जुड़ी समस्या का पता करके उत्थान हेतु सकारात्मक प्रयास करना है।

30. **विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा** – फरवरी माह में 05–16 फरवरी में आयोजित होने वाली विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में विभाग द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई जायेगी। इस हेतु परीक्षा प्रश्न पत्र तैयार करना परीक्षा अवधी में आवंटित कक्ष परिवेक्षण, उत्तर पुस्तिका मुल्यांकन एवं अतिम विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम भी निर्धारित विधि से तैयार किया जाएगा।

31. **उपचारात्मक कक्षा** – विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम घोषित होने के उपरान्त 18 से 22 फरवरी तक उपचारात्मक कक्षाएं सम्बन्धित विषय अध्यापकों द्वारा संचालित की जाएगी।

32. **विभागीय पूर्व छात्र सम्मेलन** – वाणिज्य विभाग द्वारा 05 जून 2022 में पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक–आर्थिक पर्यावरण में हो रहे परिवर्तन एवं उसमें छात्र उपयोगी नये विकसित आयोमों की जानकारी प्राप्त कर उसे अध्ययन–अध्यापन विधियों में शामिल करना प्रमुख रहेगा।

33. **शिक्षण विधियाँ** – वाणिज्य विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में अग्रलिखित शिक्षण विधियां अपनाई जाएगी जिसका संक्षिप्त स्वरूप वर्णित है।

1.प्रोजेक्ट विधि– इस विधि के अन्तर्गत कक्षा व्याख्यान से सम्बन्धित महत्वपूर्ण एवं विस्तृत बिन्दुओं को पी.पी.टी. एवं पी. डी.एफ. प्रस्तुती के माध्यम से व्याख्या की जाएगी।

2.व्याख्यान विधि– इस विधि में दैनिक पाठ्यक्रम योजना अनुसार अध्याय शीर्षक पर विभिन्न श्रोतों से पूर्व में व्याख्यान तैयार कर छात्रों के समक्ष इसकी व्याख्या की जाएगी।

3. सामूहिक चर्चा (केस स्टडी) विधि :– इस विधि में विद्यार्थियों के समक्ष महत्वपूर्ण शीर्षक तय कर उन्हें इस पर जानकारी एकत्र करने को निर्देशित किया जाएगा और प्रत्येक सहभागी छात्रों को विद्यार्थी कक्षाध्यापन के समय अपना पक्ष रखने को कहा जाएगा। इस विधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में तर्क क्षमता एवं समस्या की समीक्षा करने की योग्यता का विकास करना होगा।

34. **मासिक शिक्षक बैठक** – वाणिज्य विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में प्रत्येक माह के अंतिम कार्यदिवस में विभागीय बैठक कर गत माह में किये गए कार्यों की समीक्षा के साथ–साथ आगामी माह में सम्पन्न होने वाले कार्यों की समीक्षा एवं निष्पादन योजना तय कर दी जाएगी। इसी क्रम में जुलाई माह में 16 जून 2021 से आनलाइन कक्षा प्रारम्भ होने के उपरान्त एवं 05 जुलाई से महाविद्यालय परिसर में परम्परागत कक्षा प्रारम्भ करने एवं विभागीय कार्यों के सफल निष्पादन हेतु बैठक कर वर्तमान सत्र में प्रमुख कार्यों के प्रभारी निर्धारित कर दिये गये है।

जिसका विवरण निम्नवत है–

क्र.सं.	विभागीय कार्य	प्रभारी शिक्षक
1.	प्रगति आख्या (सम्पूर्ण)	श्री चन्दन कुमार ठाकुर
2.	जीवन वृत्त	श्री चन्दन कुमार ठाकुर
3.	विभागीय कार्यक्रम रिपोर्ट	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
4.	ग्राम दर्शन रिपोर्ट	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
5.	गोद लिए गये छात्र	सुश्री श्वेता
6.	पाठ्यक्रम योजना	श्री नन्दन शर्मा
7.	पाठ्यक्रम (विवरण)	श्री नन्दन शर्मा
8.	उद्यमिता व स्वरोजगार	श्री नन्दन शर्मा
9.	स्व–मूल्यांकन प्रपत्र	श्री चन्दन कुमार ठाकुर
10.	स्नातक से स्नातकोत्तर विवरण	श्री नन्दन शर्मा
11.	स्वैच्छिक श्रमदान	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला

12.	छात्र विविधता	श्री नन्दन शर्मा
13.	शिक्षक आचार संहिता	सुश्री श्वेता
14.	विभाग की भविष्य की योजना	श्री नन्दन शर्मा
15.	लेखांकन प्रशिक्षण	श्री नन्दन शर्मा
16.	कम्प्यूटर प्रशिक्षण	श्री नन्दन शर्मा
17.	अतिथि व्याख्यान दाता सूची	सुश्री श्वेता
18.	विभाग के पूर्व छात्र	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
19.	शिक्षक ब्लाग 1. स्नातक स्तर 2. स्नातकोत्तर स्तर	 श्री नन्दन शर्मा श्री चन्दन कुमार ठाकुर

35. शिक्षक ब्लॉग – सभी शिक्षकों के द्वारा विषय से सम्बन्धित व्याख्यान के समानान्तर सामग्री को पी.पी.टी. व पी.डी.एफ. रूप में शिक्षक ब्लाग पर कक्षा व्याख्यान विषय सामग्री सारांश के रूप में महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा।

36. स्मार्ट बोर्ड व कॉलेज यूट्यूब चैनल – प्रत्येक शिक्षक के द्वारा इस सत्र में कम–से–कम 5 कक्षा स्मार्ट बोर्ड पर संचालित करने का प्रयास किया जायेगा व स्मार्ट बोर्ड की संचालित कक्षा को संरक्षित कर कॉलेज के यूट्यूब चैनल पर अपलोड करना और विद्यार्थियों को चैनल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

37. शैक्षिक भ्रमण – बी.कॉम. व एम.कॉम. के विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम सम्बन्धित स्थल पर भ्रमण कर वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर दिया जायेगा। शैक्षिक भ्रमण तिथि परिस्थिति अनुसार तय की जाएगी।

38. शोध–विधि – स्नातक व परास्नातक के विद्यार्थियों में अन्वेषण एवं शोध की भावना विकसित करने हेतु उनको वर्तमान वित्तीय वर्ष की आर्थिक व कर से सम्बन्धित विषय पर उनके समक्ष एक शोध समस्या निर्धारित की जायेगी जिससे उनमें प्रेक्षण, चिन्तन, तार्किकता की क्षमता का विकास हो सके। इसमें शिक्षक की भूमिका मार्गदर्शक की तरह होगी।

नोट– 5 सितम्बर 2021 को स्नातक व स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के परिचय समारोह में महाविद्यालय के पूर्व छात्र जो किसी विशेष कार्यभार पर आसीन हैं, उन्हें आमन्त्रित किया जायेगा।

बी0एड्0 विभाग

जुलाई–2021

(A) सत्रारम्भ के प्रथम सप्ताह – कार्यशाला
विषय– कार्यपद्धति, भाषा परिसर संस्कृति

(B) विभागीय योजनाएँ

1. प्रार्थना सभा – प्रार्थना सभा महाविद्यालय की आत्मा है। यह प्रत्येक शैक्षिक दिवस 9:20 से 9:40 तक होता है। इसमें विभाग के प्रत्येक शिक्षक–विद्यार्थी सकारात्मक भाव से उपस्थित होकर प्रार्थना, वन्दना के साथ अपने दिन की शुरुआत करते हैं। इस सत्र में प्रार्थना सभा प्रभारी बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ती गुप्ता हैं। श्रीमद्भगवत गीता के महत्वपूर्ण श्लोकों का पाठ बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह द्वारा किया जाता है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।

2. समय–सारणी – महाविद्यालय में प्रत्येक कक्षाएं समय–सारणी के अनुसार चलती हैं, जिसमें बी.एड्. विभाग की अपनी समय–सारणी के अनुसार कक्षाएं चलेंगीं।

3. महाविद्यालय ब्लाग – महाविद्यालय के वेबसाइट पर सभी शिक्षक के ब्लाग हैं। जिसमें सभी शिक्षक अपने विषय से सम्बन्धित कन्टेंट अपडेट करते हैं। जिसे विद्यार्थी या अन्य कोई भी देख–पढ़ सकते हैं। इसका उद्देश्य तकनीकी के माध्यम से अतिरिक्त कन्टेंट उपलब्ध कराना है। जिससे अनौपचारिक रुप से भी पाठ्यक्रम का अध्ययन किया जा सके, यह इस सत्र में भी लागू रहेगा।

4. राज्य स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी – डिजिटल लाइब्रेरी पर ई–कंटेन्ट महाविद्यालय द्वारा पिछले सत्र में सभी शिक्षकों ने अपने ई–कंटेंट अपलोड किये थे, जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।

5. स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग – महाविद्यालय प्रत्येक सत्र में तकनीकी के क्षेत्र में नवाचार करता है, जिससे शिक्षक–छात्र अधिगम का विकास हो। इस उद्देश्य के साथ इस सत्र में स्मार्ट बोर्ड के संचालन का प्रयोग प्रत्येक शिक्षक द्वारा किया जाएगा।

6. पुस्तकालय–वाचनालय – महाविद्यालय की योजनानुसार प्रत्येक शिक्षक अपने रिक्त समय का सदुपयोग एवं ज्ञान के विकास के लिए पुस्तकालय में जाते हैं, और वहाँ आवागमन पंजिका पर उपस्थिति दर्ज करते हैं। विभाग के द्वारा प्रत्येक सत्र बी.एड्. विषय की पुस्तकें पुस्तकालय को दान की जाती हैं। छात्राध्यापकों को भी पुस्तकालय में पुस्तक दान करने के लिए प्रेरित किया जाता है। छात्रों को अध्ययन हेतु डिजिटल प्लेटफार्म उपलब्ध कराने हेतु शिक्षक द्वारा गोद लिए गये छात्रों को एन–लिस्ट से जोड़ा गया है, जिससे कि महाविद्यालय के ऑनलाइन लाइब्रेरी से जुड़कर अध्ययन कर सकते हैं। जो इस सत्र में भी लागू है।

7. पाठ्यक्रम योजना – महाविद्यालय की वेबसाइट पर सत्र के प्रारम्भ में सम्पूर्ण वार्षिक पाठ योजना उद्धरित कर दी जाती है। इसका उद्देश्य सम्पूर्ण पाठ्यक्रम योजना बनाकर पूर्व नियोजित ढ़ग से कक्षा का संचालन किया जा सके। छात्र वार्षिक पाठ योजना से प्रत्येक कार्य दिवस में पढ़ाये जाने वाले विषय से परिचित हो सके।

8. नवआगन्तुक छात्राध्यापकों का स्वागत – प्रतिवर्ष बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों द्वारा बी.एड्. प्रथम वर्ष के नवागन्तुक छात्राध्यापकों को तिलक लगाकर एवं रक्षासूत्र बाँधकर स्वागत किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्राध्यापकों को आत्मीयता का बोध कराने व परिसर संस्कृति से परिचित कराना है, जो इस सत्र में भी करने की योजना है।

9. मासिक मूल्यांकन – प्रत्येक माह में पढ़ाये गये विषय–वस्तु से सम्बन्धित प्रश्नपत्र माह के अन्तिम सप्ताह में तैयार करके छात्रों की अधिगम उपलब्धि का परीक्षण किया जाता है। प्रश्न पत्र में निर्धारित पूर्णांक के आधार पर बहुविकल्पीय/निबन्धात्मक परीक्षा ली जाती है। इसके द्वारा छात्राध्यापकों के सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा को पूरा करने का प्रयास किया जाता है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।

10. प्रगति आख्या – बी.एड्. में पढ़ रहे सभी छात्राध्यापकों की एक सत्र की सम्पूर्ण कक्षागत गतिविधियां, आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। जिसका उद्देश्य छात्राध्यापकों के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक मूल्यांकन कर छात्राध्यापकों का सुधारात्मक विश्लेषण करना। इस सत्र में भी लागू रहेगा।

11. स्वमूल्यांकन प्रपत्र – प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में शिक्षक स्व–मूल्यांकन प्रपत्र जमा होता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक स्वयं की कार्यपद्धति का मूल्यांकन एवं विश्लेषण करें। यह कार्यपद्धति इस सत्र में भी लागू रहेगा।

12. शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – इस सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में प्रत्येक शिक्षक का छात्राध्यापकों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। इस प्रपत्र का उद्देश्य छात्रों द्वारा दिये गये प्रतिपुष्टि के आधार पर शिक्षक द्वारा अपने शिक्षण प्रविधियों में सुधार के प्रयास किये जाते हैं। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।

13. प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम – मानवीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु बी.एड्. विभाग में जीवन मूल्य एवं हमारे पूर्वज पाठ्यक्रम चलाये जाते हैं, जिसमें सनातन मूल्यों, भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक–सांस्कृतिक नवाचार लाने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में महती भूमिका निभाने वाले महान पूर्वजों के बारे में अध्ययन–अध्यापन किया जाता है तथा उसके पूर्ण होने के पश्चात छात्राध्यापकों में व्यवहारगत मूल्यों में परिवर्तन हुआ, इसके लिए

निबन्धात्मक परीक्षा करायी जाती है एवं उत्तीर्ण छात्राध्यापकों को प्रमाण–पत्र दिये जाते हैं।

14. मिशन मंझरिया – 2020–21 में ''एक विभाग–एक गॉव योजना'' को पूर्ववत जारी रखते हुए महाविद्यालय से सटे ग्राम मंझरिया को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के साथ–साथ तकनीकी विकास के प्रति जागरूकता के साथ–साथ केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त गांव बनाने का मिशन मंझरिया प्रोजेक्ट को एक कदम और आगे बढ़ाने की योजना। इस सत्र में लागू रहेगा।

15. स्वैच्छिक श्रमदान – महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक शनिवार साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में शिक्षक–छात्राध्यापक प्रतिभाग करते हैं। इसका उद्देश्य शिक्षकों एवं छात्राध्यापकों में श्रम की महत्ता का बोध कराना है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।

16. मासिक समीक्षा बैठक – प्रत्येक माह विभागीय स्तर पर मासिक समीक्षा की जाती है इसमें अगले माह की योजना तैयार की जाती है। इस सत्र में भी यह लागू रहेगा।

17. साप्ताहिक शिक्षक बैठक – प्रति सप्ताह किये गए पठन–पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ नवाचार, आदि की समीक्षा एवं अगले सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक शनिवार को विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में साप्ताहिक शिक्षक बैठक किया जाता है। इस सत्र में भी लागू रहेगा।

18. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष – 23 जनवरी 2021 से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयन्ती वर्ष कार्यक्रम मनायी जा रही है। जिसके अन्तर्गत 23 जनवरी 2022 तक कार्यक्रम किये जाऐंगे।

19. बी.एड्. स्काउट–गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण – फरवरी माह में 15–19 फरवरी 2022 को पाँच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन।

20. छात्रसंघ – महाविद्यालय में प्रतिवर्ष छात्रसंघ का चुनाव होता है। इसमें बी.एड्. के छात्राध्यापक प्रतिभाग करते हैं। छात्रसंघ पदाधिकारी के चयन हेतु कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव किया जाता है। इसके चयन का आधार छात्र की उपस्थिति मासिक मूल्यांकन के अंक एवं आचरण व्यवहार के आधार पर किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्रों में लोकतंत्र की भावना एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। जो इस सत्र में लागू रहेगा।

21. नैक – महाविद्यालय को नैक द्वारा श्रेणी बी प्रत्यायित है। रैंक में और अधिक सुधार हेतु नैक द्वारा दिये गये मानकों को पूरा करने की दिशा में इस सत्र में बी.एड्. विभाग अग्रसर है। विभाग द्वारा आई.क्यू.ए.सी. को सम्पूर्ण नवीन सूचनाएँ नियमित अंतराल पर उपलब्ध कराई जाती है।

22. उन्नत भारत अभियान – उन्नत भारत अभियान गाँवों को उन्नत करने की केन्द्र सरकार की एक योजना है। जिसके तहत बी.एड्. विभाग के मिशन मंझारिया में कार्य अग्रसर है।

(C) शिक्षण विधियाँ

1. प्रोजेक्टरयुक्त कक्षाऍ – गत सत्र बी.एड्. विभाग में प्रत्येक कक्षाएँ सम्पूर्ण पावर प्वाइंट पर ली गयी। इस वर्ष भी हम एक कदम और आगे चलने का प्रयास करेंगें।
2. व्याख्यान विधि – शिक्षण विधियों में व्याख्यान के बिना सम्पूर्ण शिक्षण अधूरा है। हम अपनी बी.एड्. की कक्षाओं में भी व्याख्यान विधि का प्रयोग करते हैं, इस वर्ष व्याख्यान में शिक्षक–छात्र अन्तःक्रिया के प्रयोग पर अत्यधिक बल दिया जाऐगा।
3. प्रोजेक्ट विधि – शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने हेतु बी.एड्. की सभी कक्षाओं में प्रोजेक्ट विधि का प्रयोग किया जाता है जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
4. सामूहिक परिचर्चा – बी.एड्. की प्रत्येक कक्षाओं में एक व्याख्यान पूर्ण करने के बाद उस प्रकरण पर छात्राध्यापकों द्वारा सामूहिक चर्चा की जाती है। इस सत्र में भी पूर्ण रूपेण लागू।
5. समनुदेशन विधि – बी.एड् सत्र की प्रत्येक सैद्धन्तिक एवं प्रयोगात्मक कार्य में एसाइनमेंट विधि का प्रयोग

		किया जाता है जिससे कि व्यक्तिगत शिक्षण विधियों में जो कठिनाई होती है उसको दूर किया जा सके। इस सत्र में भी लागू होगा।
6.	उपचारात्मक अनुदेशन –	मासिक मूल्यांकन परीक्षण में जिस विषय वस्तु पर अच्छी उपलब्धि नहीं दिखाई पड़ती उस विषय पर पुनः उपचारात्मक अनुदेशन किया जाता है। इस सत्र में भी लागू रहेगा।
7.	स्कूल इंटर्नशिप –	बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों का विद्यालयी प्रशिक्षण कार्य प्रत्येक वर्ष की भांति कराने की योजना। इस सत्र में भी लागू रहेगा।
8.	सूक्ष्म शिक्षण –	बी.एड्. प्रथम वर्ष की कक्षाओं का प्रतिदिन सूक्ष्म शिक्षण कौशल अभ्यास। सत्रारम्भ से ही लागू होगा।
9.	ग्राम्य प्रोजेक्ट –	एक विभाग एक गांव के तर्ज पर इस वर्ष भी ग्राम विकास के लिए अग्रसर रहेंगें।
10.	शैक्षिक भ्रमण –	बी.एड्. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों का किसी दर्शनीय स्थल का शैक्षिक भ्रमण। इस सत्र में परिस्थिति अनुकूल रहने पर किया जाऐगा।

(D) कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी

जुलाई–2021

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
26.07.2021	सोमवार	11.00–11.50	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत कोविड–19 टीकाकरण जागरूकता	स्लोगन लेखन	

अगस्त–2021

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
23.08.2021	सोमवार	12.10–01.20	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत क्रियात्मक अनुसंधान	व्याख्यान	डॉ. रेखा श्रीवास्तव चन्द्रकान्ती रमावती देवी महिला पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर
28.08.2021	शनिवार	10.30–11.20	प्राणायाम	योग कार्यशाला	डॉ. विनय सिंह महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

सितम्बर–2021

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
05.09.2021	रविवार	11.00–11.50	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत शिक्षक दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम	सांस्कृतिक कार्यक्रम	–
16.09.2021	गुरूवार	12.00–12.50	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत ओजोन संरक्षण पर भाषण प्रतियोगिता	शोध व्याख्यान प्रतियोगिता	–
29.09.2021	बुद्धवार	11.00–11.50	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत स्वतंत्र भारत में स्त्री शिक्षा की भूमिका	व्याख्यान	डॉ. वीणा गोपाल, प्राचार्य दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर

अक्टूबर–2021

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
02.10.2021	शनिवार	11.00–11.50	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती अवसर पर गांधी भजन कार्यक्रम	भजन कार्यक्रम	–
20.10.2021	बुद्धवार	12.00–12.50	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत फूड विदाउट फायर प्रतियोगिता	फूड विदाउट फायर प्रतियोगिता	–
30.10.2021	शनिवार	10.30–11.20	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत शिक्षा में औपचारिक अनौपचारिक साधनों का महत्व	वाद–विवाद प्रतियोगिता	–

नवम्बर–2021

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
11.11.2021	गुरूवार	11.20–12.10	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका	व्याख्यान	डॉ. मीतू सिंह दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय गोरखपुर
17.11.2021	गुरूवार	11.00–03.00	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत शैक्षिक प्रदर्शनी	शैक्षिक प्रदर्शनी	–
23.11.2021	मंगलवार	12.00–12.50	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत शिक्षा और लोकतंत्र विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता	निबन्ध प्रतियोगिता	–

दिसम्बर–2021

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
01.12.2021	बुद्धवार	11.00–02.00	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत जागरूकता रैली	जागरूकता रैली	––
14.12.2021	मंगलवार	12.00–12.50	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत सूक्ष्म शिक्षण	व्याख्यान	प्रो. राजशरण शाही डॉ. भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ
21.12.2021	मंगलवार	–	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष के अन्तर्गत वैश्विक तापमान	पेंटिंग प्रतियोगिता	–
23.12.2021	गुरूवार	10.30–11.20	सूर्य नमस्कार	योग कार्यशाला	डॉ. आरती सिंह महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

जनवरी–2022

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
10.01.2022	सोमवार	12:30–01:20	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125 वीं जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत विश्व हिन्दी दिवस	शोध व्याख्यान प्रतियोगिता	
12.01.2022	बुद्धवार	12:30–01:20	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती वर्ष के अन्तर्गत युवा दिवस पर स्वामी विवेकानन्द के शैक्षिक निहितार्थ	शोध व्याख्यान प्रतियोगिता	---
23.01.2022	रविवार	10:00–01:00	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयन्ती वर्ष का समारोप	व्याख्यान	डॉ. अतुल वाजपेयी कुलपति गुरू श्री गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
28.01.2022	शुक्रवार	11.00–11.50	अनुसंधान में सांख्यिकी का अनुप्रयोग	व्याख्यान	प्रो. राजेश सिंह दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

फरवरी–2022

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
04.02.2022	शुक्रवार	11.00–03.00	क्राफ्ट मेकिंग	प्रतियोगिता	---
08.02.2022	मंगलवार	11.00–02.00	भारतीय पारम्परिक वेश भूषा प्रदर्शनी	प्रदर्शनी	---
12.02.2022	शनिवार	–	शैक्षिक भ्रमण	शैक्षिक भ्रमण	---

15.02.2022– 19.02.2022	मंगलवार – शनिवार	–	बी.एड् स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर	शिविर	---

<u>भाग – 3</u>
<u>क्रीड़ा विभाग</u>

सत्र 2021–22 में क्रीड़ा विभाग द्वारा महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रस्तावित है, जिसका विवरण निम्नवत हैः–

मेजर ध्यानचन्द्र जयन्ती–विशिष्ट व्याख्यान (29 अगस्त अगस्त 2021) ऑनलाइन
विषय : 'शिक्षा में खेल का महत्व'
महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता (18–19 सितम्बर, 2021)
उद्घाटन समारोहः– 18 सितम्बर, 2021
समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरणः– 19 सितम्बर, 2021
महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता (24–25 अक्टूबर, 2021)
उद्घाटन समारोहः– 24 अक्टूबर, 2021
समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरणः– 25 अक्टूबर, 2021
<u>वार्षिक क्रीड़ा समारोह–संस्थापक समारोह के अन्तर्गत</u>
योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता (18–20 नवम्बर, 2021)
उद्घाटन समारोहः–18 नवम्बर, 2021
कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग– 18 नवम्बर, 2021
कबड्डी प्रतियोगिता बालिका वर्ग– 20 नवम्बर, 2021
समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरणः–20 नवम्बर, 2021
योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति वालीबॉल प्रतियोगिता (22–23 नवम्बर, 2021)
उद्घाटन समारोहः– 22 नवम्बर, 2021
वॉलीबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग– 22 नवम्बर, 2021
वॉलीबॉल प्रतियोगिता बालिका वर्ग– 23 नवम्बर, 2021
समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरणः–23 नवम्बर, 2021
महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता (22–25 दिसम्बर, 2021)
उद्घाटन समारोहः– 22 दिसम्बर, 2021
समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरणः– 25 दिसम्बर, 2021
भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत–
महन्त दिग्विजनाथ स्मृति बैडमिण्टन प्रतियोगिता (12–13 जनवरी, 2022)
उद्घाटन समारोहः– 12 जनवरी 2022
बैडमिण्टन प्रतियोगिता बालक वर्ग– 12 जनवरी, 2022
बैडमिण्टन प्रतियोगिता बालिका वर्ग– 13 जनवरी, 2022
समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण 13 जनवरी 2022
कबड्डी प्रतियोगिता बालक/बालिका वर्ग–16 जनवरी 2022
वॉलीबाल प्रतियोगिता बालक/बालिका वर्ग–20 जनवरी 2022
वार्षिक क्रीड़ा समारोह (22–23 जनवरी, 2022)

प्रथम दिवस दिनांक– 22 जनवरी, 2022

9:00 प्रातः उद्घाटन समारोह	–	9:30 प्रातः 800 मीटर पुरूष फाइनल
9:40 प्रातः 800 मीटर महिला फाइनल	–	9:50 प्रातः गोला क्षेपण पुरूष फाइनल
9:50 प्रातः 100 मीटर हीट, महिला	–	10:30 प्रातः गोला क्षेपण महिला फाइनल
10:30 प्रातः100 मीटर हीट, पुरुष	–	11:00 प्रातः लम्बी कूद महिला फाइनल
11:30 प्रातः लम्बी कूद पुरूष फाइनल	–	12:10 अपराह्नः 100 मीटर पुरुष फाइनल
12:20 अपराह्नः 100 मीटर महिला फाइनल	–	12:30–01:00 अपराह्न भोजनावकाश
01:00 अपराह्नः भाला क्षेपण पुरूष फाइनल	–	01:30 अपराह्नः भाला क्षेपण महिला फाइनल
02:00 अपराह्नः 1500 मीटर पुरूष फाइनल	–	02:30 अपराह्नः 400 मीटर महिला फाइनल

द्वितीय दिवस दिनांक– 23 जनवरी, 2022

7:00 प्रातः 5000 मीटर पुरूष फाइनल	–	9:00 प्रातः 200 मीटर हीट पुरूष
9:30 प्रातः 200 मीटर महिला हीट	–	10:00 प्रातः चक्का क्षेपण पुरूष फाइनल
10:30 प्रातः चक्का क्षेपण महिला फाइनल	–	11:00 प्रातः 400 मीटर पुरूष फाइनल
11:15 प्रातः ऊँची कूद पुरूष फाइनल	–	11:45 प्रातः ऊँची कूद महिला फाइनल

12:15–12:45 अपराह्न भोजनावकाश	–	12:45 अपराह्नः 200 मीटर पुरूष फाइनल
12:55 अपराह्नः 200 मीटर महिला फाइनल	–	01:10 अपराह्नःसमापन समारोह
12:10 अपराह्नः 100 मीटर पुरूष फाइनल	–	12:20 अपराह्नः 100 मीटर महिला फाइनल
		01:00 अपराह्नः भाला क्षेपण पुरूष फाइनल

भाग–4
राष्ट्रीय सेवा योजना

04 जुलाई 2021	वनमहोत्सव के अन्तर्गत पौधरोपण कार्यक्रम
11 अगस्त 2021	शहीद बन्धू सिंह बलिदान पूर्व दिवस पर व्याख्यान
15 अगस्त 2021	स्वतंत्रता दिवस समारोह
20 अगस्त 2021	सद्भावना दिवस पर विचार गोष्ठी
05 सितम्बर 2021	शिक्षक दिवस समारोह
08 सितम्बर 2021	अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर विचार गोष्ठी
16 सितम्बर 2021	विश्व ओज़ोन संरक्षण दिवस पर व्याख्यान
19 सितम्बर 2021	स्वैच्छिक श्रमदान प्रारम्भ
24 सितम्बर 2021	राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस (दिवसीय कार्यशाला)
02 अक्टूबर 2021	गाँधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोह
23 अक्टूबर 2021	संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना पूर्व दिवस पर भाषण प्रतियोगिता
31 अक्टूबर 2021	सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती निबंध प्रतियोगिता
10 नवम्बर 2021	प्रथम एक दिवसीय शिविर
19 नवम्बर 2021	राष्ट्रीय एकीकरण दिवस (एक दिवसीय कार्यशाला)
26 नवम्बर 2021	संविधान दिवस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता
28 नवम्बर 2021	महात्मा ज्योतिबा फूले पूण्यतिथि पर निबंध प्रतियोगिता (जातिवाद राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा)
01 दिसम्बर 2021	विश्व एड्स दिवस पर जनजागरूकता रैली (हसनगंज ग्राम) में, एवं विचार गोष्ठी
02 दिसम्बर 2021	राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर व्याख्यान
12 दिसम्बर 2021	द्वितीय एक दिवसीय शिविर
14 दिसम्बर 2021	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पोस्टर प्रतियोगिता
02 जनवरी 2022	तृतीय एक दिवसीय शिविर
12 जनवरी 2022	स्वामी विवेकानन्द जयंती (भारत–भारती पखवारा राष्ट्रीय युवा सप्ताह)
19 जनवरी 2022	महाराणा प्रताप स्मृति दिवस (एक दिवसीय कार्यशाला)
23 जनवरी 2022	सुभाष चन्द्रबोस जयन्ती पर व्याख्यान
25 जनवरी 2022	राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर विचार गोष्ठी
26 जनवरी 2022	गणतंत्र दिवस समारोह
01–07 फरवरी 2022	सप्तदिवसीय विशेष शिविर
21 फरवरी 2022	चतुर्थ एक दिवसीय शिविर
08 मार्च 2022	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
	गोद लिए गये गांव हसनगंज में सेवा कार्य सत्र भर विभिन्न तिथियों में किया जायेगा।

भाग–5
अवकाश सूची : 2020–21

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	घोषित दिन	दिनांक	दिन
1.	ईदुज्जुहा (बकरीद)	01	21 जुलाई 2021	बुधवार
2.	नागपंचमी	01	13 अगस्त 2021	शुक्रवार
3.	मोहर्रम	01	19 अगस्त 2021	गुरूवार
4.	कृष्ण जन्माष्टमी	01	30 अगस्त 2021	सोमवार
5.	चेहल्लूम*	01	02 सितम्बर 2021	मंगलवार
6.	अनन्त चतुर्दशी	01	19 सितम्बर 2021	रविवार
7.	पितृ विसर्जन	01	06 अक्टूबर 2021	बुद्धवार
8.	दशहरा	01	12–16 अक्टूबर 2021	मंगलवार से शनिवार
9.	ईद–ए–मिलाब / वारावफ़ात	01	19 अक्टूबर 2021	मंगलवार

10.	दीपावली	04	01–04 नवम्बर 2021	सोमवार से गुरुवार
11.	गोवर्धन पूजा	01	05 नवम्बर 2021	शुक्रवार
12.	भैया दूज/चित्रगुप्त पूजा	01	06 नवम्बर 2021	शनिवार
13.	छठपूजा	01	10 नवम्बर 2021	बुद्धवार
14.	कार्तिक एकादशी	01	15 नवम्बर 2021	सोमवार
15.	गुरूनानक जयन्ती/कार्तिक पूर्णिमा	01	19 नवम्बर 2021	शुक्रवार
16.	क्रिसमस दिवस	01	25 दिसम्बर 2021	शनिवार
17.	मकर संक्रान्ति	02	14–15 जनवरी 2022	शुक्रवार, शनिवार
18.	बुढ़वा मंगल	01	25 जनवरी 2022	मंगलवार
19..	मौनी अमावस्या	01	11 फरवरी 2022	गुरूवार
20.	महाशिवरात्रि	01	01 मार्च 2022	मंगलवार
21.	होली	03	17–19 मार्च 2022	गुरुवार से शनिवार
22.	रामनवमी	01	10 अप्रैल 2022	रविवार

*चन्द्रदर्शन के आधार पर तिथि परिवर्तित हो सकती है।

2. **दायित्त्वसह कार्य विभाजन–** परम्परागत रूप से कार्य विभाजन में निम्न तीन विधियाँ अपनायी गई।

(क) शिक्षक स्वयं से अपना कार्य चुनकर अपने को प्रभारी घोषित कर दें।

(ख) कोई शिक्षक किसी कार्य हेतु किसी भी अन्य शिक्षक का नाम प्रस्तावित कर दें।

(ग) प्राचार्य द्वारा किसी कार्य हेतु किसी को प्रभारी बना दिया जाय।

वर्तमान सत्र में अधिकांश शिक्षकों ने अपनी रूचि के अनुसार स्वयं अपना दायित्व चुना, कुछ का नाम अन्यों द्वारा प्रस्तावित किए जाने पर सम्बन्धित शिक्षक की सहमति पर दायित्व निर्धारित हुए तो अन्त में कुछ कार्य/दायित्व प्राचार्य द्वारा दे दिए गए। बैठक में निम्नवत दायित्व निर्धारित किया गया–

महाविद्यालय प्रशासन

सत्र 2021–22

1.	**प्रवेश/परीक्षा**	डॉ. विजय कुमार चौधरी
2.	**मुख्य नियंता/अनुशासन**	श्री मंजेश्वर
3.	**राष्ट्रीय सेवा योजना**	डॉ. अभिषेक सिंह
4.	**पुस्तकालय**	डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय/श्री प्रतीक दास
5.	**प्रयोगशाला/क्रय समिति**	डॉ. आर.एन. सिंह
6.	**तकनीकी विकास**	श्री श्रीनिवास सिंह
7.	**बागवानी/ स्वच्छता/विद्युत**	श्री विनय कुमार सिंह /डॉ. अभिषेक सिंह
8.	**नैक, IQAC AISHE एवं तत्सम्बन्धी कार्य**	डॉ. अभिषेक वर्मा
9.	**सांस्कृतिक कार्यक्रम/ प्रमुख कार्यक्रम/आयोजन**	श्री श्रीकांत मणि त्रिपाठी
10.	**पठन/पाठन**	डॉ. रामसहाय
11.	**वेबसाइट**	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव
12.	**क्रीड़ा**	डॉ. आरती सिंह
13.	**सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना**	....
14.	**रोवर्स–रेन्जर्स**	श्री बृजभूषण लाल
15.	**छात्रसंघ**	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
16.	**कार्यालय**	डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय
17.	**अभिभावक संघ**	श्री संजय कुमार जायसवाल
18.	**पुरातन छात्र परिषद्**	डॉ. शिव कुमार वर्नवाल
19.	**प्राथमिक उपचार केन्द्र**	डॉ. सुबोध कुमार मिश्र
20.	**सिलाई–कढ़ाई**	डॉ. सान्त्वना श्रीवास्तव
21.	**कम्प्यूटर प्रशिक्षण**	श्री श्रीनिवास सिंह
22.	**प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम**	श्रीमती शिप्रा सिंह

23.	**मिशन मंझरिया**	श्रीमती शिप्रा सिंह
24.	**प्रार्थना सभा**	सुश्री दीप्ति गुप्ता
25.	**सूचना एवं परामर्श**	....
26.	**ध्येय–पथ / समावर्तन**	डॉ. सुबोध कुमार मिश्र
.	**शोध / प्रकाशन / मुद्रण**	
27.	**छात्रा–महिला सुरक्षा समिति**	डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव
28.	**रख–रखाव / ई.पी.एफ.**	डॉ. अरूण कुमार राव
29.	**छात्रवृत्ति**	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
30.	**प्रसार / मीडिया**	डॉ. सुबोध कुमार मिश्र
31	**कैन्टीन**	सुश्री शारदा रानी
32.	**गणवेश**	डॉ. अनुभा श्रीवास्तव
33.	**पर्यावरण / पालिथीन मुक्त परिसर**	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
34.	**छात्रावास**	श्री विनय कुमार सिंह
35.	**सेवायोजन प्रकोष्ठ**	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव
36.	**एन.सी.सी.**	श्री रामाकान्त दूबे
38.	**अतिथि एवं जलपान**	श्री मंजेश्वर
39.	**दिव्यांग छात्र–समस्या–समाधान प्रकोष्ठ**	डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर
40.	**गोद लिए गए गाँव / उन्नत भारत अभियान**	1. **श्रीमती कविता मन्ध्यान – प्रभारी** 2. डॉ. अभिषेक सिंह – सदस्य, राष्ट्रीय सेवा योजना 3. श्री बृजभूषण लाल – सदस्य, राष्ट्रीय सेवा योजना 4. श्रीमती शिप्रा सिंह – सदस्य, मिशन मंझरिया

3. **शिक्षक आचार संहिता–** सत्र 2021–22 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। माना गया कि शिक्षक के लिए आचार संहिता की आवश्यकता नहीं है। शिक्षक आचार संहिता शिक्षक स्वप्रेरणा से अपने–अपने उपर लागू करेगा। अतः स्वीकृत शिक्षक आचार संहिता की महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर कोई मान्यता नहीं रहेगी। किन्तु शिक्षक द्वारा स्वयं पालन न करने पर उक्त शिक्षक पर आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर स्वतः लागू हो जाएगी।

शिक्षक आचार संहिता 2021–22

1. शिक्षक स्वयं विद्यार्थियों के लिए प्रतिमान बनें।
2. प्रातः 09:15 पर सभी शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है। विलम्ब से आने पर स्वयं लाल रंग की रेखा खीचकर समय डाल दें, हस्ताक्षर न करें। जाते समय हस्ताक्षर करें तथा समय डालें। तीन दिन विलम्ब होने पर एक दिन आकस्मिक अवकाश मान लिया जायेगा। शिक्षक द्वारा स्वयं इस नियम का पालन न करने पर संस्थाध्यक्ष द्वारा लाल रंग की दो रेखा खींची जा सकती है।
3. प्रार्थना सभा 09:20 से 09:40 तक चलेगी। अनुशासन व्यवस्था के अतिरिक्त सभी शिक्षक अनिवार्यतः सम्मिलित होंगे।
4. महाविद्यालय परिसर में किसी भी शिक्षक की उपस्थिति के आसपास अनुशासन की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षकों की होगी।
5. प्लास्टिक प्रतिबंधित एवं नशा मुक्त परिसर का नियम स्वयं पर लागू करें।
6. पाठ्यक्रम योजना का शत–प्रतिशत पालन करें। 02 मई से पूर्व अगले सत्र के सभी कक्षाओं की पाठ्यक्रम योजना प्राचार्य के पास उपलब्ध करा दें।
7. प्रायोगिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम शत–प्रतिशत पूर्ण हो। प्रायोगिक कक्षाओं में सभी विद्यार्थियों के कक्षावार मोबाइल नम्बर रखें जायें।
8. महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग पर पी.पी.टी., सारांश एवं अन्य पाठ्य सामग्री अपलोड करें।
9. प्रत्येक व्याख्यान से पूर्व पिछले व्याख्यान पर प्रश्नोत्तर का समय दें।
10. कक्षा में मोबाइल लेकर किसी भी कीमत पर न जाएं।
11. अधिकतर व्याख्यान प्रोजेक्टर पर पढ़ाएं जाएं।
12. पुस्तकालय की सभी पुस्तकें 2 मई से पूर्व प्रतिवर्ष जमा कर अदेयता प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लें। पुस्तकालय की किसी पुस्तक के बकाया होने की दशा में ग्रीष्मावकाश स्वीकृत नहीं होगा।
13. महाविद्यालय के किसी प्रकार के आर्थिक आय–व्यय, अग्रिम आदि का समायोजन 20 मार्च तक अवश्य करा लें।
14. जो दायित्त्व सौंपा जाय उसे निर्धारित समय से शत–प्रतिशत पूर्ण करें।

15. पूर्व निर्धारित कार्यक्रम हेतु अवकाश एक दिन पूर्व स्वीकृत कराएं। अवकाश स्वीकृत कराए बिना अथवा बिना किसी सूचना के अनुपस्थित होने पर अवैतनिक अवकाश मान लिया जायेगा।
16. बचे हुए आकस्मिक अवकाश का प्रतिदिन के वेतन की दर से नकद भुगतान अगले सत्र के अगस्त माह में कर दिया जायेगा।
17. विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रश्नपत्र निर्माण, उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन आदि कार्य शिक्षक के स्वाभाविक दायित्व के अन्तर्गत आएगा, उसके लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त भुगतान नहीं होगा।
18. विश्वविद्यालय परीक्षा मानकानुसार/नियमानुसार सम्पन्न कराना शिक्षक का उत्तरदायित्व है। अतः परीक्षा के समय शहर छोड़ते समय सूचना अवश्य दें।
19. महाविद्यालय के सभी आयोजनों, कार्यक्रमों, राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविरों के उद्घाटन, समापन समारोह आदि में शिक्षक की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उचित कारण पर आकस्मिक अवकाश दिया सकता है।
20. महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के समस्त आयोजनों/कार्यक्रमों में प्रबन्ध तन्त्र के निर्देशानुसार उपस्थिति एवं सहयोग अनिवार्य होगा।
21. 15 अगस्त, 2 अक्टूबर, 26 जनवरी को सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अनुपस्थित रहने पर आकस्मिक अवकाश माना जायेगा। किन्तु ध्वजारोहण में कहीं भी सम्मिलित होने का प्रमाण–पत्र देना होगा।
22. स्वैच्छिक श्रमदान में शिक्षक प्रतीकात्मक रूप से छात्रों का प्रतिमान बनें। विद्यार्थियों को गोद लेने की योजना को भी शिक्षक स्वेच्छानुसार लागू कर सकते हैं। गोद लिये विद्यार्थियों की सूचना अवश्य दे दें।
23. समय–समय पर जारी संशोधनों एवं नये निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा।

4. **प्रवेश एवं परीक्षा–** प्रवेश समिति एवं परीक्षा समिति का पुनर्गठन किया गया। प्रवेश के सन्दर्भ में गत 02 मई को सम्पन्न समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय की पुनः पुष्टि की गई। 30 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर 11 अगस्त से प्रथम वर्ष, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं संचालित करने का निर्णय लिया गया। 16 जून से स्नातक द्वितीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हो चुकी हैं। पूर्ववत् परीक्षानीति को स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

प्रवेश हेतु साक्षात्कार की पूर्व से चली आ रही व्यवस्था के अनुसार छात्र प्रवेश परामर्श समिति का गठन नहीं हो सका, क्योंकि गत सत्र में कोविड–19 महामारी होने से विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न नहीं हो सकी। इस विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के टापर्स ही उक्त प्रवेश परामर्श समिति के सदस्य होतें है। प्रवेश समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि साक्षात्कार के आधार पर संस्तुत किए गए विद्यार्थी का ही प्रवेश संयोजक/प्राचार्य द्वारा लिया जाएगा। प्रवेश के समय ही प्रवेशार्थी को परिचय पत्र, पुस्तकालय कार्ड, छात्रवृत्ति फार्म उपलब्ध करा दिया जाएगा। प्रवेश सम्बन्धी सभी प्रक्रियाएं एक ही स्थान पर पूर्ण होंगी।

5. **समय–सारणी–** डॉ0 विजय कुमार चौधरी, डॉ0 आर0 एन0 सिंह, डॉ0 शिवकुमार बर्नवाल, डॉ. अरुण राव एवं श्री मंजेश्वर द्वारा समय–सारणी अद्यतन कर प्रवेश प्रारम्भ होने से पूर्व महाविद्यालय की वेबसाइट, विद्यार्थियों (स्नातक द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष) के कक्षा व्हाट्सप ग्रुप पर भेज दिया जायेगा तथा सूचना पट्ट पर भी चस्पा कर दिया जायेगा। समय–सारणी बनाते समय गत–सत्र में आई कठिनाइयों का निवारण अवश्य कर लिया जाय।

6. **पठन–पाठन–** महाविद्यालय का ध्येय ही गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना है। इस कारण से पठन–पाठन प्रभावी एवं उच्च कोटि का हो सके, इसके लिए पाठ्यक्रम योजना का शतप्रतिशत पालन करने की सुनिश्चित व्यवस्था पूर्व की भाँति लागू रहेगा। यद्यपि पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रथम वर्ष की कक्षाएं 01 अगस्त से तथा द्वितीय एवं तृतीय की कक्षाएं 16 जुलाई से प्रारम्भ होनी थी। परन्तु कोविड–19 महामारी के कारण विश्वविद्यालय परीक्षा 27 जुलाई से 10 अगस्त तक होने के कारण स्नातक द्वितीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की कक्षाएं 16 जून से प्रारम्भ हो चुकी हैं। शेष स्नातक द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं 11 अगस्त से चलेंगी। कक्षाएं 50–50 मिनट की पूर्व की भांति चलेंगी। प्रयोगात्मक कक्षाओं का भी संचालन पाठ्यक्रम योजनानुसार 16 अगस्त से नियमित संचालित होगा। 30 जनवरी तक सभी विषयों के समस्त पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। यदि किन्हीं कारण से 30 जनवरी तक किसी विषय पर प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हो सकेगा तब सम्बन्धित शिक्षक प्राचार्य से अनुमति के आधार पर अतिरिक्त कक्षा पढ़ाकर 30 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण करेंगे। फरवरी माह में विश्वविद्यालय परीक्षा पद्धति पर ही विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा आयोजित की

जायेगी। ताकि इस परीक्षा से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परीक्षा से पहले पूर्वाभ्यास का एक अवसर प्राप्त हो सके तथा उनकी परीक्षा के तैयारी ठीक प्रकार से हो सके।

7. पुस्तकालय–वाचनालय– पुस्तकालय प्रभारी द्वारा स्टाक–वेरीफिकेशन पूर्ण होने की सूचना दी गई। प्रभारी द्वारा बताया गया कि पुस्तकालय नए सत्र के लिए नए पाठ्यक्रमों/नए प्रकाशनों/आवश्यकतानुसार अन्य आवश्यक पुस्तकों के साथ अद्यतन कर लिया गया है। वाचनालय में 100 विद्यार्थियों के एक साथ बैठकर पढ़ने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है। निर्णय हुआ कि पुस्तकालय–वाचनालय गत सत्रों की तरह चलाया जाय। पुस्तकालय में यदि कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं है, जिसकी आवश्यकता किसी छात्र–शिक्षक को है, तो वह छात्र–शिक्षक पुस्तक बाजार से महाविद्यालय के नाम बिल पर क्रय कर, पुस्तकालयाध्यक्ष के माध्यम से पुस्तक पुस्तकालय में चढ़वाकर उसका नकद मूल्य प्राप्त कर,पुस्तक अपने नाम जारी करा सकता है। सभी विषयों के प्राध्यापक अपने–अपने विषय के कम से कम दो–दो राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका (जर्नल) की सदस्यता हेतु प्रस्ताव पुस्तकालय को 30 जुलाई तक अवश्य दे दें। शिक्षक अपने विषय/प्रश्नपत्र से सम्बन्धित महत्वपूर्ण शीर्षकों एवं पाठ्यसामग्री की साफ्ट कापी पुस्तकालय को उपलब्ध करायें। ऐसी पुस्तकें जो आउट आफ प्रिन्ट हो गयी है यदि वे ऑनलाइन उपलब्ध है तो उन्हें प्रिन्ट कर पुस्तकालय में उपलब्ध करायी जाए। पुस्तकालय में प्रतिदिन पुस्तकों का आगत–निर्गत व्यवस्था को अद्यतन करने के लिए साफ्टवेयर परिवर्द्धित कर लागू किया जाय। पुस्तकदान की यशस्वी परम्परा को और व्यापक बनाने हेतु समाज के लोगों से सम्पर्क कर पुस्तकदान के लिए आग्रह किया जाय।

8. प्रयोगशाला– प्रयोगशालाएँ अद्यतन रखी जाय। उनमें स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जाय। आवश्यकतानुसार प्रयोगशालाओं में आवश्यक प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया गया। प्रयोगशाला में दो बार सामग्री क्रय की जाय। एक बार अगस्त–सितम्बर में तथा दूसरी बार दिसम्बर–जनवरी में। प्रत्येक प्रयोगशाला में आवश्यकतानुसार अद्यतन तकनीकों का प्रयोग बढ़ाया जाय। इस सत्र में भौतिकी, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रक्षा अध्ययन भूगोल, रसायन मे कुछ नवीन उपकरण क्रय किए जाने पर आम सहमति बनी। गत सत्र की भांति इस सन्दर्भ में शिक्षकों–विद्यार्थियों की संयुक्त क्रय–समिति द्वारा माँग पत्र तथा स्तरीय फर्मो से तीन कोटेसन पर ही कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ जिससे प्रबन्ध समिति/प्रबन्धक महोदय से स्वीकृति लेकर उपकरण क्रय किए जा सके। यह निर्णय भी हुआ कि प्रयोगशालाओं में कुछ उपकरण छात्रसंघ भी अपने मद से क्रय करे, इस दिशा में भी प्रयत्न किए जाएँ। प्रत्येक प्रयोगात्मक विषय की भण्डार पंजिका की जॉच एवं सत्यापन सत्र के अन्त में मार्च माह में प्रयोगशाला प्रभारी एवं प्राचार्य से अवश्य करा लें।

9. कक्षाध्यापन में नए प्रयोग– कक्षाध्यापन में सहायक सामग्री के रुप में ग्रीन बोर्ड, प्रोजेक्टर, चार्ट, नक्शा, मॉडल, प्रदर्शनी इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। सभी विषय के सभी प्रश्नपत्रों के व्याख्यान का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लॉग पर प्रत्येक शिक्षक द्वारा अपलोड किया जाय। इसके अतिरिक्त अन्य पाठ्य सामग्री जो छात्र उपयोगी हो उसे भी शिक्षक अपने ब्लॉग पर अवश्य डालें। पाठ्य विषय को और भी रूचिकारी बनाने हेतु कुछ शीर्षकों को आडियों–विडियों के माध्यम से कक्षाध्यापन किया जाय। इसी प्रकार पाठ्यक्रम से सम्बन्धित डाक्यूमेंट्री और नाट्य रूपान्तरण के माध्यम से भी विषय को विद्यार्थी के बीच रखने का प्रयास किया जाय। भाषा की कक्षा (हिन्दी, अंग्रेजी) विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए निःशुल्क चलायी जाय। प्रत्येक विभाग में प्रतिमाह कम से कम दो व्याख्यान विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के किसी शीर्षक पर अवश्य करायी जाय। इसी प्रकार अन्तरानुशासनात्मक पद्धति के अर्न्तगत एक विषय के विद्यार्थियों को दूसरे विषय की जानकारी प्रदान कराने का प्रयास किया जाय। प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अनौपचारिक बातचीत के क्रम में अनुशासन, समाज, राष्ट्र की चर्चा जीवनदृष्टि के सन्दर्भ में अवश्य जाय।

10. प्रार्थना सभा– प्रार्थना सभा में पूर्व की भांति राष्ट्रगान, ईश वन्दना, सरस्वती वन्दना और राष्ट्रगीत के साथ महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान यथावत् सम्पन्न होगा जबकि

निर्धारित तिथियों में श्रीमद्भगवतगीता का वाचन हेतु पूर्व चयनित श्लोकों का वाचन और उसकी हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत में व्याख्या की जाय। प्रत्येक शनिवार प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होगा। वाद्ययन्त्र के साथ प्रार्थना सभा को और भी जीवन्त करने का प्रयास किया जाय। प्रार्थना का समय 09:20 से 09:40 अर्थात् 20 मिनट का होगा।

11. <u>विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा</u>– महाविद्यालय में पठन–पाठन एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास की दृष्टि से लागू मौलिक प्रयोगों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन प्रयोगों/योजनाओं के उद्देश्य, कार्यपद्धति एवं परिणाम के आधार पर वर्तमान–सत्र में उसे लागू करने का निर्णय लिया गया। प्रमुख प्रयोगों/योजनाओं के सन्दर्भ में निम्नवत् निर्णय लिया गया–

(क) <u>पाठ्यक्रम योजना</u>– सभी शिक्षकों द्वारा अपने विषय के प्रत्येक प्रश्नपत्र की वार्षिक पाठ्यक्रम योजना निर्धारित प्रारूप पर बनायी जाती है। इस सत्र के लिए विगत 02 मई तक प्रत्येक विभाग द्वारा अपनी–अपनी कक्षा के पाठ्यक्रम बनाकर प्रचार्य कार्यालय में जमा कर दिया गया और 30 जून तक इसे टाईप करके महाविद्यालय के बेवसाइट पर अपलोड कर दिया गया।

<u>उद्देश्य</u>– समय से (30 जनवरी तक) पाठ्यक्रम पूर्ण करना। पाठ्यक्रम का कोई हिस्सा छुटे न, किसी विषय को आवश्यकता से अधिक समय तथा किसी को कम समय में न पढ़ाना पड़े। विद्यार्थी को यह पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा।

<u>कार्यपद्धति</u>– अनुभव के आधार पर शिक्षकों द्वारा बनाए गए प्रारूप पर दिनांक, शिक्षक का नाम, विषय, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ वार्षिक पाठ्यक्रम योजना को 3+2+1 के सिद्धान्त पर तैयार किया जाता है। अर्थात् प्रथम तीन कार्य दिवस एक प्रश्नपत्र, तत्पश्चात् दो कार्य दिवस दूसरा प्रश्न पत्र, महीने के तीन सप्ताह छठवें कार्य दिवस पर छात्र–छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन तथा माह के अन्तिम सप्ताह के छठवें कार्यदिवस पर मासिक मूल्यांकन किया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर सभी के लिए उपलब्ध होगी।

(ख) <u>विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन</u>–

<u>उद्देश्य</u>– विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास तथा विषय में अभिरूचि विकास प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशक्त बनाना।

<u>कार्यपद्धति</u>– सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात कक्षाध्यापन से लगभग 5 दिन पूर्व कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा उनका विषय कक्षा में तय कर घोषित कर दिया जाय। अध्यापक उन विद्यार्थियों की कक्षा के बाहर तैयारी कराए। कक्षाध्यापन के दिन एक–एक कर विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर अध्यापन कराया जाय। कक्षाध्यापन कर चुके विद्यार्थी को दूसरा अवसर तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक कि सभी विद्यार्थियों का एक चक्र पूरा न हो जायं। कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियो का विवरण शिक्षक द्वारा उन्हें पूर्णांक 10 अंक में अंक देने के साथ रखा जाएगा।

उक्त उद्देश्य एवं कार्यपद्धति की समीक्षा की गई। अधिकांश शिक्षकों द्वारा इस योजना का प्रामाणिक विवरण न होने से परिणाम का स्पष्ट चित्र नहीं उभर सका। वर्तमान सत्र में इस योजना का परिणाम सुनिश्चित किया जाएगा।

(ग) <u>मासिक मूल्यांकन</u>– प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में शिक्षक द्वारा अपने पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा के द्वारा कक्षा में मासिक मूल्यांकन किया जाता है।

<u>उद्देश्य</u>– विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम की तैयारी हेतु प्रेरित करना। मुख्य परीक्षा के समय विद्यार्थियों को तनावमुक्त रखना।

<u>कार्यपद्धति</u>– शिक्षकों द्वारा वर्तमान सत्र के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न–पत्र बनाकर 6 भागों (अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी का मासिक मूल्यांकन) में बराबर–बराबर विभक्त कर मासिक मूल्यांकन का प्रश्न पत्र तैयार किया जाता है। 30 अंक के 6 मासिक मूल्यांकन के आधार पर प्रत्येक विषय के 180 अंक पर मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक माह 5 अंक आचरण एवं व्यवहार पर शिक्षक द्वारा दिया जाएगा। इस प्रकार पूरे सत्र में 30 अंक आचरण व्यवहार के होंगे। मासिक

मूल्यांकन के इन्हीं प्रश्नों पर विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न होती है। वर्तमान सत्र में यह व्यवस्था पूर्ववत् लागू रहेगी।

(घ) शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा शिक्षक मूल्यांकन– विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सन्दर्भ में भरा जाने वाला यह एक प्रारूप है। इस प्रारूप के द्वारा प्रत्येक शिक्षक के कक्षाध्यापन एवं कक्षा में आचरण–व्यवहार पर विद्यार्थी अपना–अपना अभिमत देते है।

उद्देश्य– विद्यार्थियों के अभिमत के आधार पर शिक्षक द्वारा स्वयं का व्यक्तित्त्व विकास।

कार्यपद्धति– वर्ष में दो बार (सितम्बर–दिसम्बर) छात्र–छात्राओं द्वारा शिक्षक प्राचार्य के माध्यम से अपने बारे में शिक्षक–प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवातें हैं। प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक की कक्षा में विद्यार्थियों को प्रारुप उपलब्ध कराया जाता है, जिसे भरकर विद्यार्थी कक्षा प्रतिनिधि के माध्यम से अगले दिन प्राचार्य के पास जमा करेगें। प्राचार्य विद्यार्थी द्वारा भरे गये प्रपत्रों का अवलोकन करने के उपरान्त सम्बन्धित शिक्षक को अवलोकन हेतु उपलब्ध करा देते हैं। इस प्रारुप के आधार पर शिक्षक अपना स्वमूल्यांकन करता है। इसके उपरान्त यह प्रपत्र प्राचार्य के पास संग्रहीत कर लिया जाता है।

(ङ) शिक्षक स्वमूल्यांकन– यह शिक्षक द्वारा मासिक भरा जाने वाला प्रारूप है।

उद्देश्य– शिक्षक द्वारा प्रतिमाह निर्धारित प्रारूप के माध्यम से स्वमूल्यांकन कर स्व–विकास करना।

कार्यपद्धति– योजना बैठक में शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र पर विचार–विमर्श कर सर्वसम्मति से यह प्रारूप प्रति वर्ष जारी होता है। शिक्षक द्वारा जुलाई से जनवरी माह तक प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन अगले माह के प्रथम दो दिवस में भरा जाता है। जिसका प्रिंट आउट कार्यालय द्वारा निकाल कर प्राचार्य के अवलोकनार्थ रखा जाता है। प्राचार्य द्वारा समीक्षोपरान्त इसे शिक्षक की व्यक्तिगत पत्रावली में लगवा दिया जाता है।

(च) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान–

उद्देश्य– इस योजना का उद्देश्य छात्र–छात्राओं, शिक्षकों–कर्मचारियों में श्रम के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना है। कोई कार्य छोटा–बड़ा नहीं, सभी कार्यों का अपने–अपने सन्दर्भ में समान महत्त्व के सिद्धान्त की प्रतिष्ठा करना। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में आत्म–सम्मान का भाव पैदा करना तथा उन्हें यह एहसास कराना कि जो कार्य वह करते है वह छोटा कार्य नहीं है उसे प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी भी करते है। संस्था के प्रति सभी में अपनापन के भाव को विकसित करना।

कार्यपद्धति– प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित तथा मध्यावकाश के बाद की चार कक्षाओं के 50–50 मिनट का समय घटाकर 40–40 मिनट का कर दिया जाता है। इस प्रकार 60 मिनट अर्थात् एक घंटा (12.10 से 1.10 तक) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान का होता है। यह श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंय सेवकों के लिए अनिवार्य है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान हेतु इच्छुक शिक्षक–कर्मचारी तथा विद्यार्थी पंजीकरण कराते हैं। पंजीकृत शिक्षकों के नेतृत्व में 10–10 विद्यार्थियों की टोली बनायी जाती है। प्रत्येक टोली के श्रमदान का स्थान–कार्य शुक्रवार तक प्रभारी द्वारा टोली प्रभारी को दे दिया जाता है। टोली प्रभारी के नेतृत्व में शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान के पश्चात् उपस्थिति सदस्य टोली प्रभारी के पास उपलब्ध कराये गए उपस्थिति–पत्र पर हस्ताक्षर कर लेते हैं। प्रत्येक माह के अन्त में यह उपस्थित पत्र राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में जमा कर दिया जाता है। यह योजना यथावत वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

(छ) गोद लिए गए विद्यार्थी– प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच छात्र–छात्राएं गोद लिए जाते हैं। इन विद्यार्थियों के पठन–पाठन एवं आचरण–व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षक की होती है।

उद्देश्य– चिन्हित एवं लक्षित विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान।

कार्यपद्धति– सत्रारम्भ में शिक्षकों द्वारा अपनी–अपनी कक्षाओं से चार–चार विद्यार्थी चुने जाते हैं तथा एक विद्यार्थी प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक को दिया जाता है। शिक्षक द्वारा इन पाँचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करता है, वर्तमान सत्र में गोद लिए गए विद्यार्थियों के सन्दर्भ में यह निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, छात्रावासी, कक्षा प्रतिनिधि में से ही छात्र–छात्राएं गोद लिए जाएंगें। एक बार गोद लिया गया विद्यार्थी इस महाविद्यालय में अध्ययनरत रहते

हुए उसी शिक्षक के पास बना रहेगा। रिक्त स्थानों पर प्रायः स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को ही गोद लिया जाएगा।

(ज) गोद लिए गए गाँव– प्रत्येक विभाग द्वारा आस–पास के गाँव में से एक गाँव गोद लिया गया है।
उद्देश्य– आस–पास के गावों के साथ महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सीखाना। स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक विषयों पर जन–जागरण।
कार्यपद्धति– प्रत्येक विभाग द्वारा गोद लिये गए गाँव का पूर्ण विवरण विभागीय रपट में उपलब्ध है। गाँव के परिवारों का विवरण, अमीर–गरीब, साक्षर–निरक्षर, रोजगार–बेरोजगार, वृद्ध, दिव्यांग इत्यादि की पूर्ण सूचना विभाग के पास होती है। गाँव में जन–जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करता है। वर्ष में न्यूनतम चार बार विभाग के शिक्षक–विद्यार्थी (अगस्त का प्रथम रविवार, वाल्मीकि जयन्ती, फरवरी का प्रथम रविवार, परीक्षा के बाद का प्रथम रविवार) गाँव में जाएंगे।

(झ) सारांश– विद्यार्थियों को प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अपने व्याख्यान की छायाप्रति अब नहीं दी जाएगी। इसके वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लाग पर अपलोडेड पी.पी.टी द्वारा विद्यार्थी सम्बन्धित विषय की पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक ब्लॉग पर ही शिक्षक सारांश भी अपलोड कर सकते है।

12. प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम– (क) एवं (ख) महाविद्यालय द्वारा दो प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम–'**जीवन मूल्य**', '**हमारे पूर्वज**' संचालित किए जाते है।
उद्देश्य– विद्यार्थियों के आचरण–व्यवहार में भारतीय जीवन–मूल्यों का विकास करना। भारतीय संस्कृति के महापुरूषों की लम्बी श्रृंखला से परिचित कराना एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति आत्मगौरव एवं श्रद्धा का भाव उत्पन्न करना।
कार्यपद्धति– उक्त दोनों प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम बी0एड0 के लिए अनिवार्य तथा अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए स्वैच्छिक है। यह कक्षा सामूहिक परिचर्चा पद्धति से चलायी जाती है। कोई एक शिक्षक इस कक्षा का संचालन करता है। निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रत्येक विद्यार्थी को अपना मत लिखकर घर से लाना होता है।

(ग) निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग– योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग पाठ्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा किया जाता है।
उद्देश्य– संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत आस–पास के महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाना।
कार्यपद्धति– महाविद्यालय द्वारा इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु एक प्रशिक्षिका की नियुक्ति की गई है। अगस्त से जनवरी तक छः माह के इस पाठ्यक्रम की परीक्षा फरवरी माह में होती है। परीक्षा के तत्कालबाद परिणाम घोषित कर दिया जाता है समावर्त्तन संस्कार के अवसर पर उक्त प्रमाण–पत्र प्रशिक्षार्थियों को दिया जाता है। उक्त पाठ्यक्रम भी यथावत चलता रहेगा। वर्तमान सत्र से श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरुप प्रदान किया जाएगा।

(घ) निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण– संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत ही 'निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण'' पाठ्यक्रम महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।
उद्देश्य– आस–पास के गरीब बच्चों/छात्र–छात्राओं को कम्प्यूटर के माध्यम से आधुनिक तकनीकी ज्ञान के प्रति जागरूक करना।
कार्यपद्धति– 40–40 प्रशिक्षार्थियों का दो वर्ग इस पाठ्यक्रम में पंजीकृत किया जाता है। 15 जून से 30 जून तक 'पहले आओ–पहले पाओ' की नीति पर गाँव का जो भी बच्चा (किसी भी स्कूल की छात्र–छात्राएँ) सर्वप्रथम आवेदन करते हैं उनमें से 40 को प्रवेश दिया जाता है। 01 अगस्त से इनकी कम्प्यूटर कक्षाएँ प्रारम्भ कर दी जाती है। पुनः 16 अगस्त को इनमें से रिक्त स्थानों के लिए एवं दूसरे 40 के वर्ग का आवेदन लिया जाता है और प्रथमतः आने वालो का पंजीकरण कर दिया जाता है। 3

बजे से 4 बजे तक यह कक्षा कम्प्यूटर साइंस की प्रयोगशाला में चलती है। वर्तमान सत्र में भी यह कक्षा पूर्ववत् चलायी जाएगी।

(ङ) आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन– महाविद्यालय में 'आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन' पाठ्यक्रम रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है।

उद्देश्य– वर्तमान समय में पर्यावरणीय एवं परिस्थितिकीय परिवर्तन और इसके परिणाम स्वरुप प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदायें मानव जीवन पर तीव्र गति से प्रभाव डाल रही है। इन्ही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए रक्षा एवं स्त्रातजिक अधान विभाग द्वारा विद्यार्थियों में प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं के प्रति जागरुकता लाने के लिए एवं उसके प्रभाव को कम से कम करने के लिए आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन का प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

संचालन विधि– आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन के प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम 20 अगस्त 2021 से प्रारम्भ होकर 29 जनवरी 2022 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। सभी कक्षायें शुक्रवार एवं शनिवार को सातवीं घंटी में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में संचालित की जायेंगी। कक्षाओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित किया जायेगा और प्रोजेक्ट कार्य के रुप में विद्यार्थियों से स्थानीय समस्याओं और उनके निराकरण के लिए सम्भावित उपायों पर विद्यार्थियों से सूचना एवं आकड़े एकत्रित करवाये जायेंगे।

13. निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र– महाविद्यालय द्वारा ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन विगत वर्षो से किया जा रहा है। इस उपचार केन्द्र में डाक्टर एवं अन्य सामग्री गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ की ओर से उपलब्ध कराया जाता है। महाविद्यालय के आस–पास के गाँवों के गरीब और कमजोर व्यक्तियों तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु उपचार एवं निःशुल्क दवा की व्यवस्था होती है आवश्यकता होने पर गम्भीर रोग से पीड़ित मरीजों को गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय में रेफर कर उनका उपचार कराया जाता है। इस सत्र में नगर के कुछ प्रतिष्ठित चिकित्सकों को भी इस उपचार केन्द्र पर आमंत्रित करने की योजना बनाकर बुलाने की व्यवस्था किया जायेगा।

14. क्रीड़ा– श्रेष्ठ समाज के लिए शिक्षा के साथ स्वास्थ्य का सुदृढ़ होना अपरिहार्य है। इसी उद्देश्य से महाविद्यालय में आउटडोर एवं इनडोर गेम की व्यवस्था की गयी है। इस सत्र में बालीवाल, फुटबाल, क्रिकेट, बैडमिण्टन, कैरम, चेस इत्यादि गेम के साथ एथेलेटिक्स पर भी अधिक जोर देने का निर्णय लिया गया। सत्र में समय–समय पर जैसे महापुरुषों की जयन्ती, पुण्यतिथि, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थाकों से सम्बन्धित तिथियों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।

15. छात्रसंघ– छात्र संघ का संचालन छात्रसंघ द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार होगा। छात्रसंघ के माध्यम से विद्याथियों में नेतृत्व क्षमता एवं निर्णय लेने की प्रवृत्ति के विकास हेतु महाविद्यालय प्रशासन में छात्र सहभाग और विभिन्न समितियों के माध्यम से निर्णय में सहभागिता द्वारा उनके व्यक्तित्व विकास की व्यवस्थित योजना महत्वपूर्ण है।

16. राष्ट्रीय सेवा योजना– राष्ट्रीय सेवा योजना में साक्षात्कार के आधार पर पूर्व की भाँति ही स्वयं सेवकों का चयन किया जाएगा। पूर्ववत् सभी प्रकार के आयोजनों/गतिविधियों/ कार्यक्रमों के साथ इस सत्र का महत्वपूर्ण लक्ष्य होगा 'आदर्श ग्राम योजना'। इस योजना को ग्राम हसनगंज में लागू किया जाएगा। जिसके अन्तर्गत गॉव में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, नशा उन्मूलन सरकारी योजनाओं का लाभ इत्यादि के सम्बन्ध में जन जागरण जैसा प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

17. एन.सी.सी.– देश प्रेम एवं राष्ट्रधर्म निभाने वाले युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से गत सत्र से महाविद्यालय में एन.सी.सी. की दो ईकाइयाँ कार्यरत हैं जिसमें छात्र/छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस सत्र बालक वर्ग श्री रमाकान्त दूबे तथा बालिका वर्ग श्रीमती कविता मन्ध्यान के नेतृत्व में संचालित होंगी।

18. रोवर्स रेंजर– गत सत्र 2020–21 से महाविद्यालय में रोवर्स रेंजर की दो ईकाइयां संचालित हो रही हैं जो वर्तमान सत्र में भी संचालित होंगी। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र/छात्राओं को सामाजिक दायित्वों के प्रति उत्तरदायी बनाया जायेगा।

19. वेबसाइट/फेसबुक/यूट्यूब/ट्विटर – महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन रहे तथा आवश्यकतानुसार उसमें संशोधन–परिवर्तन किया जाए। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के क्रम में प्रत्येक शिक्षक अपने–अपने पाठ्यक्रम के अनुसार सभी व्याख्यान पी.पी.टी. बनाकर अपलोड करेंगे तथा अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री भी ब्लॉग पर अपलोड किये जायें। इसकी जानकारी विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जायेगी ताकि विद्यार्थी बेवसाइट से भी पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सके। वेबसाइट को निरन्तर व्यवस्थित एवं संवद्धित करवाने हेतु इस सत्र में श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव को अधिकृत किया गया। महाविद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियां फेसबुक, यूट्यूब एवं ट्विटर पर भी प्रसारित किया जाय।

20. तकनीकी प्रसार– तकनीकी प्रसार के क्षेत्र में भी महाविद्यालय नित नूतन प्रयोगों के साथ अधुनातन तकनीकों को विगत सत्रों से ही आत्मसात करता चला आ रहा है। महाविद्यालय के व्याख्यान कक्षों को प्राजेक्टर से युक्त करने का कार्य विगत सत्रों में प्रारम्भ किया गया था। वर्तमान में महाविद्यालय के सभी 31 व्याख्यान कक्षों एवं प्रयोगशालाओं को प्रोजेक्टर से लैस कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त सूचना सम्प्रेषण तकनीकी (ICT) को भी महाविद्यालय उत्तरोत्तर विकसित रुप में आत्मसात करता रहेगा। महाविद्यालय का अपना फेसबुक पेज एवं यू–ट्यूब चैनल है जिसपर महाविद्यालय से सम्बन्धित समस्त सूचनाएं एवं कार्यक्रम यथासमय सम्प्रेषित किया जाता है। वर्तमान समय में महाविद्यालय में अध्यापन विधि को और अधिक प्रभावी एवं बोधगम्य बनाने के लिए एक व्याख्यान कक्ष को स्मार्ट बोर्ड से युक्त किया गया है। भविष्य में अन्य कक्षों को भी स्मार्ट बोर्ड से लैस किए जाने की योजना है। इन सबके साथ ही महाविद्यालय का सम्पूर्ण परिसर वाई–फाई से युक्त है।

21. कार्यालय– ''विद्यार्थी हित सर्वोपरि'' नीति केन्द्रित कार्यालय कार्य करेगा। किसी भी विद्यार्थी को अपने किसी कार्य हेतु कार्यालय में दूसरी बार न आना पड़े। प्रथम आगमन पर ही कार्य सुनिश्चित हो। आय–व्यय बैंक की तर्ज पर प्रतिदिन अद्यतन रखा जाय तथा आय–व्यय का हिसाब पूर्ण कर ही कार्यालय बन्द हो। शिक्षक–कर्मचारी का कोई भी कार्य रोका न जाय, उसका त्वरित समाधान हो। कार्यालय की पूरी कार्यपद्वति पारदर्शी होगी।

22. NAAC/AISHE– महाविद्यालय ने अपने सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से वर्ष 2015 में यू0जी0सी0 और भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था **NAAC** द्वारा मूल्यांकन कराया था। यह मूल्यांकन प्रत्येक पाँच वर्ष उपरान्त नैक द्वारा किये जाने की सुनिश्चित व्यवस्था है। महाविद्यालय में वर्तमान सत्र में पुनः नैक द्वारा मूल्यांकन कराया जायेगा। महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ट (**IQAC**) प्रारम्भ से ही कार्य कर रहा है।

23. प्रमुख कार्यक्रम/आयोजन– एक संयोजक समिति का गठन किया गया। प्रमुख कार्यक्रम/आयोजन एवं संयोजक हेतु समिति निम्नवत है–

कार्यक्रम/ आयोजन		**संयोजक**
13 अगस्त भारत विभाजन की पूर्व संध्या (व्याख्यान)	–	डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा
15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस समारोह	–	श्रीमती शिप्रा सिंह
राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला	–	डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा
महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज पुण्यतिथि कार्यक्रम	–	डॉ. विजय कुमार चौधरी
युवा महोत्सव/वार्षिक महोत्सव	–	डॉ. आरती सिंह
संस्थापक समारोह (शिक्षा परिषद)	–	डॉ. आर.एन. सिंह

भारत–भारती पखवारा (12 जनवरी–26 जनवरी)	–	सुश्री शारदा रानी
सरस्वती पूजा (बसन्त पंचमी)	–	श्रीमती पुष्पा निषाद
समावर्तन संस्कार समारोह	–	श्रीमती कविता मंध्यान

24. वार्षिक बजट–बैठक में सत्र 2021–22 हेतु प्रस्तावित बजट पर विचार विमर्श कर सर्व सम्मति से पारित कर दिया गया।

सत्र 2021–22		
मद	**आय (सत्र 2020–21)**	**सम्भावित आय (सत्र 2021–22)**
विकास*	2548900	3000000
शिक्षण*	7561400	8000000
पुस्तकालय*	1504700	1800000
प्रयोगशाला*	1321100	1500000
क्रीड़ा*	708500	8000000
विद्युत मेन्टेनेन्स*	1458800	1500000
बी.एड् प्रथम	5227500	4950000
बी.एड् द्वितीय	2888000	3300000
योग	**23218900**	**32050000**

* बी.ए., बी.एस–सी., बी.काम. एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रथम वर्ष में प्रवेश से छात्र संख्या बढ़ेगी।

सम्भावित व्यय (सत्र 2021–22)	
प्रस्तावित वेतन पर व्यय	18000000
महाविद्यालय में अन्य व्यय लगभग	3000000
विकास पर	11050000
योग	**3205000**